नई दिल्ली। बुधवार, 05 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 211/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद 21 अगस्त... @ विचार मानसून आधारित खेती- चुनौती से अवसर... @ व्यापार सेंसेक्स 210 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.6 प्रतिशत...

हंगामे-विरोध के बीच लोकसभा से पारित हुआ विनियोग विधेयक

विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के दौरान लगातार जारी हंगामे और विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा ने मंगलवार को विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। यह विधेयक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान हुए अतिरिक्त सरकारी खर्च को भारत की संचित निधि (कंसोलिडेटेड फंड ऑफ इंडिया) से अधिकृत करने से संबंधित है।

सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक भी विचार के लिए पेश किया। इस विधेयक के तहत पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007, आयकर अधिनियम, 2025 और वित्त अधिनियम, 2026 में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है।

मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों के कारण कई बार बाधित हुई। विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इनमें राम मंदिर चंदे में कथित गड़बड़ी, 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई और कावेरी जल विवाद जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

लगातार हंगामे और गतिरोध के कारण लोकसभा की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी और अंततः पूरे दिन के लिए सदन की कार्यवाही समाप्त कर दी गई। अब लोकसभा की बैठक बुधवार सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी।

इससे एक दिन पहले सोमवार को भी लोकसभा ने विपक्ष के विरोध के बीच बिना चर्चा के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या बढ़ाने से संबंधित विधेयक को पारित कर दिया था।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही को बार-बार बाधित करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्ष जानबूझकर सदन की कार्यवाही में रुकावट पैदा कर रहा है, जिससे महत्वपूर्ण विधायी कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

भाजपा ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल संसद में जरूरी मुद्दों पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं और इससे चुने हुए जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़े विषय उठाने का अवसर नहीं मिल पा रहा है।

गौरतलब है कि मानसून सत्र के दौरान नीट पेपर लीक विवाद और 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रहा है।

विपक्षी दल इन मुद्दों पर केंद्रीय गृह मंत्री से जवाब की मांग कर रहे हैं और प्रदर्शनकारियों पर कथित 'फायरिंग' के मामले को भी संसद में उठाते रहे हैं।

संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध के चलते महत्वपूर्ण विधेयकों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा प्रभावित हो रही है, जबकि सरकार और विपक्ष के बीच टकराव फिलहाल खत्म होता नजर नहीं आ रहा है।

राज्यसभा चुनाव विवाद : तीनों नवनिर्वाचित सांसदों को नोटिस जारी

मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर हाईकोर्ट सख्त

एजेंसी ■ जबलपुर

राज्यसभा सदस्य का नामांकन निरस्त किए जाने को चुनौती देते हुए कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन की तरफ से हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति बी.पी. शर्मा की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश से निर्वाचित तीनों राज्यसभा सदस्यों सहित अन्य अनावेदकों को नोटिस जारी किए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

नटराजन द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि तेलंगाना की एक अदालत में एक महिला द्वारा दायर निजी परिवाद में मीनाक्षी नटराजन को प्रतिवादी बनाया गया था। इसी कारण अदालत ने उन्हें नोटिस जारी किया था। याचिका के अनुसार उनके खिलाफ न तो कोई आपराधिक मामला दर्ज था और न ही कोई आपराधिक मुकदमा विचाराधीन था।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान उनके नामांकन पर आपत्ति दर्ज होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने नियमों के विपरीत जल्दबाजी में कार्रवाई करते हुए यह कहते हुए नामांकन निरस्त कर दिया कि उन्होंने न्यायालय में लंबित प्रकरण की जानकारी छिपाई है।

याचिका में मध्य प्रदेश से निर्वाचित राज्यसभा सदस्य तरुण चुघ, रजनीश कुमार अग्रवाल और महेश केवट समेत केन्द्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त, रिटर्निंग अधिकारी, प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश विधान सभा तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी राज्य चुनाव आयोग को अनावेदक बनाया गया है। वहीं इस मामले में मीनाक्षी नटराजन का कहना है कि उन्होंने सुनवाई के दौरान रिटर्निंग अधिकारी को स्पष्ट किया था कि संबंधित परिवाद में उनके खिलाफ कोई आपराधिक आरोप नहीं है। उन्हें केवल औपचारिक रूप से प्रतिवादी बनाया गया है। इसके बावजूद उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया, जो नियमों के विपरीत है। मीनाक्षी ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर की इस हरकत से उन्हें राज्यसभा नामांकन से वंचित होना पड़ा। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय गुप्ता व आर्यन गुप्ता ने पैरवी की।

पूछताछ के बाद बेल पर रिहा हुए उदयनिधि स्टालिन, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार को पुलिस पूछताछ के बाद स्टेशन बेल पर रिहा कर दिया गया। उन्हें उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में हिरासत में लिया गया था। उनकी रिहाई मद्रास हाईकोर्ट के उस निर्देश के बाद हुई, जिसमें पुलिस को मंगलवार को ही पूछताछ पूरी कर उन्हें छोड़ने का आदेश दिया गया था।

उदयनिधि स्टालिन से तंजावुर जिले के सेंगिपट्टी पुलिस स्टेशन में करीब डेढ़ घंटे तक पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक सुंदरवथनम भी मौजूद रहे। पूछताछ शुरू होने तक उदयनिधि करीब आठ घंटे पुलिस हिरासत में रह चुके थे।

शुरुआत में पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए तंजावुर साउथ पुलिस स्टेशन ले जाने वाली थी, लेकिन वहां बड़ी संख्या में डीएमके कार्यकर्ताओं के जुटने के कारण पूछताछ का स्थान बदलकर सेंगिपट्टी पुलिस स्टेशन कर दिया गया। बताया गया कि उदयनिधि ने पहले सेंगिपट्टी में पूछताछ का विरोध किया और पुलिस वाहन से उतरने से इनकार कर दिया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के साथ लंबी बातचीत के बाद वह थाने के अंदर गए और जांच में सहयोग किया। रिहाई के बाद उदयनिधि स्टालिन का डीएमके कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। वह एक खुले वाहन में सवार होकर समर्थकों का अभिवादन करते नजर आए और हाथ हिलाकर उनका धन्यवाद किया। इससे पहले हिरासत में लिए जाने से पूर्व उदयनिधि स्टालिन के वकील ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि उदयनिधि को न्यायिक हिरासत में भेजने का कोई इरादा नहीं है और पूछताछ के बाद उन्हें स्टेशन बेल दे दी जाएगी।

सरकार के इस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए मद्रास हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि पूछताछ मंगलवार को ही पूरी कर ली जाए और इसे अगले दिन तक न खींचा जाए। साथ ही पूछताछ के बाद उदयनिधि स्टालिन को रिहा करने का आदेश दिया। इस बीच डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीवीके सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए नेता प्रतिपक्ष को निशाना बना रही है।

2019 से 2026 तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापिस लाया गया

मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' बनाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भगोड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम' लागू हुआ। गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, भारत ने भगोड़ों के खिलाफ एक एकीकृत, खुफिया-आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित मॉडल विकसित किया है, जिससे भगोड़ों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए उन्हें वापस लाने का रास्ता साफ हुआ।

2014 से पहले प्रत्यर्पण के कानून कालबाह्य हो गए थे और केवल 37 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियां थीं। आर्थिक भगोड़ों को पकड़ने और उनकी संपत्ति जब्त करने के लिए कोई अलग कानून नहीं था। 2004 से 2013 के बीच एक वर्ष में औसतन केवल 4 भगोड़ों का प्रत्यर्पण होता था जबकि 110 अनुरोध लंबित थे। इसके अलावा, अधूरे दस्तावेज़ और धीमी कार्यवाही के कारण प्रत्यर्पण प्रक्रिया बहुत जटिल हो गई थी और विदेशी अदालतें भी प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं देती थीं। साथ ही, कानूनी एवं न्यायिक बाधाओं जैसे, दोहरे अभियोजन से बचाव और दोहरे अपराध के सिद्धांत के कारण भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध रद्द किए जाते थे। गृह मंत्रालय और अन्य विभागों में समन्वय और एकीकृत रणनीति का अभाव भी था और भगोड़ों की जानकारी साझा करना, लोकेशन ट्रैकिंग, रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने जैसे कार्य धीमी गति से चलते थे। भगोड़ों को वापस लाने को लेकर पहले की सरकारों में पॉलिटिकल विल का अभाव था, मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' बनाया।

बिहार को बेहतर नेतृत्व चाहिए, बांकीपुर का जनादेश यही संदेश देता है : प्रशांत किशोर

एजेंसी ■ पटना

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव 19 हजार से ज्यादा वोटों से जीतने के बाद जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी व्यक्ति के विधायक बनने से बांकीपुर बेंगलुरु नहीं बनेगा। पटना में आईएएनएस से बातचीत में प्रशांत किशोर ने भविष्य की राजनीति, बांकीपुर विधानसभा का विकास सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तार से बात की।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा, 'हमने एक बात कही है कि प्रशांत किशोर या किसी व्यक्ति के विधायक बनने से बांकीपुर बेंगलुरु नहीं बनेगा, लेकिन अगर यहां पर जनता ने अवसर दिया है, तो एक ब्लूप्रिंट बनाकर अगले 1-1.5 साल में जारी करेंगे कि बांकीपुर भी बेंगलुरु या बेंगलुरु जैसे बेहतर शहर जैसा कैसे बन सकता है।

उसका ब्लूप्रिंट जारी करेंगे।' बांकीपुर चुनाव नतीजे पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'इस चुनाव में जीत से ज्यादा भाजपा की हार को देखना चाहिए।

पीओके में चुनाव दिखावा, मुखौटे के पार देखना जरूरी : विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे 'तथाकथित चुनावों' को दिखावा करार दिया है और वैश्विक संगठनों से अपील की कि आम नागरिकों पर हो रही ज्यादती के खिलाफ कदम उठाएं।

मंगलवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में यह तथाकथित स्थानीय चुनाव पूरी तरह से दिखावा है। वास्तविक स्थिति वहां हो रहे जन प्रदर्शन और पाकिस्तानी बलों द्वारा की जा रही निर्मम हत्याओं की है। ऐसे खोखले दावे वास्तविकता से अलग हैं।'

पीओके में प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के परिणाम को रेखांकित करते हुए जायसवाल ने कहा, 'वहां जो जन प्रदर्शन चल रहा है वहां जून से अब तक 90 लोग मारे गए हैं। और कई और घायल हुए हैं। वहां की सत्ता व्यवस्था जनता के असंतोष का जवाब गोली से, संचार बंदी, दमन और धमकी से दिया है।'

उन्होंने वैश्विक समुदाय से पाकिस्तान का पाखंड से भरा चेहरा साफ देखनी की अपील की। आगे कहा, ' पाकिस्तान अब खोखले चुनावी अभ्यास ये वैधता का भ्रम पैदा कर रहा है। इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विश्व समुदाय को मानवाधिकार पर पाकिस्तान के पाखंडपूर्ण उपदेशों के मुखौटे के पार वास्तविकता को देखना चाहिए।'

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की फायरिंग और दमनकारी कार्रवाई की दुनिया भर में चर्चा है। जम्मू और कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन 5 जून को शुरू हुए थे। वहीं पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को लेकर पूछे गए सवाल पर जायसवाल ने कहा, 'सभी ने देखा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने उन्हें कैसा जवाब दिया था। हम तो सभी देशों से क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म और इसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की अपील करते हैं।

बांकीपुर : भाजपा के अवसान की आहट?

सिर्फ एक सीट नहीं हारी भाजपा, बिहार में नेतृत्व, संगठन और जनविश्वास की भी हुई परीक्षा

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर भाजपा की हार को केवल एक उपचुनाव का परिणाम मानना राजनीतिक भूल होगी। यह वह सीट थी, जिसे भाजपा का सबसे सुरक्षित शहरी गढ़ माना जाता था। तीन दशक तक यहां भगवा लहराने के बाद यदि पार्टी अपना किला नहीं बचा सकी, तो यह महज़ वोटों का गणित नहीं, बल्कि बदलते जनमत का संकेत भी हो सकता है।

इस हार का सबसे बड़ा राजनीतिक असर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर पड़ा है। बांकीपुर उनके राजनीतिक व्यक्तित्व की पहचान रही है। उनके सीट खाली करने के बाद हुए उपचुनाव में भाजपा की पराजय ने स्वाभाविक रूप से उनके संगठनात्मक नेतृत्व और जनाधार पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। राजनीति में प्रतीक बहुत मायने रखते हैं और जब कोई नेता अपना ही राजनीतिक दुर्ग सुरक्षित नहीं रख पाता, तो उसका संदेश पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह दूर तक जाता है।

भाजपा के लिए इससे भी बड़ी चिंता यह होनी चाहिए कि हार ऐसे समय आई है जब पार्टी स्वयं को सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करती रही है। यदि सबसे सुरक्षित सीट भी हाथ से निकलने लगे, तो यह संकेत है कि मतदाता अब केवल पुराने राजनीतिक समीकरणों से संतुष्ट नहीं हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा के पारंपरिक सवर्ण मतदाता वर्ग में पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं दे रही। वहीं पहली बार मतदान करने वाली Gen Z पीढ़ी जातीय या वैचारिक नारों से अधिक रोजगार, अवसर, शिक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर राजनीतिक विकल्प तलाश रही है। यह बदलाव यदि व्यापक रूप लेता है, तो आने वाले चुनावों में भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

भाजपा की वैचारिक राजनीति का सबसे बड़ा आधार राम मंदिर आंदोलन रहा है। ऐसे में अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की चोरी की घटना ने राजनीतिक रूप से असहज प्रश्न अवश्य खड़े किए हैं। विपक्ष इसे भाजपा की नैतिक विश्वसनीयता पर चोट के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। हालांकि, यह स्थापित तथ्य नहीं है कि इस घटना ने बांकीपुर चुनाव परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। फिर भी राजनीति में धारणा अक्सर वास्तविकता जितनी ही प्रभावशाली होती है, और भाजपा के लिए यह धारणा चुनौती बन सकती है।

बांकीपुर ने यह संदेश दिया है कि चुनाव केवल संगठन, संसाधन और सत्ता के भरोसे नहीं जीते जाते। मतदाता समय-समय पर सत्ता को यह याद दिलाता है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। भाजपा के लिए यह हार चेतावनी है कि यदि वह अपने पारंपरिक समर्थकों की अपेक्षाओं, युवाओं की आकांक्षाओं और नैतिक विश्वसनीयता के प्रश्नों पर गंभीर आत्ममंथन नहीं करती, तो बांकीपुर भविष्य की बड़ी राजनीतिक तस्वीर का ट्रेलर भी साबित हो सकता है।

राजनीति में हार कभी केवल एक सीट की नहीं होती; कई बार वह उस आत्मविश्वास की भी होती है, जो यह मान बैठता है कि जनता के पास अब कोई दूसरा विकल्प नहीं है। बांकीपुर ने शायद यही भ्रम तोड़ा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जमीन सौदों पर सपा सांसदों का प्रदर्शन, संसद में चर्चा की मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। संसद परिसर में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर अन्य विपक्षी दलों के सांसदों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, अवधेश प्रसाद और अन्य नेताओं ने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच और संसद में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे, दान और भूमि खरीद में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, जिनकी जांच अब तक पूरी नहीं की गई है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दो वर्ष पहले इस मामले की जांच के लिए एक समिति बनाई गई थी, लेकिन उसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि जांच समिति के पास सभी तथ्य और साक्ष्य मौजूद थे, तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की जमीनों की खरीद-फरोख्त में भारी मूल्य अंतर देखा गया। 2 करोड़ रुपए की जमीन 16 करोड़ रुपए में और 5 करोड़ रुपए की जमीन 23 से 30 करोड़ रुपए तक में खरीदी गई। इस अतिरिक्त राशि का लाभ आखिर किसे मिला और यह पैसा किन खातों में गया।

डिंपल यादव ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था और देश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा विषय है। इसलिए मंदिर के नाम पर लोगों द्वारा श्रद्धा से दिए गए चढ़ावा और दान का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। उनकी पार्टी नहीं चाहती कि लोगों की धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किसी संगठन या संस्था को चलाने के लिए किया जाए। जनता ने जिस विश्वास के साथ दान दिया है, उसका सही उपयोग सुनिश्चित होना चाहिए। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से आम जनता में नाराजगी है और विपक्ष केवल इस मुद्दे पर संसद में चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार इस पर चर्चा कराने से बच रही है। यह देश के लोगों का पैसा है और अब तक यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कथित रूप से कितनी राशि की हेराफेरी हुई है। उन्होंने इसे देश की धरोहर से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए सरकार से तत्काल और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। डिंपल यादव ने यह भी कहा कि सवाल केवल दान राशि का नहीं है, बल्कि मंदिर को मिली धातुओं, आभूषणों और भूमि सौदों में हुई अनियमितताओं का भी है।

यह जानना जरूरी है कि दान और जमीन से जुड़े करोड़ों रुपए आखिर किसके पास पहुंचे। यदि इस तरह की अनियमितताएं हुई हैं तो इससे देश की भावनाओं के साथ खिलवाड़ हुआ है।

वहीं, पटना और मध्य प्रदेश के उपचुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए डिंपल यादव ने कहा कि नतीजे उत्साहजनक हैं, हालांकि उपचुनाव और आम चुनाव की परिस्थितियां अलग होती हैं। यदि उत्तर प्रदेश में नियमित विधानसभा चुनाव होते हैं तो राजनीतिक तस्वीर अलग हो सकती है।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ में नीरज बवाना गिरोह के बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जीटीके रोड से हिरनकी पुश्ता रोड के बीच हुई एक मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना/नवीन बाली गैंग के एक कथित सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान सविंदर उर्फ बाबा उर्फ पागल के रूप में हुई है। गोलीबारी के दौरान वह घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोमवार की रात करीब 10 बजे स्पेशल स्टाफ और अलीपुर थाना पुलिस की टीमों ने आरोपी की गतिविधियों संबंधी विशेष खुफिया सूचना के आधार पर की।

पुलिस के अनुसार, 36 वर्षीय सविंदर गैंग का एक प्रमुख सहयोगी था और उस पर अलीपुर तथा नरेला क्षेत्र के कारोबारियों और प्रॉपर्टी डीलरों से कथित रूप से रंगदारी वसूलने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिशोध के डर से कई पीड़ित पुलिस के पास आने से हिचकिचा रहे थे। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए जीटीके रोड से हिरनकी पुश्ता रोड जाने वाले मार्ग पर जाल बिछाया। पुलिस के बयान के अनुसार, जब सविंदर को रोका गया और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तो उसने कथित रूप से पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी।

दिल्ली पुलिस ने अपने बयान में कहा, 'जैसे ही आरोपी को रोका गया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, उसने हिंसक रुख अपनाते हुए पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।' गोलीबारी के दौरान सब इंस्पेक्टर विशाल बाल-बाल बच गए, क्योंकि एक गोली उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट से टकराई। पुलिस के अनुसार, टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और उसे काबू कर लिया गया। इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ।

आरोपी को तुरंत चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। पहले उसे राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया और बाद में एलएनजेपी अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने बताया कि फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और वह होश में है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक पिस्तौल, 7.65 मिमी के तीन कारतूस, 7.65 मिमी के तीन खाली खोखे और 9 मिमी के दो खाली खोखे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, सविंदर के खिलाफ छह एफआईआर दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या के प्रयास, हमला और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले शामिल हैं।

भारत टेक्स 2026 से वैश्विक बाजार में बढ़ी भारतीय वस्त्र उद्योग की ताकत : बृजमोहन अग्रवाल

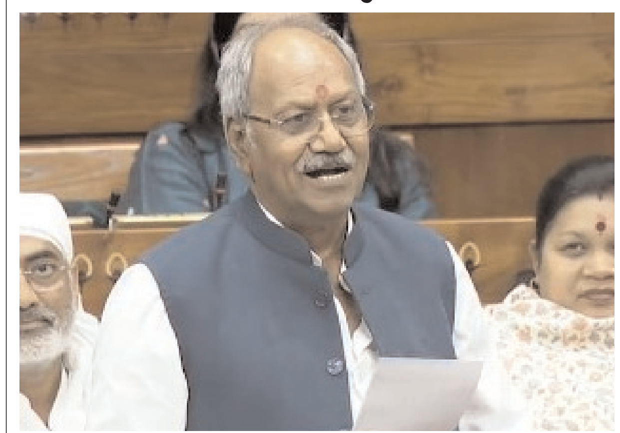

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारत टेक्स 2026 ने भारतीय वस्त्र उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि भारत के क्षेत्रीय वस्त्र हब, विशेषकर छत्तीसगढ़ के कुशल कारीगरों में वैश्विक बाजार का नेतृत्व करने की अपार क्षमता है। यह आयोजन राज्य की पारंपरिक बुनाई और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जोड़ने का प्रभावी मंच बना है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '5स्न विजन' (फार्म टू फाइबर, फैक्ट्री, फैशन और फॉरेन) पर आधारित इस आयोजन से भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत हुई है। भारत टेक्स 2026 के माध्यम से 500 से अधिक नए भारतीय निर्यातकों को भी जोड़ने में मदद मिली।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ को 100 वर्गमीटर का विशेष प्रदर्शनी पवेलियन दिया गया, जहां राज्य की समृद्ध हथकरघा परंपरा और क्षेत्रीय उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में 138 देशों के 6,090 विदेशी खरीदार शामिल हुए तथा 29 हजार से अधिक बी2बी बैठकें आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि यह पहल स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और भारत को भविष्य का अग्रणी वस्त्र निर्यातक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आर्टिकल 370 हटने के 7 साल बाद कितना बदला जम्मू-कश्मीर? जानिए लोगों की राय

विश्व केसरी

लखनऊ। 5 अगस्त 2019... एक ऐसा संवैधानिक फैसला जिस पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में आज भी बहस होती है। सात साल बाद भी यह दिन इतिहास में एक अहम मोड़ के तौर पर दर्ज है।

जम्मू-कश्मीर के इतिहास में महाराजा हरि सिंह का बहुत अहम स्थान है। 1947 में उन्होंने 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' (विलय पत्र) पर हस्ताक्षर किए, जिसके जरिए जम्मू-कश्मीर भारत में शामिल हुआ। इसके बाद, जम्मू-कश्मीर और भारत के बीच संवैधानिक रिश्ते को खास प्रावधानों के तहत तय किया गया, जिसमें आर्टिकल 370 ने अहम भूमिका निभाई। कई दशकों तक जम्मू-कश्मीर को आर्टिकल 370 के तहत खास संवैधानिक दर्जा मिला हुआ था, जिसमें इस क्षेत्र पर कई केंद्रीय कानूनों के लागू होने के लिए खास संवैधानिक प्रावधान थे। आर्टिकल 35ए ने राज्य के स्थायी निवासियों को खास अधिकार और सुविधाएं भी दी थीं। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने आर्टिकल 370 के प्रावधानों को हटाने का फैसला

डेहरी ईओ हत्याकांड : तेजस्वी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को सुरक्षा की मांग

विश्व केसरी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमार की हत्या को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और पुलिस इस मामले के मुख्य आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होंने निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सुरक्षा एवं सरकारी नौकरी देने की मांग की।

मंगलवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने कहा कि दो दिन पहले डेहरी में जिस तरह कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या हुई, वह केवल एक अधिकारी की हत्या नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह दूसरे सरकारी अधिकारी की हत्या है, जिससे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

तेजस्वी यादव ने बताया कि वह मृतक अधिकारी के परिजनों से मिले थे। उन्होंने कहा कि परिवार में दो छोटे बच्चे और उनकी पत्नी हैं तथा उनकी पूरी संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है। राजद नेता ने आरोप लगाया कि इस मामले में सत्तारूढ़ गठबंधन के एक विधायक की भूमिका को लेकर परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकिन पुलिस उस दिशा में जांच नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बिना पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट आए ही पुलिस अधिकारियों की ओर से ड्राइवर को हत्यारा बताया जाना जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। उनका दावा था कि परिवार का आरोप है कि इस घटना में एक से अधिक लोग शामिल थे।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने बाढ़ और सूखे के संकट के बीच मंत्रियों को जिलेवार जिम्मेदारी सौंपी

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक में बाढ़ और सूखे की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कैबिनेट मंत्रियों को जिलेवार जिम्मेदारियां सौंपी हैं और उन्हें तुरंत निरीक्षण करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों का दौरा करें, हर तालुक में स्थिति का आकलन करें और जल्द से जल्द सरकार को एक डिटेल्ड ग्राउंड-लेवल रिपोर्ट जमा करें। उप मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री जी. परमेश्वर को सरकार की ओर से आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले मंत्रियों द्वारा जमा की गई रिपोर्ट लेने और उनका रिव्यू करने का काम सौंपा गया है। उप मुख्यमंत्री जी. परमेश्वर को तुमकुरु जिले की जिम्मेदारी दी गई है। टी. रघु मूर्ति (चित्रदुर्ग), ट्रांसपोर्ट मंत्री बी.एस. बिरथी सुरेश (चिक्काबल्लापुरा), फूड और सिविल सप्लाई मंत्री के.एच. मुनियप्पा (बेंगलुरु रूरल), वॉटर रिसोर्स मंत्री रामलिंगा रेड्डी (कोलार), एच.सी. बालकृष्ण (बेंगलुरु साउथ)।

जम्मू-कश्मीर में इस साल हुई बादल फटने की 35 घटनाएं, 31 लोगों की मौत और तबाही का दिखा मंजर

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 2026 की गर्मियों को लंबे समय तक याद रखा जाएगा, क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले लोगों के लिए बादल फटना कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक आम बात बन गई थी। अब तक इस केंद्र शासित प्रदेश में बादल फटने की 35 घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 31 लोगों की जान चली गई।

1 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में जबरदस्त बादल फटने की घटना हुई, जिससे भारी तबाही मची। बाढ़ का पानी अपने साथ मलबा, उखड़े हुए पेड़ और पत्थर बहाकर रिहायशी इलाकों और स्थानीय बाजार तक ले आया। कई घरों में दरारें आ गईं, दुकानें पानी में डूब गईं और खड़ी गाड़ियां बह गईं। कुछ इलाकों में बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित हुई, जिसके बाद अधिकारियों ने बहाली का काम शुरू किया। पिछले चार दिनों में शोपियां जिले में लगातार तीन बार बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे जिले के बद्रहामा, पहलपोरा और हीरपोरा इलाकों में सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने की इन तीन घटनाओं के कारण कई घर पानी में डूब गए और बचाव एजेंसियों को आपातकालीन कार्रवाई करनी पड़ी। अचानक बादल फटने से पानी का बहाव तेजी से बढ़ा, जिससे रिहायशी इलाकों में बाढ़ आ गई और कई परिवार प्रभावित हुए।

भोजपुर रेलवे स्टेशन की दीवार से ऑटो टकराने से दो की मौत, 5 घायल

विश्व केसरी

पटना। बिहार के भोजपुर जिले में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बालू घाट से लौट रही एक ऑटो रिक्शा रेलवे स्टेशन की दीवार से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी मजदूर रानीतालाब थाना क्षेत्र स्थित घाना बालू घाट पर दिनभर काम करने के बाद ऑटो-रिक्शा से अपने घर कोइलवर लौट रहे थे। ऑटो-रिक्शा अब्दुलबारी आयरन ब्रिज पार कर रहा था। पुल से आगे बढ़ने के कुछ ही देर बाद चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ऑटो-रिक्शा कोइलवर रेलवे स्टेशन की दीवार से जा टकराया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कई मजदूर वाहन के अंदर फंस गए। गंभीर रूप से घायल मजदूरों में कोइलवर नगर के वार्ड संख्या 6 निवासी 50 वर्षीय मोहम्मद सगीर अहमद भी शामिल थे। उन्हें तत्काल कोइलवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /.....34032..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34032
वार्ड का नाम 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RP R229A00074 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MRS. HEMANANT पिता/पति श्री श्रीमती MR. S.K. ANANT के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती जया शर्मा पिता/पति श्री श्रीमती पति गगन शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....33802..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33802
वार्ड का नाम 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR331E00223 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DEELIP KUMAR TEJWANI पिता/पति श्री श्रीमती INDAR LAL TEJWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SECURED SECURITY SOLUTIONS PVT. LTD. BY DIRECTOR SRI RANDEEP SHARMA पिता/पति श्री श्रीमती S/O VINOD SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34035..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34035
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. RP R662G00171 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती CHAITI BAI पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती प्रीति यादव पिता/पति श्री श्रीमती पति राजेश कुमार यादव ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, sahmati patr, adhar card, mrityu praman patr, nigam ta& copy / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव (जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र .....33990..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33990
वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RP R344K00107 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती NIVESH WEL DWARA-SUNIL SAHU पिता / पति श्री श्रीमती SHRI SHYAMLAL SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती SAPNA SAHU पिता/पति श्री श्रीमती SUNIL SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। पदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक पा दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं... .34027.../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34027
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652H0001E जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती RAJENDRA SINGH MATREJA पिता / पति श्री श्रीमती DARSHAN SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती TALIB HUSSAIN पिता / पति श्री श्रीमती S/O GULAM HUSSAIN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं... .34031..../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34031
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663R01309 जो की निगम अभिलेख श्री। श्रीमती shahista bano पिता/पति श्री श्रीमती ABDUL LATIF के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती अनिता रामानी पिता /पति श्री श्रीमती पति गोपीचंद रामानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं... 33963..../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 31-07-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33963
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663R01170 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. LEELA DEVI VERMA WIO LATE ARUN KUMAR VERMA, 2. RAJESH KUMAR VERMA, 3. SANJAY KUMAR VERMA S/O LATE ARUN KUMAR VERMA पिता / पति श्री श्रीमती S/O LATE ARUN KUMAR VERMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती ARUNA SINGH पिता / पति श्री/श्रीमती W/O RANG BIHARI SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर) जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः:-
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं 34024.../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34024
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652F01487 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती MS TRISHAKTI BUILDCON BY PARTNER, ASHOK SAHU S/O PUNURAM SAHU, JANKI SAHU DIO RAM AVTAR SAHU, SARITA SAHU DIO SANTOSH SAHU, SUREKHA SAHU पिता/पति श्री श्रीमती GOPAL SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती KALIYA THAKUR पिता / पति श्री श्रीमती W/O RAJENDRA SINGH THAKUR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः:-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं 34023./ न. पा. नि. जोन के 6/2026 रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34023
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652F01207 जो की निगम अभिलेख श्री । श्रीमती RIKHIRAM SAHU पिता/पति श्री श्रीमती SUKHRAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती SITA PATEL पिता /पति श्री श्रीमती WIO LAL KRISHNA PATEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है । यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा । आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक,
रायपुर : :
Email ID - rmczonel@gmail.com

पत्र क्रं / 34034 / न.पा.नि. / जोन क्रं.- 7 रायपुर 2026 दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34034
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR717D0691A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती BHAGWATI SONI पिता / पति श्री / श्रीमती SHAMBHU PRASAD SONI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री प्रखर डागा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता नारायण दास डागा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्ल परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी,
रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....33926..../ न. पा. नि. / जोन क्र 1/2026, दिनांक 01-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33926
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104N00173 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SURYAKANT SHARMA पिता / पति श्री/श्रीमती ARUN KUMAR SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Anil chaturwedi पिता / पति श्री/श्रीमती Santu chaturwedi ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है 7 यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रदेश में खेलों को नई उड़ान, 157 करोड़ का बजट प्रावधान

विश्व केसरी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभाग की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने और नई प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए वर्ष 2026–27 में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपये तथा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के लिए 57 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार हॉकी लीग आयोजित करने की तैयारी चल रही है। खेल अकादमियों के 14 प्रशिक्षकों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए पटियाला भेजा गया है। वहीं छह नए जिलों में खेल अधिकारियों के पद सृजित किए गए हैं और प्रशिक्षकों, जिला खेल अधिकारियों, सहायक ग्रेड-3 तथा वार्डनों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। अरुण साव ने बताया कि राज्य के गठन के समय खेल विभाग का बजट केवल 4 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 304 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक और इस वर्ष शुरू हुए सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सफल मेजबानी ने भी छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है।

संत रविदास जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदेश स्तरीय कलश वंदन अभियान के शुभारंभ समारोह में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में अब से संत रविदास जयंती यानी माघ पूर्णिमा के अवसर पर सरकारी अवकाश रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए संत रविदास के नाम पर नया राज्य अलंकरण पुरस्कार शुरू करने, नया रायपुर के प्रमुख चौक का नामकरण उनके नाम पर करने और माघ पूर्णिमा के दिन संपूर्ण राज्य में शुष्क दिवस (ड्राय डे) लागू रखने का ऐलान किया। राजधानी रायपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय समारोह में संत रविदास समाज के प्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं का विशाल जमावड़ा देखने को मिला।

कसडोल में शासन की आंखों के नीचे से निकल रही रेत

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। शासन के नियमानुसार 15 जून से वर्षा ऋतु के मद्देनजर नदियों और नालों से रेत उत्खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लागू है इस अवधि में केवल पूर्व से स्वीकृत व लाइसेंस प्राप्त डंप स्थलों से ही रेत के परिवहन की अनुमति खनिज विभाग द्वारा दी जाती है। इसके बावजूद, कसडोल क्षेत्र के रिकोकला स्थित कतरा नाला (कनतरानाला) में रेत माफियाओं द्वारा नियमों को ताक पर रखकर बेरोकटोक अवैध उत्खनन को अंजाम दिया जा रहा है।भरी बरसात में जेसीबी मशीनों के माध्यम से ट्रैक्टरों और डंपरों में रेत भरकर ऊंचे दामों पर बेची जा रही है।

सोनपुर घाट की आड़ में कतरा नाला का दोहन

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बरसात के पूर्व स्वीकृत सोनपुर रेत घाट से केवल औपचारिकता के लिए कुछ ही मात्रा में रेत का परिवहन कर डंप किया गया था। वर्तमान में डंप किए गए निर्धारित स्थान से रेत लोड करने के बजाय, सीधे कतरा नाला के भीतर जेसीबी मशीनें उतारकर अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। इस अवैध रेत को बाजार में 2000 रुपए से 2500 रुपए प्रति ट्रैक्टर ट्रॉली जैसे भारी-भरकम दामों पर बेचा जा रहा है। कागजों में सोनपुर घाट का नाम दिखाकर धरातल पर कतरा नाला का जमकर दोहन किया जा रहा है।

स्थानीय पंचायत और जनप्रतिनिधियों की भूमिका संदिग्ध

प्रतिबंधित अवधि में नाले के सीने को चीरकर हो रहे इस अवैध कारोबार से स्थानीय ग्राम पंचायत रिकोकला और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहे उत्खनन में स्थानीय स्तर पर मिलीभगत होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्राम पंचायत की इस मामले में चुप्पी बेहद संदिग्ध प्रतीत हो रही है। वर्षा ऋतु में कतरा नाले से लगातार हो रहे अवैध उत्खनन और परिवहन की भनक खनिज विभाग को न हो, ऐसा मुमकिन नहीं लगता। आरोप लग रहे हैं कि कथित राजनीतिक संरक्षण और रसूखदारों के दबाव के कारण खनिज विभाग इस पूरे मामले में मूकदर्शक बना हुआ है और कार्रवाई करने से कतरा रहा है।

श्रमजीवी पत्रकार संघ ने पूर्व विस अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल से की मुलाकात, क्षेत्रीय मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ कसडोल के पदाधिकारियों ने आज 4 अगस्त, मंगलवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल से सौजन्य भेंट की। इस दौरान पत्रकारों ने कसडोल क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं और बुनियादी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा की।

चर्चा के दौरान संघ ने क्षेत्र में सड़कों की जर्जर स्थिति, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और नगर पंचायत कसडोल के अंतर्गत आम नागरिकों के लिए जरूरी मूलभूत बुनियादी सुविधाओं की ओर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित कराया।पत्रकारों ने क्षेत्र के विकास के लिए इन आवश्यकताओं को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग रखी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने सभी मुद्दों को बेहद गंभीरता से सुना और क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।इस मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश सचिव दिनेश मिश्रा,संघ के पूर्व अध्यक्ष साहेब लाल साहू,सुनील तिवारी,युवराज यादव,जीवन लाल रात्रे, मंडल अध्यक्ष एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष डॉ.सुदीप मानिकपुरी सहित अन्य साथी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी

15 अक्टूबर तक जनता से मांगे गए सुझाव

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में 'समान नागरिक संहिता' लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों को संविधान के एक समान दायरे में लाने के उद्देश्य से एक विशेष 5-सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति ने अब आम जनता, विभिन्न संगठनों और हितधारकों से सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं, ताकि यह तय किया जा सके कि राज्य में आने वाला नया कानून कैसा होना चाहिए।

समिति का स्वरूप और सदस्य

उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति छत्तीसगढ़ में UCC की आवश्यकता, उसकी रूपरेखा तथा व्यक्तिगत सिविल मामलों से जुड़े मौजूदा कानूनों का व्यापक अध्ययन और समीक्षा कर रही है। इस समिति में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के शत्रुघ्न सिंह और एम. के. राऊत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या ज्योति रानी सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं।

समिति के मुख्य कार्य एवं दायित्व

यह समिति राज्य में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़े सभी विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर रही है। इसके प्रमुख दायित्वों में छत्तीसगढ़ की वर्तमान विधिक स्थिति का विश्लेषण करने के साथ-साथ विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने (दत्तक ग्रहण) जैसे संवेदनशील विषयों पर व्यावहारिक सुझाव तैयार करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, समिति अन्य राज्यों में लागू यूसीसी व्यवस्थाओं का विस्तृत अध्ययन करेगी तथा आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों व अभिमतों को भी ड्राफ्ट में शामिल करेगी। इन समस्त अध्ययनों और सुझावों के आधार पर एक समग्र ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करना और आवश्यक विधायी व प्रशासनिक अनुशंसाएं देना समिति का मुख्य उद्देश्य है।

देश का 5वां राज्य बनेगा छत्तीसगढ़

यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना था। इसके अलावा गोवा, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में भी इसे लागू किया जा चुका है। इस क्रम में छत्तीसगढ़ यूसीसी को अपनाने वाला देश का 5वां राज्य बनने जा रहा है।

सुझाव भेजने के माध्यम

समिति ने शासकीय व गैर-शासकीय संगठनों, सामाजिक समूहों, धार्मिक संस्थाओं, समुदायों और राजनीतिक दलों सहित सभी नागरिकों से 15 अक्टूबर 2026 तक अपने विचार और राय अनिवार्य रूप से जमा करने की अपील की है। नागरिक निम्नलिखित माध्यमों से अपने सुझाव भेज सकते हैं।

सहयोग केंद्र में मंत्री जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में मंत्रियों द्वारा संचालित सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनके आवेदनों पर सार्थक व समाधानकारी पहल की। सहयोग केंद्र में प्रदेशभर से लगभग 250 कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान 52 आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री जायसवाल ने संबंधित अधिकारियों को इन आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री ऋतु चौरसिया, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने विशेष रूप से मौजूद रहे।

नशामुक्त भारत का संकल्प, आईसीएआर-एनआईबीएसएम में 75 अशोक के पौधे रोपे

विश्व केसरी

रायपुर। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत सरकार के 100 सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें वृक्षारोपण, खेलकूद और सामाजिक सेवा जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने अशोक का पौधा रोपकर किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव को भी मजबूत करते हैं।

आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरित वातावरण और सुरक्षित भविष्य का संदेश है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। डॉ. राय ने कहा कि नशामुक्त भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों में लगाएंगे। वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। प्रकृति से जुड़ाव युवाओं को सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करता है। कार्यक्रम में संस्थान के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य कार्मिकों ने मिलकर संस्थान परिसर में लगभग 75 अशोक के पौधे रोपे। प्रतिभागियों ने लगाए गए ।

माँ के दूध से स्वस्थ जीवन की मजबूत शुरुआत

विश्व केसरी

रायपुर। हर नवजात को जीवन की स्वस्थ और सुरक्षित शुरुआत मिले, इसी उद्देश्य के साथ प्रदेशभर में विश्व स्तनपान सप्ताह की शुरुआत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्ताहभर अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा समुदाय स्तर पर विविध जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से माताओं, गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व तथा उसके वैज्ञानिक लाभों की जानकारी दी जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शिशु के जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना उसके स्वस्थ विकास की सबसे मजबूत नींव है। मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। यह संक्रमण से बचाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा कुपोषण के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छह माह तक केवल स्तनपान कराने के बाद शिशु को उम्र के अनुरूप ऊपरी आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी जाती है। स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं, बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद मां के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है, कुछ गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है।

सागौन तस्करी, उजड़ते जंगल, शासन-प्रशासन मौन?

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। पंडरिया वन उप मंडल के पूर्व परिक्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई और तस्करी के मामले में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधी रात की छापेमार कार्रवाई में लाखों रुपये की सागौन लकड़ी, दो पिकअप वाहन, आरा, तलवार और इमारती लकड़ी जब्त होना इस बात का संकेत है कि यह कोई एक-दो दिन का कारोबार नहीं, बल्कि वर्षों से संगठित तरीके से संचालित अवैध नेटवर्क है। जंगलों से इतने बड़े पैमाने पर सागौन के पेड़ों की कटाई और लकड़ी का भंडारण इस ओर इशारा करता है कि वन संपदा का दोहन लंबे समय से लगातार होता रहा और इस दौरान जंगलों को भारी नुकसान पहुंचा।

वन विभाग की कार्रवाई में जंगल के भीतर बड़ी संख्या में सागौन के ठूंठ मिलने की जानकारी भी सामने आई है। इससे स्पष्ट होता है कि इमारती पेड़ों की कटाई लंबे समय से जारी थी। सवाल यह है कि नियमित गश्त, बीट गार्ड, वनरक्षक, डिप्टी रेंजर और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई आखिर कैसे होती रही। यदि निगरानी व्यवस्था प्रभावी होती तो जंगलों की यह स्थिति शायद नहीं बनती।

स्थानीय लोगों के बीच लंबे समय से यह चर्चा रही है कि रात के अंधेरे में लकड़ी से भरे वाहन क्षेत्र से निकलते रहे हैं। इतने बड़े पैमाने पर अवैध कटाई और परिवहन केवल तस्करों के भरोसे संभव नहीं माना जा सकता। यही कारण है कि अब पूरे घटनाक्रम में विभागीय लापरवाही, अनदेखी अथवा संरक्षण की आशंकाओं को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। इन आशंकाओं की पुष्टि केवल निष्पक्ष और व्यापक जांच से ही हो सकती है। इसी पूरे मामले में एक आरोपी का थाना परिसर से पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाना भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर गया है। इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद पुलिस थाना परिसर से आरोपी का भाग निकलना सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की गंभीर चूक की ओर संकेत करता है। इससे यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर आरोपी थाना परिसर से कैसे निकल गया। अब केवल फरार आरोपी की गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उसके फरार होने की परिस्थितियों की भी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करना आवश्यक है। यदि इस मामले में किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

पर्यावरण की दृष्टि से भी यह मामला बेहद गंभीर है। सागौन जैसे बहुमूल्य इमारती वृक्ष तैयार होने में कई दशक लगते हैं, जबकि इन्हें काटने में कुछ घंटे ही पर्याप्त होते हैं। यदि वर्षों तक इसी तरह कटाई होती रही तो इसका सीधा असर वन संपदा, जैव विविधता और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर पड़ा होगा। कई क्षेत्रों में जंगल विरल होने की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन उन पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी।

अब जरूरत केवल लकड़ी जब्त करने या कुछ आरोपियों पर प्रकरण दर्ज करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कर यह सामने लाना आवश्यक है कि अवैध कटाई कब से चल रही थी, किन क्षेत्रों से लकड़ी निकाली गई, किन लोगों ने इसका लाभ उठाया और इस पूरे कारोबार के दौरान किस स्तर पर लापरवाही या संरक्षण मिला। यदि जांच केवल निचले स्तर तक सीमित रही तो जंगलों को नुकसान पहुंचाने वाले वास्तविक जिम्मेदार कानून के दायरे से बाहर रह जाएंगे।

वन संपदा पूरे समाज की धरोहर है। इसलिए, इस मामले में केवल तस्करों के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानी जा सकती। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, अनदेखी या संरक्षण की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। जिले के जंगलों को बचाने और जनता का विश्वास कायम रखने के लिए आवश्यक है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच कर वास्तविक जिम्मेदारों को बेनकाब किया जाए।

45 करोड़ के नकली नोट का लालच, कारोबारी से 1.13 करोड़ की ठगी

विश्व केसरी

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में 45 करोड़ रुपये के नकली नोट दिलाने का झांसा देकर 1.13 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ट्रेडिंग कारोबारी उमेश गुप्ता को महाराष्ट्र के जालसाजों ने पहले विश्वास में लिया, फिर होटलों में बैठकें कर मोटी रकम ठग ली। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने नकली नोट के धंधे में फंसाने की धमकी भी दी। तेलीबांधा पुलिस ने केस दर्ज कर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के साथ जांच शुरू कर दी है।

असली नोट दिखाकर दिया झांसा

पुलिस के अनुसार, पीड़ित कारोबारी उमेश गुप्ता ट्रेडिंग का व्यवसाय करते हैं। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के कुछ लोग लंबे समय से कारोबारी के संपर्क में थे और लेन-देन के जरिए उन्होंने उनका विश्वास जीत लिया था। इसी दौरान आरोपियों ने कारोबारी को असली नोट दिखाकर उन्हें नकली नोट बताने का दावा किया और कहा कि उनके पास बड़े पैमाने पर नकली नोट उपलब्ध कराने वाला नेटवर्क है। इसके बाद उन्होंने 45 करोड़ रुपये के नकली नोट उपलब्ध कराने का लालच दिया। इस कथित सौदे को अंतिम रूप देने के लिए तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अलग-अलग होटलों में कई दौर की बैठकें हुईं। जालसाजों ने खुद को बड़े नेटवर्क से जुड़ा बताते हुए भरोसा दिलाया कि जल्द ही नकली नोटों की खेप उपलब्ध करा दी जाएगी। आखिरकार कारोबारी ने आरोपियों को 1.13 करोड़ रुपये दे दिए।

पुलिस के मुताबिक, रकम मिलने के बाद आरोपियों ने उसका कुछ हिस्सा रायपुर में और बाकी नागपुर में ट्रांसफर कर दिया।

संपादकीय

बांकीपुर से दतिया तक, क्या बदल रहा है मतदाता का मिजाज..?

रमेश तिवारी 'रिपु'

'बांकीपुर से दतिया तक, क्या बदल रहा है मतदाता का मिजाज ?सत्ता के शिखर पर बैठे राजनीतिक दलों के लिए उपचुनाव अक्सर छोटी-सी घंटी होते हैं। लेकिन कभी-कभी यही घंटी इतनी तेज बजती है कि दिल्ली तक उसकी आवाज सुनाई देती है। बांकीपुर और दतिया के नतीजे ऐसी ही घंटी हैं।'

बिहार के बांकीपुर में जिस सीट को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत किला माना जाता रहा, वहां प्रशांत किशोर ने भाजपा को करीब 19 हजार वोटों से हरा दिया। यह केवल एक सीट का परिणाम नहीं है। यह उस राजनीतिक आत्मविश्वास पर

सवाल है, जो मानने लगता है कि संगठन, सत्ता और संसाधनों के बल पर कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। और इससे भी दिलचस्प बात यह है कि जिस प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी 2025 के विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी, वही प्रशांत किशोर एक साल के भीतर बांकीपुर जैसे मजबूत भाजपा गढ़ में विधायक बन गए। राजनीति में इससे बड़ा व्यंग्य शायद ही कोई हो,जिसे कल मतदाता ने नकार दिया था, आज उसी मतदाता ने उसे सत्ता के दरवाजे तक पहुंचा दिया। यह परिणाम प्रशांत किशोर के लिए जितना उत्साह का विषय है, उतना ही भाजपा के लिए आत्ममंथन का। सवाल यह है कि बांकीपुर ने भाजपा को क्या बताया? बांकीपुर की हार केवल भाजपा उम्मीदवार की हार नहीं मानी जा रही। इस सीट से नितिन नवीन का लंबा राजनीतिक जुड़ाव रहा है और उपचुनाव उनके इस्तीफे से खाली हुई सीट पर हुआ। चुनाव से पहले ही इस सीट को भाजपा की प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जा रहा था।

प्रशांत किशोर के सामने सबसे बड़ी चुनौती भी है।क्या बांकीपुर को बिहार के भीतर ही एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदला जा सकता है?एक सीट जीतना उपलब्धि है। कई सीटों पर प्रभाव पैदा करना राजनीति है। बांकीपुर ने दरवाजा खोला है। अब देखना यह है कि जन सुराज उस दरवाजे से कितनी दूर तक जाता है। दतिया ने दूसरा संदेश दिया-मध्य प्रदेश का दतिया परिणाम इस कहानी को और गंभीर बना देता है। यहां कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को पराजित किया। चुनाव इसलिए भी हाई- प्रोफाइल था क्योंकि भाजपा ने संगठन और सत्ता की पूरी ताकत झोंक दी थी। भाजपा की ओर से उम्मीदवार चयन और नरोत्तम मिश्रा की राजनीतिक विरासत भी चर्चा के केंद्र में रही।दतिया में भाजपा के सामने केवल कांग्रेस उम्मीदवार नहीं था।उसके सामने एक सवाल था,क्या सत्ता का संगठन स्थानीय असंतोष से बड़ा हो सकता है?नतीजे ने फिलहाल इसका जवाब दे दिया है।

उपचुनाव का महत्व सीटों की संख्या से नहीं, संदेश की तीव्रता से तय होता है।और दतिया का संदेश साफ है,सरकार के पास सत्ता हो सकती है, संगठन हो सकता है, बड़े नेता हो सकते हैं; लेकिन अंतिम फैसला मतदाता के हाथ में रहता है।

दो राज्यों की दो सीटें,एक सवाल-बांकीपुर में भाजपा हारी।दतिया में भाजपा हारी।दोनों जगह परिस्थितियां अलग हैं। सामाजिक समीकरण अलग हैं। उम्मीदवार अलग हैं। स्थानीय मुद्दे अलग हैं। लेकिन दोनों परिणामों में एक साझा सूत्र दिखाई देता है,मतदाता अब केवल पार्टी नहीं देख रहा, वह अपना स्थानीय अनुभव भी देख रहा है। यही भारतीय चुनावी राजनीति में बड़ा बदलाव हो सकता है। पहले चुनाव में पूछा जाता था, 'कौन-सी पार्टी अब कई जगह सवाल बदलकर हो रहा है कौन है। उम्मीदवार क्या काम हुआ?मेरे बच्चे का भविष्य क्या है?रोजगार कहां है?परीक्षा व्यवस्था क्यों बिगड़ रहीहै?सरकार हमारी बात क्यों नहीं सुनती?और यहीं से राजनीति का चरित्र बदलता है। जंतर-मंतर से मतदान केंद्र तक-इस पूरे घटनाक्रम में छात्र आंदोलनों और जंतर-मंतर की राजनीति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।छात्र जब सड़क पर उतरता है तो वह केवल तत्कालीन सरकार के खिलाफ नाराजगी व्यक्त नहीं करता। वह अपने भविष्य को लेकर सवाल खड़ा करता है। युवा असंतोष अब राजनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है।और इसे कोई भी राजनीतिक दल लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता। हार से बड़ा खतरा क्या है- भाजपा के लिए असली चिंता दो सीटों की हार नहीं होनी चाहिए। असली चिंता यह होनी चाहिए कि कहीं हार का पैटर्न बनना शुरू न हो जाए।

मानसून आधारित खेती—चुनौती से अवसर की ओर

चंद्रमणी साव

भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है, लेकिन आज भी देश के अधिकांश किसानों की खेती मानसून पर निर्भर है। भारतीय कृषि का एक बड़ा हिस्सा वर्षा आधारित होने के कारण समय पर और पर्याप्त बारिश किसानों की खुशहाली तय करती है। वहीं, मानसून की अनियमितता खेती, किसानों की आय और देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। यही कारण है कि हर वर्ष मानसून केवल मौसम का विषय नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का भी महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। हर जिलों में फैसले अलग -अलग होती है उसके अनुरूप सिचाई व्यवस्था को मजबूत करना जरुरी है।

देश में लगभग आधी कृषि भूमि अब भी सिंचाई सुविधाओं से पूरी तरह नहीं जुड़ी है। ऐसे में खरीफ सीजन की धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, दालें और तिलहन जैसी फसलें सीधे वर्षा पर निर्भर रहती हैं। यदि मानसून समय पर आता है और सामान्य वर्षा होती है तो किसानों की बुवाई समय पर होती है, उत्पादन बढ़ता है और बाजार में खाद्यान्न की उपलब्धता बनी रहती है। इसके विपरीत, कम वर्षा, सूखा या अत्यधिक बारिश जैसी परिस्थितियां किसानों की मेहनत पर पानी फेर देती हैं। कई बार बाढ़ और जलभराव से तैयार फसलें भी नष्ट हो जाती हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

नमी की कमी को और बढ़ा देती है, साथ ही बार-बार कीटों का प्रकोप फसलों के विकास को कठिन बना देता है। प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सूखा-सहनशील फसल किस्में, कृषि वानिकी, कृषि-बागवानी प्रणालियाँ, बेहतर जल प्रबंधन पद्धतियाँ और सटीक कृषि प्रौद्योगिकियाँ वर्षा आधारित खेती की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियाँ, तकनीकी प्रगति, नीतिगत समर्थन और बाजार विविधीकरण किसानों को लचीलापन विकसित करने और उनकी आजीविका में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए सरकारों, किसानों, शोधकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

ऐसी स्थिति में केवल मानसून पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक समाधान नहीं है। सरकार को सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार, तालाबों और जलाशयों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को तेजी से बढ़ावा देना होगा। साथ ही किसानों को मौसम पूर्वानुमान, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करना भी आवश्यक है। फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाकर किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

कृषि केवल अन्न उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार है। यदि भारत को आत्मनिर्भर और टिकाऊ कृषि व्यवस्था विकसित करनी है, तो मानसून आधारित खेती को आधुनिक जल प्रबंधन, तकनीक और वैज्ञानिक सोच से जोड़ना होगा। जब खेतों तक पानी की स्थायी व्यवस्था, किसानों तक सही जानकारी और बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, तभी कृषि वास्तव में सशक्त बनेगी। मानसून प्रकृति का वरदान है, लेकिन किसानों की समृद्धि केवल वर्षा पर नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों, मजबूत सिंचाई व्यवस्था और आधुनिक कृषि प्रबंधन पर आधारित होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश का स्वरूप तेजी से बदला है। कहीं बहुत कम वर्षा हो रही है तो कहीं कुछ ही दिनों में अत्यधिक बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। इस असंतुलन का सबसे अधिक असर छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ता है, जिनके पास सीमित संसाधन और जोखिम उठाने की क्षमता कम होती है।

ऐसी स्थिति में केवल मानसून पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक समाधान नहीं है। सरकार को सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार, तालाबों और जलाशयों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को तेजी से बढ़ावा देना होगा।

साथ ही किसानों को मौसम पूर्वानुमान, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करना भी आवश्यक है। फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाकर किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

कृषि केवल अन्न उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार है। यदि भारत को आत्मनिर्भर और टिकाऊ कृषि व्यवस्था विकसित करनी है, तो मानसून आधारित खेती को आधुनिक जल प्रबंधन, तकनीक और वैज्ञानिक सोच से जोड़ना होगा। जब खेतों तक पानी की स्थायी व्यवस्था, किसानों तक सही जानकारी और बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, तभी कृषि वास्तव में सशक्त बनेगी। मानसून प्रकृति का वरदान है, लेकिन किसानों की समृद्धि केवल वर्षा पर नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों, मजबूत सिंचाई व्यवस्था और आधुनिक कृषि प्रबंधन पर आधारित होनी चाहिए।

करोस वोट बैंक पाला बदलने पर यूँ ही मजबूर नहीं होता, ये बात भाजपा को समझ आ गयी होगी

नीरज कुमार दुबे

राजनीति में कोई भी दल जब किसी क्षेत्र को अपना अभेद्य किला और वहां के मतदाताओं को अपना स्थायी वोट बैंक मानकर निश्चिंत हो जाता है, तभी उसकी पराजय की पटकथा लिखनी शुरू हो जाती है। लोकतंत्र में जनता किसी की बंधक नहीं होती। वह सत्ता देती भी है और उसी सत्ता के अहंकार को ध्वस्त भी करती है। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव ने इसी लोकतांत्रिक सच को एक बार फिर स्थापित कर दिया है। तीन दशक से अधिक समय तक भाजपा के सबसे सुरक्षित गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत मात्र एक उम्मीदवार की जीत नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक मानसिकता की हार है जो यह मान बैठी थी कि कुछ सीटें और कुछ वोट हमेशा के लिए उसके नाम लिखे जा चुके हैं।

बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। लंबे समय से यह सीट भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक रही है। ऐसे में यहां मिली हार सिर्फ सीट गंवाने की घटना नहीं, बल्कि सत्ता के आत्मविश्वास पर जनता का करारा प्रहार है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस परिणाम के बाद भाजपा के भीतर भी आत्ममंथन शुरू हो गया है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि इस चुनाव ने सबसे बड़ा संदेश यह दिया है कि कोर वोट बैंक भी अब स्थायी नहीं रहा। जिस मतदाता को वर्षों तक पार्टी का अटूट समर्थक माना जाता था, उसने इस बार अपना रुख बदलकर बता दिया कि लोकतंत्र में समर्थन किसी दल की जागीर नहीं होता। मतदाता अब काम, व्यवहार और नेतृत्व की शैली के आधार पर फैसला करेगा, न कि केवल पुराने राजनीतिक रिश्तों के आधार पर।

यह भी स्वीकार किया जा रहा है कि सत्ता का आत्मविश्वास कई बार अहंकार में बदल जाता है और यही चुनावी हार की सबसे बड़ी वजह बनता है। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह कुछ नेताओं के बयान सामने आए, उन्होंने भी यह संदेश दिया कि पार्टी अपने गढ़ को लेकर अत्यधिक आश्वस्त थी। लेकिन जनता ने मतदान के जरिए यह बता दिया कि किसी भी मतदाता को हल्के में लेने की कीमत राजनीतिक दलों को चुकानी पड़ सकती है।

इस हार के पीछे केवल विपक्ष की रणनीति नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर की बेचैनी भी चर्चा का विषय बनी। उम्मीदवार चयन से लेकर संगठनात्मक बदलाव तक कई फैसलों को लेकर असंतोष की बातें सामने आईं। राज्य की सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी के अंदर जिस तरह की खींचतान दिखाई दी, उसका असर भी चुनावी परिणामों में झलकता नजर आया। यह संदेश भी साफ है कि मजबूत संगठन होने का दावा तभी तक प्रभावी है, जब तक कार्यकर्ता और स्थानीय नेतृत्व स्वयं को सम्मानित महसूस करे।

मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव ने भी लगभग यही कहानी दोहराई। भाजपा के लिए यह हार केवल कांग्रेस की जीत नहीं थी, बल्कि उसके सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे राज्य के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक प्रभाव पर भी सवाल खड़े कर गई। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी, टिकट वितरण को लेकर नाराजगी और मिश्रा समर्थक संगठनात्मक ढांचे का पूरी तरह सक्रिय न हो पाना भाजपा पर भारी पड़ा। दूसरी ओर कांग्रेस ने स्थानीय असंतोष, बेरोजगारी, पलायन, खाद की कमी और कथित प्रशासनिक दबंगई जैसे मुद्दों को चुनाव का केंद्र बनाया। पार्टी ने चुनाव को सरकार के पक्ष या विपक्ष की लड़ाई बनाने के बजाय स्थानीय जनभावनाओं से जोड़ा और उसी का लाभ उठाया।

बोध कथा

दूसरों के भरोसे मत रहो

एक गांव के पास एक खेत में सारस पक्षी का एक जोड़ा रहता था। वहीं उनके अंडे थे। अंडे से समय पर बच्चे निकले। लेकिन बच्चों के बड़े होकर उड़ने योग्य होने से पहले ही खेत की फसल पक गई। सारस बड़ी चिंता में थी कि किसान खेत काटने आवे, इससे पहले ही बच्चों के साथ उसे वहां से चले जाना चाहिए तब बच्चे उड़ भी नहीं सकते थे। सारस ने बच्चों से कहा -हमारे न रहने पर यदि कोई खेत में आवे तो उसकी बात सुनकर याद रखना। एक दिन जब सारस चारा लेकर शाम को बच्चों के पास लौटा तो बच्चों ने कहा कि आज किसान आया था और गांव वालों से फसल कटवाने की कह रहा था। सारस ने कहा - तुम लोग डरो मत! खेत अभी नहीं कटेगा अभी खेत कटने में देर है। कई दिन बाद जब एक दिन सारस शाम को बच्चों के पास आए तो बच्चे बहुत घबराए थे- वे कहने लगे कि अब हम लोगों को यह खेत झटपट छोड़ देना चाहिए। आज किसान फिर आया था, वह कहता था, कि गांव वाले स्वार्थी हैं। कल मैं अपने भाइयों को भेजकर खेत कटवा लूंगा। सारस बच्चों के पास निश्चिंत होकर बैठा और बोला - अभी तो खेत कटता नहीं दो-चार दिन में तुम लोग ठीक-ठीक उड़ने लगोगे। अभी डरने की आवश्यकता नहीं है। कई दिन और बीत गए सारस के बच्चे उड़ने लगे थे और निर्भय हो गए थे। एक दिन शाम को सारस से वे कहने लगे - यह किसान हम लोगों को झूठा डराता है। इसका खेत तो कटेगा नहीं, वह आज भी आया था और कहता कि मेरे भाई बात नहीं सुनते, फसल सूखकर झर रही है। कल बड़े सवेरे में आऊंगा और खेत काट लूंगा। सारस घबराकर बोला -चलो जल्दी करो! अभी अंधेरा नहीं हुआ है। दूसरे स्थान पर उड़ चलो। कल खेत अवश्य कट जाएगा। बच्चे बोले - क्यों ? इस बार खेत कट जाएगा यह कैसे ? सारस ने कहा - किसान जब तक गांव वालों और भाइयों के भरोसे था। खेत के कटने की आशा नहीं थी। जो दूसरों के भरोसे कोई काम छोड़ता है।

चुटकुले

टीचर: गोलू तुम कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहे थे कहाँ थे ?

गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था

टीचर: तुम्हें बर्ड फ्लू ये तो बर्ड को होता है...

गोलू: आपने मुझे इंसान समझा ही कहाँ

रोज तो मुर्गा बनाते हो !!! ??

टीचर: देखो बेटा,जुआ नहीं खेलते।

यह ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे,

परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे।

बिगड़ैल स्टूडेंट: बस, मैडम! मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोड़कर खेला करूंगा। ??

टीटू: सर, लोग हिंदी या इंग्लिश में ही क्यों बोलते हैं। मैथ्स में क्यों नहीं ?

टीचर: ज्यादा 3 -5 मत करो , 9 -2 -11 हो जाओ ,

नहीं तो 5 -7 खींच कर दूंगा तो 6 के 36 नजर आएंगे

और 32 के 32 बाहर निकल आएंगे।

व्यंग्य केसरी

डिजिटल-दाम्पत्य..

राजेश ओझा

नव-परणीता करवट बदलते-बदलते जब क्षोभ से भर उठी, तो फेसबुक में तल्लीन परमेश्वर से शिकायत भरे स्वर में बोली— 'घर आए अतिथि की निरंतर उपेक्षा करना आपको शोभा नहीं देता, हे आर्यपुत्र! तनिक हम पर कृपा करो, निहारो मेरी तरफ,वर्ना मेरा क्या औचित्य!'

पति अपनी तल्लीनता से मुक्त हुए बिना ही किंचित मुस्कान के साथ बोला—

'धैर्य धारण करो, देवि! आप अतिथि नहीं, पतिव्रता पत्नी हो। आप तो स्थाई भाव हो गई हैं. बस कुछ ही नोटिफिकेशन शेष हैं। अपना दैनिक कर्तव्य समझकर उनको देख लूँ,तब आप से संवाद करता हूँ,इतना उतावलापन उचित नहीं! आपको तत्काल मायके तो जाना नहीं है. '

'ग्राहमबेल ने जब दूरभाष का आविष्कार किया होगा, तो कदाचित यह कल्पना भी न की होगी कि कालान्तर में इस यंत्र की भावी पीढ़ियाँ चिट्ठी-पत्री का संहार करने के साथ-साथ नव-परिणीता की भावनाओं का भी संहार कर देंगी।'

दु:खी पत्नी ने भी लगेहाथ अपने किताबी ज्ञान का प्रदर्शन किया।

'तुमने पत्रकार अशोक सण्ड का स्तंभ पढ़ा है क्या?' पति एकाग्रता न त्यागते हुए चौंककर बोला।

'क्या भाषा और साहित्य पर केवल उन्हीं का एकाधिकार है! अभी आपने हमारी धार नहीं देखी!'

पत्नी कुढ़ते हुए बोली।

'नव-वधू का रोष दाम्पत्य के रिश्तों को तिलांजलि दे देता है, भूतेश्वरी, इसलिए शांति कायम रखो !' पति महोदय आहत होते हुए बोले ।

'हम पत्नियाँ मार्क जुकरबर्ग को भी कभी क्षमा नहीं करेंगी, कभी नहीं.संवाद-सेतु के इस तिलस्मी यंत्र में अब बेचारी कोमल जिह्वा हाशिए पर हो गई है, केवल अंगुलियाँ ही चपला की तरह चपर-चपर वार्तालाप करती हैं।' नव-वधू ने अपना पक्ष रखा।

'अरे,अब बेचारे जुकरबर्ग ने क्या कर दिया, पाषाणा!' पति धीरे-धीरे क्रोध में आते हुए बोला, तो नव वधू ने भी तत्काल उत्तर दिया, 'क्या स्त्रियाँ फेसबुक पर सक्रिय नहीं हैं? वहाँ वे भी भी खूब एक्टिव रहती हैं!.. '

'रहती हैं, बिल्कुल रहती हैं देवि! पर अनुभव यही बताता है कि या तो वे अविवाहिता होंगी, या जिनका पति परदेस में हो, या तलाकशुदा होंगी, या एक-दूसरे से ऊबे हुए लोग...'

इतना कहकर उसने पति के हाथ से मोबाइल झपट कर परे फेंक दिया और स्वयं मुस्कराते हुए परमेश्वर की बाँहों में समा गई। पति बेचारा सहमा हुआ टुकुर-टुकुर देखता रह गया।

डिजिटल दाम्पत्य की सुखद परिणति हुई.

गोंडा (उ0प्र0) मो. 9839235311

इतिहास

5 अगस्त का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक तारीख है। इस दिन भारत में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने (2019) और अयोध्या राम मंदिर के भूमिपूजन (2020) जैसे प्रमुख घटनाक्रम हुए, जबकि विश्व स्तर पर यह हिरोशिमा पर परमाणु हमले की तारीख के रूप में दर्ज है?

भारत के इतिहास में 5 अगस्त की प्रमुख घटनाएँ:

अनुच्छेद 370 समाप्त (2019): 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू और कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी कर दिया था? राम मंदिर भूमिपूजन (2020): 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए 'भूमि पूजन' किया था? न्यायमूर्ति लीला सेठ (1991): 5 अगस्त 1991 को जस्टिस लीला सेठ किसी भी भारतीय राज्य (दिल्ली हाईकोर्ट) की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनीं थीं?

गरियाबंद शिक्षा विभाग, बंद होनी थी योजना, खुलते गए खाते!

फिंगेश्वर शिक्षा विभाग में 1.35 करोड़ की शेष राशि पर 7 साल तक चलता रही अनियमितता

विश्व केसरी■

गरियाबंद (खिलेन्द्र गोस्वामी)। फिंगेश्वर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सर्व शिक्षा अभियान (स्र्) की एरियर राशि को लेकर बड़ा वित्तीय विवाद सामने आया है। उपलब्ध दस्तावेजों एवं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोप लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 में शिक्षा कर्मियों के एरियर भुगतान के लिए लगभग 3 करोड़ रुपये का आबंटन जारी किया गया था।

आरोपों के अनुसार, 1 जुलाई 2018 को शिक्षा कर्मियों का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलयन होने के बाद सर्व शिक्षा अभियान मद में लगभग 1 करोड़ 35 लाख रुपये शेष थे। नियमानुसार इस राशि को शासन को वापस किया जाना चाहिए था तथा योजना से संबंधित बैंक खातों का संचालन बंद हो जाना चाहिए था। लेकिन शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि ऐसा नहीं हुआ और यहीं से पूरे वित्तीय खेल की शुरुआत हुई।

दावा किया गया है कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच शेष राशि में से लगभग 63 लाख रुपये अलग-अलग तिथियों में कई किश्तों के माध्यम से आहरित किए गए। आरोप यह भी है कि इन निकासी का उल्लेख कैशबुक, कैश रजिस्टर या अन्य लेखा अभिलेखों में नहीं किया गया, जबकि सूत्रों के अनुसार बैंक लेन-देन और चेक के माध्यम से राशि निकाले जाने के दस्तावेज उपलब्ध हैं।

शिकायतकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि जब योजना समाप्त हो चुकी थी, तब आखिर किस नियम के तहत वर्षों तक बैंक खाते संचालित होते रहे? किसके आदेश पर चेक जारी हुए? और यदि राशि निकाली गई तो उसका लेखा-जोखा सरकारी रिकॉर्ड में क्यों दर्ज नहीं है? मामले में मांग की गई है कि 2018 से 2025 तक फिंगेश्वर में पदस्थ रहे सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के कार्यकाल की वित्तीय जांच कर यह पता लगाया जाए कि किस अधिकारी के कार्यकाल में कितनी राशि निकाली गई, किसके हस्ताक्षर से भुगतान हुआ और उसकी प्रशासनिक जिम्मेदारी किसकी थी।

जिन अधिकारियों के कार्यकाल की जांच की मांग उठी है, उनमें— अजीत सिंह जाट (2014 से सितंबर 2018), एम.एल. कंवर (सितंबर 2018 से मार्च 2020), हेमंत कुमार साहू (मार्च 2020 से जुलाई 2021), चंद्रशेखर मिश्रा (जुलाई 2021 से दिसंबर 2022), रामेंद्र कुमार जोशी (दिसंबर 2022 से 1 अक्टूबर 2025), हेमंत कुमार साहू (1 अक्टूबर 2025 से वर्तमान)।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जांच केवल एक खाते तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय फिंगेश्वर के नाम विभिन्न बैंकों में संचालित सभी खातों की फॉरेंसिक एवं वित्तीय जांच कराई जानी चाहिए। जिन खातों की जांच की मांग की गई है, उनमें—

1. यूनियन बैंक, शाखा फिंगेश्वर, 2. एचडीएफसी बैंक, शाखा राजिम, 3. एक्सिस बैंक, शाखा राजिम, 4. आईडीबीआई बैंक, शाखा राजिम, 5. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, शाखा राजिम, 6. एक्सिस बैंक, शाखा बासिन, 7. भारतीय स्टेट बैंक, शाखा राजिम।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इन खातों के अलावा यदि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के नाम अन्य बैंक खातों का संचालन हुआ है तो उनकी भी जांच की जानी चाहिए। सभी बैंक खातों के ओपनिंग फॉर्म, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, चेक निर्गमन, बैंक स्टेटमेंट, भुगतान वाउचर तथा लेखा अभिलेखों की स्वतंत्र जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सरकारी राशि का उपयोग नियमानुसार हुआ या नहीं।

फलों के दाम में भारी उछाल

विश्व केसरी■

गरियाबंद (खिलेन्द्र गोस्वामी)। सावन माह और त्योहारों के बीच फलों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है।नारियल, सेब,केला,जाम,अनार सहित अधिकांश फलों के दामों में पिछले कुछ दिनों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।बढ़ती महंगाई का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है।वहीं मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को जरूरत के फल खरीदना भी महंगा साबित हो रहा है।व्यापारियों के अनुसार थोक बाजार में ही फलों की कीमत बढ़ने से खुदरा बाजार में भी दाम बढ़ गए हैं।नारियल जो पहले थोक में 26 रुपये के आसपास उपलब्ध था। अब 30 रुपये तक पहुंच गया है।इसी तरह अच्छे गुणवत्ता वाले सेब 220 रुपये से बढ़कर 260 रुपये प्रति किलो तक बिक रहे हैं। जबकि छोटे आकार के सेब 160 से बढ़कर 180 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।केला,जाम और अनार सहित अन्य फलों के दामों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।फल विक्रेताओं का कहना है कि परिवहन खर्च मंडियों में बढ़े हुए भाव और सीमित आवक के कारण कीमतों में वृद्धि हुई है।इसका सीधा असर खुदरा बाजार पर दिखाई दे रहा है।दुकानदारों का कहना है कि ग्राहक पहले की तुलना में कम मात्रा में फल खरीद रहे हैं। जिससे बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

दूसरी ओर आम लोगों का कहना है कि पहले से ही रसोई का बजट महंगाई के कारण बिगड़ा हुआ है।अब फलों के दाम बढ़ने से परिवार के लिए नियमित रूप से फल खरीदना कठिन हो गया है।विशेषकर सावन माह में पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों में नारियल तथा फलों की मांग अधिक रहती है। ऐसे समय में बढ़ी हुई कीमतों ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि बाजार में कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ और आवक सामान्य नहीं हुई।तो आने वाले दिनों में फलों के दाम और बढ़ सकते हैं।उपभोक्ताओं ने प्रशासन से बाजार की निगरानी कर अनावश्यक मूल्य वृद्धि पर रोक लगाने तथा आम जनता को राहत दिलाने की मांग की है। महंगाई के इस दौर में फलों के बढ़ते दाम आम लोगों के लिए किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ से कम नहीं हैं।लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो पौष्टिक आहार भी आम परिवारों की पहुंच से दूर होता दिखाई देता हैं।

संक्षिप्त खबरें

ओबीसी समाज की ब्लॉक स्तरीय बैठक में 19 अगस्त के महाआंदोलन की तैयारी तेज

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (राकेश गुप्ता)। सामाजिक एकजुटता को सशक्त बनाने और अपने संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई को धार देने के लिए अंतागढ़ में मंगलवार को सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की एक महत्वपूर्ण ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 19 अगस्त को आयोजित होने वाले वृहद विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार करना और इसे सफल बनाने के लिए रणनीति बनाना था। बैठक में उपस्थित समाज के प्रमुख पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने एक स्वर में कहा कि अधिकार पाने के लिए प्रत्येक गांव में समाज को संगठित और मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। वक्ताओं ने जोर देते हुए कहा कि इसके लिए सभी को एकजुट होकर 'युद्ध स्तर' पर काम करना होगा। जब तक जमीनी स्तर पर गांव-गांव तक सामाजिक चेतना नहीं पहुंचेगी, तब तक हक की आवाज को मजबूती से नहीं उठाया जा सकता।

मादक पदार्थ परिवहन करते रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी

विश्व केसरी■

सारंगढ़ (राकेश सोनी। जिला पुलिस अधीक्षक सुशील शर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के निर्देशन पर,अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रख कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है द्य इसी क्रम में भटगांव थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में दिनांक 03.08.26 को थाना के सामने मेन रोड पर हमराह स्टाफ के वाहन चेकिंग के दौरान मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सरसीवां की ओर से एक्टीवा वाहन क्रमांक सीजी 12 बीव्ही 7563 में एक लड़का पीछे में एक महिला को बैठाकर कोरबा की ओर जाने वाला है महिला के बैग में तथा वाहन के सीट के नीचे गांजा रखे हैं कि सूचना पर मौके पर रोड में स्टापर लगाकर वाहन चेकिंग किया गया,चेकिंग के दौरान उक्त एक्टीवा वाहन में सवार एक महिला व एक पुरूष आते मिले जिसे रोककर पूछताछ किया गया पूछताछ पर एक्टीवा वाहन का चालक अपना नाम विजय कुमार पालकर पिता संतराम पालकर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम पहरिया थाना बलौदा जिला जांजगीर चाम्पा हाल मुकाम गीतांजली कर्ष के किराये के घर सीतामणी कोरबा तथा पीछे बैठी महिला अपना नाम श्रीमती रंजीता दुबे पति मनोज दुबे उम्र 38 वर्ष निवासी प्रगति नगर दर्री थाना दर्री जिला कोरबा बताई जो वाहन के सीट के नीचे तथा बैग में रखे सामान,के संबंध में गोल मोल जवाब देने लगे जिनको को नोटिस देकर उनके सहमति प्राप्त कर तलाशी लिया गया।

शिव भक्तों ने निकाली कांवड़ यात्रा

विश्व केसरी■

चारामा (नंदकिशोर गौतम)। सावन के पर्व में प्रथम सोमवार को शिव भक्तों द्वारा कंवर पदयात्रा सदर बाजार शिव मंदिर से निकले हैं और महानदी शिव मंदिर से जल लेकर समता रंग मंच मेंन रोड कोरर चौक हल्बा कालोनी होते हुए सदर बाजार रोड स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक किया सभी लोग जिसमें सम्मिलित हुए संतु देवांगन, महेश सचदेव, नीरज देवांगन, सोनू नागवानी, आकाश देवांगन, ज्ञानेश्वर निषाद, मनीष देवांगन, भूषण गजेंद्र, अनिल, घनश्याम यादव, शिव शंकर, छोटू देवांगन, पंकज देवांगन, बृजेश गुप्ता, गोपाल देवांगन, प्रभु कोसरिया, संतोष सोनकर, कुलेश्वर साहू, अमित देवांगन, चेतन किरी, सुनील कुमार, हेमन्त कुमार.शिवेन्द्र निर्मलकर बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है।

खल्लारी पंचायत में विकास कार्यों की मांग, उपसरपंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

महासमुंद (अनिल चौधरी)। ग्राम पंचायत खल्लारी के उपसरपंच तारेश साहू ने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह से सौजन्य मुलाकात कर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में खल्लारी पंचायत के कुछ वार्डों में पेयजल समस्या के समाधान के लिए बोर खनन और पाइपलाइन विस्तार, सीसी रोड निर्माण तथा स्ट्रीट लाइट लगाने सहित क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कार्यों की स्वीकृति देने की मांग की गई है।

उपसरपंच तारेश साहू ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 353 से लगे मुख्य मार्ग के डिवाइडर पर करीब पांच स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की आवश्यकता है। इसके लिए भी कलेक्टर से स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया गया है, ताकि रात के समय राहगीरों और वाहन चालकों को सुविधा मिल सके।

इसके अलावा खल्लारी स्थित दैवीय माता तीर्थ स्थल की पहाड़ी को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई। उन्होंने बताया कि वन पहाड़ी कक्ष क्रमांक 182 में स्थित खल्लारी मातेश्वरी पहाड़ी और टेलीफोन दूरसंचार पहाड़ी के दोनों हिस्सों से बारिश के मौसम में तेज वर्षा के दौरान पानी झरने के रूप में नीचे गिरता है। इस दौरान यहां प्राकृतिक और मनमोहक दृश्य देखने को मिलता है।

उपसरपंच ने कहा कि यदि इस प्राकृतिक झरने और आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाए तो यह स्थान जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। इस क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विकास की मांग को लेकर उन्होंने महासमुंद वन मंडलाधिकारी के नाम भी अलग से ज्ञापन प्रेषित किया है। इस दौरान इन्द्रकुमार चौहान, नोहर साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर में चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर जनाक्रोश

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। भानुप्रतापपुर क्षेत्र में लगातार बदहाल होती स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पताल प्रबंधन की कथित निरंकुशता और गंभीर लापरवाही को लेकर जनआक्रोश गहराता जा रहा है। क्षेत्रवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौंपकर स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

हाल ही में सामने आए एक गंभीर मामले में सम्बलपुर निवासी लेखराज सोनी (55 वर्ष) ने शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर के डॉक्टरों और कर्मचारियों पर जानलेवा लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना 31 जुलाई 2026 की रात की है, जब वे अपनी पुत्री यामिनी सोनी को शरीर में खून की भारी कमी के कारण इलाज के लिए अस्पताल लाए थे। डॉक्टरों ने प्राथमिक स्थिति देखने के बाद मरीज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल कांकेर रेफर कर दिया। आरोप है कि रेफर किए जाने के बाद भी घंटों तक 108 एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। अस्पताल स्टाफ के उदासीन रवैये को देखते हुए जब पीड़ित परिवार ने स्थानीय उपसरपंच गौरव चोपडा से मदद मांगी, तो उन्होंने अपने निजी व्यय पर वाहन की व्यवस्था कर बालिका को तत्काल कांकेर भेजा, जिससे समय रहते उसका इलाज हो सका और उसकी जान बच पाई। पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि समय पर वाहन उपलब्ध नहीं होता, तो कोई भी अनहोनी हो सकती थी।

इसी घटनाक्रम के बाद क्षेत्र के नागरिकों में स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर भारी असंतोष व्याप्त है। नागरिकों द्वारा सौंपे गए एक अन्य व्यापक ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भानुप्रतापपुर क्षेत्र में लंबे समय से जच्चा-बच्चा की मृत्यु, मलेरिया से मौतें और गंभीर मामलों में समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र न भेजे जाने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का बस्तर में आगमन पर समर्थकों ने किया स्वागत

विश्व केसरी■

चारामा (नंदकिशोर गौतम)। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा संगठन चुनाव को लेकर बस्तर दौरे पर हैं। बस्तर के प्रवेश द्वार चारामा आगमन पर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने आतिशबाजी, फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

इसके बाद चारामा विश्राम गृह में बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा कांग्रेस के आगामी संगठन चुनाव को लेकर चर्चा हुई। चारामा ब्लॉक सरपंच संघ के उपाध्यक्ष एवं युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष पद के प्रत्याशी जय प्रकाश गावड़े ने बैठक की जानकारी साझा की। इसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता ठाकुर राम कश्यप एवं जनपद उपाध्यक्ष चारामा ने सभी का स्वागत करते हुए पिछले संगठन चुनाव की यादें साझा कीं। उन्होंने आकाश शर्मा के पिछले कार्यकाल और संगठन चुनाव के दौरान किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि उस समय काफी संघर्ष और अथक प्रयास के बाद कांकेर जिले से अधिकतम वोट दिलाए गए थे। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने लगातार मेहनत की थी और इस बार भी उसी तरह चुनाव की तैयारी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आने के बाद स्थानीय मूलनिवासियों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा युवाओं को रोजगार के अवसरों से भटकाया जा रहा है।

धमतरी के रुद्री घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए श्रद्धालु

विश्व केसरी■

धमतरी (राजशेखर नायर)। सावन के पहले सोमवार पर धमतरी के रुद्री स्थित चित्रोत्पला महानदी तट पर पहली बार काशी की तर्ज पर भव्य महानदी गंगा आरती का आयोजन किया गया। 108 दीपों की रोशनी, शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की गूंज के बीच रुद्री घाट भक्तिमय माहौल में डूब गया।

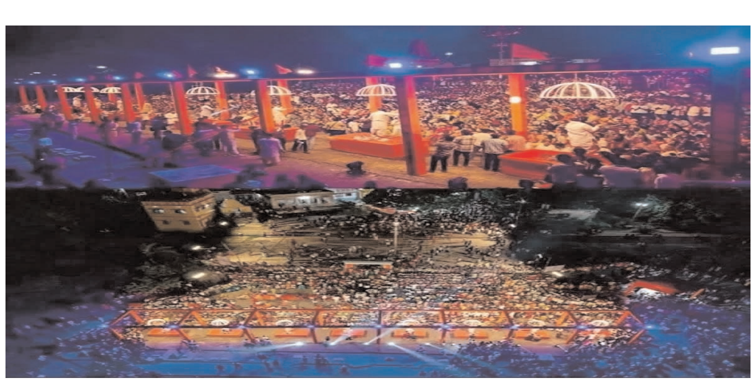

इसी अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर के विकास के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना की भी जानकारी दी गई। इस योजना के तहत रुद्रेश्वर धाम को आधुनिक सुविधाओं से युक्त धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

काशी की तर्ज पर शुरू हुई महानदी गंगा आरती – धमतरी युवा ब्रिगेड और श्री रुद्रेश्वर महादेव परिवार के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों के अनुसार अब सावन के प्रत्येक सोमवार को महानदी के तट पर नियमित रूप से गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। 108 दीपों की आरती, वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक पूजा-पद्धति ने पूरे घाट को आध्यात्मिक बना

20 करोड़ की योजना से बदलेगी रुद्रेश्वर धाम की तस्वीर – संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की प्रस्तावित योजना के तहत रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर का विकास तीन चरणों में किया जाएगा। इसका उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करना है। योजना के तहत मंदिर की पारंपरिक भारतीय स्थापत्य शैली को संरक्षित रखते हुए मुख्य प्रवेश द्वार, आकर्षक शिखर, तोरण, दीप स्तंभ और विशाल नंदी प्रतिमा का निर्माण किया जाएगा।

पर्यटन और पर्यावरण दोनों पर रहेगा फोकस – मंदिर परिसर में उद्यान, सांस्कृतिक मंडप, रिवर फ्रंट कॉटेज, ओपन एयर स्टेज और भविष्य में मरीन ड्राइव की तर्ज पर तट विकसित करने की भी योजना है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा आधारित पार्किंग, ईवी चार्जिंग स्टेशन, वर्षा जल संचयन और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जाएंगी।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में विधायक ओंकार साहू, महापौर जगदीश रामू रोहरा, कलेक्टर तथा पूर्व विधायक रंजना साहू सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजकों का मानना है कि महानदी गंगा आरती और रुद्रेश्वर धाम का विकास धमतरी में धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देगा। साथ ही स्थानीय व्यापार, रोजगार और जनसहभागिता को भी बढ़ावा

22 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी■

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। मादक पदार्थ गांजा की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोमाखान पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 22.160 किलो अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 11 लाख 8 हजार रुपए बताई गई है, बरामद किया है। आरोपी ओडिशा के केसिंगा से गांजा लेकर मध्यप्रदेश के दतिया में खपाने की योजना बना रहे थे।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से बिना नंबर की जुपिटर स्कूटी में सवार दो युवक गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना के आधार पर कोमाखान थाना पुलिस ने ग्राम टेमरी जांच नाका पर टीम तैनात कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान मुखबिर के बताए हुलिए और वाहन के अनुरूप एक स्कूटी आती दिखाई दी, जिसे पुलिस ने रोककर तलाशी ली। पूछताछ में स्कूटी चालक ने अपना नाम विशाल अहिरवार (18) निवासी जिगना, थाना जिगना, जिला दतिया (मध्यप्रदेश) बताया। वहीं स्कूटी में पीछे बैठे युवक की पहचान संदीप अहिरवार (18) निवासी टूका किलचुवारा, थाना बबिना, जिला झांसी (उत्तरप्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्कूटी की सीट, डिक्की और एक थैले में गांजा छिपाकर ले जाने की बात स्वीकार की।

आरोपियों ने बताया कि वे गांजा केसिंगा (ओडिशा) से दतिया (मध्यप्रदेश) ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 22.160 किलो गांजा बरामद कर जब्त किया।

सेंसेक्स 210 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.6 प्रतिशत फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई। वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के चलते हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस तरह लगातार चार सत्रों से जारी बढ़त का सिलसिल थम गया। इस दौरान, रियल एस्टेट, एफएमसीजी और आईटी शेयरों में कमजोरी के कारण प्रमुख बेंचमार्क नीचे गिर गए, जबकि मेटल शेयरों ने व्यापक रुझान के विपरीत रुख अपनाया। फॉर एंड ओनर्स एक्सपायरी को लेकर बाजार में अस्थिरता बनी रही। वहीं, बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति संबंधी फैसले से पहले निवेशक सतर्क नजर आए।

एनएसई निफ्टी50 159 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,614.90 पर बंद हुआ, तो वहीं बीएसई सेंसेक्स 210.08 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,428.95 पर बंद हुआ।

इस बीच, व्यापक बाजारों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.29 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने इस प्रवृत्ति को उलटते हुए 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया (2.03 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी मेटल (0.91 प्रतिशत की तेजी) को छोड़कर बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए।

निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 2.39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके बाद निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.15 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी में 0.88 प्रतिशत, निफ्टी आईटी में 0.82 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.66 प्रतिशत,निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.56 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 इंडेक्स में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, बजाज-ऑटो, मैक्स हेल्थकेयर, रिलायंस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, जबकि इसके विपरीत अपोलो हॉस्पिटल्स, हिंडाल्को, ट्रेंट, आईटीसी, इटरनल और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि मंगलवार को साप्ताहिक एक्सपायरी के साथ ही वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के क्लोजिंग प्राइस तय करने के लिए लागू की गई नई व्यवस्था का असर बाजार में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। नई प्रणाली के कारण बाजार की चाल में कुछ असामान्य उतार-चढ़ाव दिखाई दिए, जिससे संकेत मिलता है कि नई व्यवस्था फिलहाल अपेक्षित तरीके से काम नहीं कर पा रही है, जिसके चलते कीमतों में अस्थिरता बढ़ गई है।

एक्सपर्ट के अनुसार, इस बढ़ी हुई अस्थिरता का सबसे ज्यादा असर उन निवेशकों पर पड़ा, जिन्होंने डेरिवेटिव्स बाजार में पोजिशन ले रखी थी। विशेष रूप से खुदरा निवेशकों (रिटेल इन्वेस्टर्स) को 15 मिनट की ब्लाइंड डेरिवेटिव्स क्लोजिंग विंडो से पहले अपनी पोजिशन मजबूरी में काटनी या बंद करनी पड़ी, जिससे बाजार में दबाव और बढ़ गया।

हालांकि, इसे नई प्रणाली से जुड़ी शुरुआती तकनीकी और परिचालन चुनौतियों के रूप में देखा जा रहा है।

सोने और चांदी में तेजी के साथ कारोबार, कीमतें एक प्रतिशत तक बढ़ीं

विश्व केसरी ■

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत मंगलवार को तेजी के साथ हुई और दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत की बढ़त देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,42,915 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,43,559 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 9:50 पर यह 555 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,43,470 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,365 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,43,915 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखी गई। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,16,746 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,18,143 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 2,354 रुपए या 1.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,19,100 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,18,143 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,896 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,113 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59 डॉलर प्रति औंस पर था।

इसके अलावा, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की दूसरी तिमाही में सोने की कुल मांग सालाना आधार पर 1,269 टन पर स्थिर रही। वहीं, साल की पहली छमाही मांग सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन (जिसकी कीमत 380 अरब डॉलर थी) हो गई है।

साल की दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ, बार और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। इस गिरावट की मुख्य वजह दूसरी तिमाही में गोल्ड-बैक्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी थी, हालांकि साल की पहली छमाही में ईटीएफ की मांग 18 टन के साथ थोड़ी सकारात्मक बनी रही।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में सिम्फनी का मुनाफा 5 प्रतिशत गिरकर 40 करोड़ रुपए रहा

विश्व केसरी ■

मुंबई । एयर कूलर बनाने वाली प्रमुख कंपनी सिम्फनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए अपने शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की।

कंपनी का शुद्ध लाभ (पीएटी) जून 2026 तिमाही में घटकर 40 करोड़ रुपए रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 42 करोड़ रुपए था। इस तरह कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर करीब 5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी की आय में वृद्धि देखने को मिली। जून तिमाही के दौरान ऑपरेशंस से राजस्व 8 प्रतिशत बढ़कर 378 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 350 करोड़ रुपए था। यह संकेत देता है कि कंपनी की बिक्री और कारोबार में मजबूती बनी हुई है। अहमदाबाद मुख्यालय वाली कंपनी के परिचालन प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया।

नियामकीय फाइलिंग के अनुसार, कंपनी का ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) 28 प्रतिशत बढ़कर 46 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 36 करोड़ रुपए था।

बेहतर परिचालन दक्षता का असर कंपनी के मार्जिन पर भी दिखाई दिया। जून तिमाही में ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 12.2 प्रतिशत हो गया, जो एक वर्ष पहले 10.3 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट है कि कंपनी लागत नियंत्रण और परिचालन क्षमता बढ़ाने में सफल रही है।साल 1988 में अचल बेकरी द्वारा स्थापित सिम्फनी आज इवेपोरेटिव कूलिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में शामिल है और दुनिया के 60 से अधिक देशों में कारोबार कर रही है। कंपनी घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपयोग के लिए कूलिंग समाधान उपलब्ध कराती है।

सिम्फनी का बिजनेस मॉडल अपेक्षाकृत हल्की परिसंपत्तियों (लाइट-एसेट मॉडल) पर आधारित है। कंपनी मुख्य रूप से अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद डिजाइन और ब्रांड निर्माण पर ध्यान देती है, जबकि विनिर्माण का बड़ा हिस्सा आउटसोर्स किया जाता है। कंपनी अपने उत्पादों को पारंपरिक एयर कंडीशनिंग सिस्टम की तुलना में ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में पेश करती है।

तिमाही नतीजों के बाद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों पर दबाव देखने को मिला। दोपहर के कारोबार के दौरान सिम्फनी का शेयर 1.55 प्रतिशत यानी 10.55 रुपए की गिरावट के साथ 672.20 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

तमिलनाडु में 13 साल बाद ऑटो-रिक्शा के किराए में होगा संशोधन, यूनियनों ने सौंपे ज्ञापन

विश्व केसरी ■

चेन्नई । तमिलनाडु में 13 साल के अंतराल के बाद ऑटो-रिक्शा के किराए में संशोधन होने जा रहा है। राज्य परिवहन प्राधिकरण ने ट्रेड यूनियनों और यात्री प्रतिनिधियों से परामर्श के बाद सरकार को एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि किराए में संशोधन की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट तमिलनाडु गृह विभाग को भेज दी गई है और नए शुल्क पर जल्द ही निर्णय आने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में लगभग 3.46 लाख ऑटो-रिक्शा हैं और मौजूदा किराया ढांचा लगभग 13 वर्षों से अपरिवर्तित है। ऑटो चालकों और ट्रेड यूनियनों ने ईंधन की कीमतों, रखरखाव खर्च, बीमा प्रीमियम और अन्य परिचालन लागतों में हुई भारी वृद्धि का हवाला देते हुए सरकार पर किराया संशोधन का दबाव बनाया है।

संशोधित किराया संरचना निर्धारित करने की प्रक्रिया के अंतर्गत, सरकारी अधिकारियों, ऑटो-रिक्शा ट्रेड यूनियनों और यात्री संगठनों की एक त्रिपक्षीय बैठक 9 जुलाई को चेन्नई में आयोजित की गई। इस परामर्श में ट्रेड यूनियनों के 30 से अधिक प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के साथ-साथ यात्री संगठनों के लगभग 90 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हालांकि, दोनों पक्षों ने न्यूनतम किराए को लेकर अलग-अलग प्रस्ताव रखे।

ऑटो-रिक्शा ट्रेड यूनियनों ने न्यूनतम किराया बढ़ाकर 70 रुपये करने की मांग की, उनका तर्क था कि पिछले दशक में परिचालन खर्चों में भारी वृद्धि को देखते हुए मौजूदा किराया अब व्यवहार्य नहीं रह गया है।

यात्री संगठनों ने संशोधन की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए सरकार से न्यूनतम किराया 50 रुपये पर बनाए रखने का आग्रह किया ताकि ऑटो यात्रा सस्ती बनी रहे, विशेष रूप से दैनिक यात्रियों के लिए।

परामर्श के बाद, परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की जांच की और सरकार के विचारार्थ एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट में त्रिपक्षीय चर्चाओं के दौरान उठाए गए प्रमुख बिंदुओं के साथ-साथ ऑटो-रिक्शा परिचालन लागत को प्रभावित करने वाले कई कारकों को भी ध्यान में रखा गया है।

प्राधिकरण ने अपनी सिफारिशें तैयार करने से पहले अन्य प्रमुख शहरों में प्रचलित ईंधन की कीमतों और ऑटो-रिक्शा के किराए का भी अध्ययन किया है। रिपोर्ट को अब आगे विचार के लिए गृह विभाग को सौंप दिया गया है।

भारत में रिटेल लीजिंग 2026 की पहली छमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। चालू कैलेंडर वर्ष की पहली छमाही में शीर्ष सात प्रमुख बाजारों में कुल लीजिंग 10.5 प्रतिशत बढ़कर 62.7 लाख वर्ग फुट पहुंच गई है और यह भारत के रिटेल क्षेत्र में चार वर्षों में छमाही आधार पर लीजिंग का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

कमर्शियल रियल एस्टेट सर्विसेज फर्म जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग को प्रभावित करने वाले कई बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय रिटेल बाजार ने मजबूत वृद्धि का रुझान दिखाया है।

जनवरी से जून 2026 के बीच रिटेल स्पेस की मांग स्थिर बनी रही और आपूर्ति की कमी के बावजूद खुदरा विक्रेताओं के विस्तार के चलते पहली तिमाही में कुल लीजिंग 30.9 लाख वर्ग फुट रही।

वहीं, दूसरी तिमाही में लीजिंग की रफ्तार और मजबूत हुई। यह क्रमिक रूप से 2.7 प्रतिशत बढ़कर 31.8 लाख वर्ग फुट हो गई। इस विस्तार में मुख्य रूप से घरेलू ब्रांडों का योगदान रहा, जिनकी कुल लीजिंग में 79.1 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

भारत के शीर्ष सात शहरों में मुंबई (29 प्रतिशत) और दिल्ली एनसीआर (24 प्रतिशत) की 2026 की पहली छमाही के कुल लीजिंग वॉल्यूम में 53 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। बेंगलुरु (23 प्रतिशत) को मिलाकर इन तीनों प्रमुख बाजारों ने रिटेल स्पेस की कुल मांग का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभाला।

हालांकि, 2026 की दूसरी तिमाही में नए शॉपिंग मॉल की आपूर्ति सीमित रही, लेकिन दिल्ली एनसीआर और हैदराबाद के बाहरी इलाकों में नए रिटेल स्पेस की उपलब्धता ने अपने भौतिक स्टोर नेटवर्क का विस्तार करने वाले रिटेलर्स को नए अवसर प्रदान किए।

2026 की पहली छमाही में नए शॉपिंग मॉल की आपूर्ति 8.2 लाख वर्ग फुट रही, जो 2025 की पहली छमाही में दर्ज की गई मजबूत आपूर्ति की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 64 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

पिछले छह से नौ महीनों से, प्रमुख रिटेल ब्रांड शॉपिंग मॉल में गुणवत्तापूर्ण स्थान की कमी के कारण विस्तार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसने उन्हें स्टोर विस्तार के लिए वैकल्पिक प्रारूपों का मूल्यांकन करने पर मजबूर किया है।

उपभोक्ताओं की अनुभव-आधारित खुदरा प्राथमिकताओं के कारण संगठित रिटेल स्पेस की मांग मजबूत हुई है। इसके साथ ही कुल लीजिंग में मॉल की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही के 38.9 प्रतिशत से बढ़कर 2026 की पहली छमाही में 43.1 प्रतिशत हो गई है।

भारत का लक्ष्य 2030 तक 10,000 जीआई पंजीकरण और एफटीए के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाना

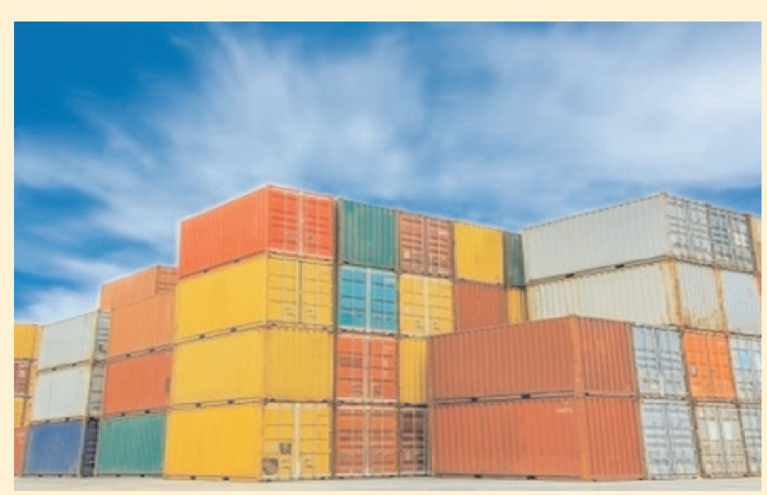

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत का ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) इकोसिस्टम परंपरा और अवसरों के बीच एक पुल के रूप में विकसित हो रहा है। 2030 तक 10,000 जीआई रजिस्ट्रेशन के लक्ष्य के साथ, देश अपनी विरासत-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और अपने अनोखे क्षेत्रीय उत्पादों की वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने की अच्छी स्थिति में है। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में मंगलवार को दी गई।

भारत में 800 से ज्यादा रजिस्टर्ड जीआई प्रोडक्ट हैं और 2014 से अब तक 607 जीआई दिए जा चुके हैं। पिछले 10 सालों में, जीआई टैग के लिए अधिकृत यूजर्स की संख्या 365 से बढ़कर 29,000 (जनवरी 2025 तक) हो गई है। 2025 के संशोधन के जरिए, जीआई एप्लीकेशन और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए फीस में 80 प्रतिशत की कमी की गई है। टैग के रिन्यूअल की फीस भी 3,000 रुपए से घटाकर सिर्फ 500 रुपए कर दी गई है।

सरकारी बयान के अनुसार, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) खास क्षेत्रीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाकर जीआई की वैल्यू बढ़ाते हैं। जीआई टैग प्रमाणिकता और मूल स्थान को प्रमाणित करते हैं, जबकि एफटीए व्यापार की बाधाओं को कम करते हैं और निर्यात के मौकों को बेहतर बनाते हैं। इनके बढ़ते महत्व को देखते हुए, जीआई भारत की व्यापार वार्ताओं में एक अहम मुद्दा बन गए हैं।

प्रोडक्ट्स को उनके मूल स्थान से जोड़कर, जीआई टैग पारंपरिक ज्ञान को बचाते हैं, उनके गलत इस्तेमाल को रोकते हैं और ग्राहकों का भरोसा बढ़ाते हैं।

भारत में जुलाई में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मांग मजबूत रही, यात्री वाहनों की बिक्री 34 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत के ऑटोमोबाइल क्षेत्र जुलाई में अच्छी घरेलू मांग के चलते मजबूत रहा है। इस दौरान यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 34 प्रतिशत और रिटेल बिक्री सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़ी है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी इंडिया की ओर से जारी किए गए विश्लेषण में कहा गया कि भारत में यात्री वाहनों के साथ दोपहिया और ट्रैक्टर्स की मांग ऐसे समय पर मजबूती रही है, जब दुनिया में वैश्विक अस्थिरता के कारण कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पैसेंजर गाड़ियों की मांग में यूटिलिटी गाड़ियों की जबरदस्त बिक्री का अहम योगदान रहा, जबकि ग्राहकों की लगातार दिलचस्पी और बेहतर सप्लाई चेन से भी कार बनाने वाली कंपनियों को फायदा हुआ।

टू-व्हीलर सेगमेंट में, सालाना आधार पर होलसेल वॉल्यूम में लगभग 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल रिटेल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़ी।

इसी तरह, कमर्शियल गाड़ियों (सीवी) की मांग को ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) द्वारा कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा से पहले की गई रिप्लेसमेंट खरीदारी से सहारा मिला।

बड़ी कंपनियों की कुल सीवी (कमर्शियल व्हीकल) बिक्री में साल-दर-साल लगभग 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कमोडिटी की ऊंची कीमतें मुनाफे पर दबाव डाल सकती हैं।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में टू-व्हीलर और पैसेंजर व्हीकल के लिए कमोडिटी कॉस्ट इंडेक्स में लगभग 10-12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कमर्शियल व्हीकल और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के इंडेक्स में लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार,

जून तिमाही में कई वाहन निर्माताओं द्वारा कम मुनाफा दर्ज किए जाने के बाद सितंबर तिमाही में भी मार्जिन पर कुछ दबाव बने रहने की उम्मीद है। इस बीच, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का चलन मजबूत बना रहा।

सावन में घूमने का प्लान है? पुष्कर का नाग पहाड़ बना राजस्थान का नया मानसून हॉटस्पॉट

सावन के पवित्र महीने में पुष्कर का नाग पहाड़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. यह प्राचीन काल से ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रहा है और यहां कई प्राचीन शिव मंदिर मौजूद हैं. मानसून के दौरान यहां की हरियाली, बादलों से ढकी पहाड़ियां और छोटे-छोटे झरने पर्यटकों का मन मोह लेते हैं. पहाड़ की ऊंचाई से पवित्र पुष्कर सरोवर का विहंगम नजारा दिखाई देता है. सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना और प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते हैं.

सावन का पवित्र महीना शुरू हो चुका है. ऐसे में यदि आप अजमेर जिले के प्रसिद्ध तीर्थराज पुष्कर घूमने की योजना बना रहे हैं, तो पवित्र पुष्कर सरोवर और विश्व प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर के साथ नाग पहाड़ को भी अपनी यात्रा में जरूर शामिल करें. धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व से समृद्ध यह पहाड़ सावन और मानसून के मौसम में अपनी हरियाली और मनमोहक नजारों के कारण और भी आकर्षक हो जाता है. यहां पहुंचकर श्रद्धालु आध्यात्मिक शांति के साथ प्रकृति की खूबसूरती का भी भरपूर आनंद ले सकते हैं.

पुष्कर का नाग पहाड़ केवल एक प्राकृतिक पहाड़ी नहीं, बल्कि प्राचीन काल से ऋषि-मुनियों की तपोस्थली के रूप में प्रसिद्ध रहा है. मान्यता है कि यहां अनेक संतों और तपस्वियों ने वर्षों तक कठोर तप और साधना की थी. इसी कारण यह स्थान धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना जाता है. आज भी नाग पहाड़ का शांत और प्राकृतिक वातावरण श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है और ध्यान-साधना के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करता है.

नाग पहाड़ पर कई प्राचीन मंदिर स्थित हैं, जिनमें भगवान शिव के मंदिर श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र हैं. सावन के पूरे महीने यहां दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं. सुबह और शाम मंदिरों में गूंजती घंटियों की ध्वनि, वैदिक मंत्रोच्चार और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और दिव्य अनुभूति का अनुभव होता है.

सावन और मानसून के दौरान नाग पहाड़ की प्राकृतिक सुंदरता अपने चरम पर होती है. चारों ओर फैली हरियाली, बादलों से ढकी पहाड़ियां और ठंडी हवाएं यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं. बारिश के बाद पूरा क्षेत्र मानो एक खूबसूरत प्राकृतिक पर्यटन स्थल में बदल जाता है, जहां हर ओर ताजगी, हरियाली और मनमोहक दृश्य देखने को मिलते हैं. यही वजह है कि इस मौसम में बड़ी संख्या में लोग यहां आध्यात्मिक शांति के साथ प्रकृति का आनंद लेने भी पहुंचते हैं.

मंदिरों के आसपास पहाड़ों से बहने वाले छोटे-छोटे झरने नाग पहाड़ की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं. झरनों की कल-कल करती मधुर ध्वनि, चारों ओर फैली हरियाली और पहाड़ों के बीच बनी प्राकृतिक पगडंडियां यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुकून का अहसास कराती हैं. मानसून के दौरान यहां का मनोहारी दृश्य और भी आकर्षक हो जाता है. फोटोग्राफी और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान किसी स्वर्ग से कम नहीं, जहां हर कदम पर खूबसूरत नजारे कैमरे में कैद करने का अवसर मिलता है.

धार्मिक महत्व के साथ-साथ पुष्कर का नाग पहाड़ प्रकृति प्रेमियों और घूमने के शौकीनों के लिए भी एक पसंदीदा पर्यटन स्थल है. यहां की ऊंचाई से पवित्र पुष्कर सरोवर, विश्व प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर और पूरे पुष्कर शहर का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है।

सावन और मानसून के मौसम में चारों ओर फैली हरियाली और बादलों से घिरा यह नजारा पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है. यही कारण है कि हर वर्ष इस मौसम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक नाग पहाड़ की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लेने यहां पहुंचते हैं।

कास्ट आयरन के बर्तनों में लग रही है जंग? शेफ पंकज भदौरिया के बताए ये आसान टिप्स बढ़ाएंगे कड़ाही और तवे की उम्र

कास्ट आयरन के बर्तनों को धोने के बाद पूरी तरह सुखाना बेहद जरूरी है. हल्की आंच पर सुखाकर सरसों के तेल की पतली परत लगाने से जंग लगने का खतरा कम हो सकता है. डिशवॉशर और तेज केमिकल वाले क्लीनर से इन बर्तनों को बचाना चाहिए. नियमित ऑयल कोटिंग से बर्तन की प्राकृतिक सीजनिंग बनी रहती है और खाना कम चिपकता है. सही देखभाल से कास्ट आयरन की कड़ाही, तवा और पैन सालों तक मजबूत और टिकाऊ बने रह सकते हैं.

आपके किचन में कास्ट आयरन की कड़ाही, तवा या पैन है, तो आपने भी कभी न कभी उस पर जंग लगने की परेशानी जरूर देखी होगी. कई लोग सोचते हैं कि महंगे बर्तन खरीद लेने से उनकी लाइफ अपने आप बढ़ जाएगी, लेकिन सच यह है कि सही देखभाल ही उन्हें लंबे समय तक टिकाऊ बनाती है. अक्सर लोग कास्ट आयरन के बर्तनों को सामान्य स्टील या नॉन-स्टिक बर्तनों की तरह साफ करते हैं, जिसकी वजह से उनकी सतह खराब होने लगती है और धीरे-धीरे जंग दिखाई देने लगती है. इस समस्या का समाधान बेहद आसान है. मशहूर शेफ पंकज भदौरिया ने एक वीडियो में ऐसे आसान टिप्स बताए हैं जिन्हें रोजमर्रा की आदत बना लिया जाए तो कास्ट आयरन के बर्तन सालों तक मजबूत, चमकदार और जंग से सुरक्षित रह सकते हैं.

कास्ट आयरन के बर्तनों की सही देखभाल क्यों है जरूरी?

कास्ट आयरन एक बेहद मजबूत धातु होती है जिसे पिघलाकर सांचों में ढाला जाता है. यही वजह है कि इससे बने बर्तन लंबे समय तक चलते हैं और खाना भी बेहतर तरीके से पकाते हैं. कई लोग मानते हैं कि कास्ट आयरन में बनी सब्जी या रोटी का स्वाद अलग ही होता है, लेकिन अगर इन बर्तनों की सही तरह से देखभाल न की जाए तो उनकी सतह खराब हो सकती है और जंग लगने की शुरुआत हो जाती है.

बर्तन धोने के बाद न छोड़ें नमी

शेफ पंकज भदौरिया के मुताबिक सबसे पहले बर्तन को अच्छी तरह धो लें. इसके बाद किसी सूखे कपड़े से उसे पूरी तरह पोंछें. ध्यान रखें कि बर्तन में कहीं भी पानी की बूंदें न बचें क्योंकि यही नमी बाद में जंग की वजह बनती है. अगर संभव हो तो बर्तन को हल्की आंच पर एक-दो मिनट रखकर पूरी तरह सुखा लें. इससे बची हुई नमी भी खत्म हो जाती है.

सरसों का तेल करेगा कमाल

जब बर्तन पूरी तरह सूख जाए, तब उसके अंदर की सतह पर थोड़ा सा सरसों का तेल लगाएं. अब किसी साफ कपड़े या टिश्यू की मदद से पूरे बर्तन पर तेल की पतली परत फैला दें. इसके बाद दूसरे साफ कपड़े से अतिरिक्त तेल पोंछ दें. यह हल्की ऑयल कोटिंग बर्तन को नमी से बचाती है और जंग लगने की संभावना काफी कम हो जाती है.

रोजमर्रा की छोटी आदतें बढ़ा देंगी बर्तन की उम्र

कई लोग बर्तन धोकर सीधे रैक में रख देते हैं. यही सबसे आम गलती है, अगर हर इस्तेमाल के बाद बर्तन को अच्छी तरह सुखाकर हल्का तेल लगा दिया जाए।

उमस में स्किन हो गई है बेजान? ट्राई करें शहनाज हुसैन की ये 5 होममेड लोशन, लौटाएंगे चेहरे की खोई रंगत!

उमस के मौसम में, नेचुरल चीज़ों से बने ये आसान होममेड लोशन आपकी स्किन को रिफ्रेश और मॉइस्चराइज़ करने में मदद कर सकते हैं. लेकिन अलग-अलग लोगों की स्किन के हिसाब से नतीजे अलग-अलग हो सकते हैं.

बारिश के मौसम में नमी और पसीने की वजह से अक्सर त्वचा बेजान, चिपचिपी और फीकी लगने लगती है. हालांकि कई लोग महंगे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन स्किन की देखभाल के लिए घरेलू उपाय भी असरदार हो सकते हैं. मशहूर ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज़ हुसैन अक्सर प्राकृतिक चीज़ों से बने स्किनकेयर उपाय अपनाने की सलाह देती हैं. यहां 5 आसान घरेलू लोशन बताए गए हैं जो त्वचा को तरोताज़ा और मॉइस्चराइज़ रखने में मदद कर सकते हैं...

1. गुलाब जल और एलोवेरा लोशन

1 चम्मच गुलाब जल में 2 चम्मच ताज़ा एलोवेरा जेल मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें. इसे धीरे-धीरे अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें. यह मिश्रण त्वचा को आराम देने और हाइड्रेट करने में मदद कर सकता है.

2. खीरा और दूध का लोशन

आधे खीरे का रस निकाल लें। इसमें 2 चम्मच कच्चा दूध मिलाएं और कॉटन पैड की मदद से इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं. 10-15 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे त्वचा को ताज़गी महसूस हो सकती है.

3. शहद और गुलाब जल का लोशन

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच गुलाब जल मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं. लगभग 15 मिनट बाद धो लें. शहद त्वचा को मॉइस्चराइज़ करने में मदद करता है, जबकि गुलाब जल ताज़गी का एहसास देता है.

5. टमाटर और शहद का लोशन

आधा चम्मच शहद में 1 चम्मच टमाटर का रस मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं. 10 मिनट बाद धो लें। यह मिश्रण त्वचा को फ्रेश लुक देने में मदद कर सकता है.

इन बातों का भी ध्यान रखें

घर पर बना कोई भी मिश्रण लगाने से पहले हमेशा पैच टेस्ट करें.

अगर जलन, खुजली या कोई एलर्जिक रिएक्शन महसूस हो, तो इसका इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें।

अब तक मखाने को समझते रहे प्रोटीन का बादशाह? पॉपकॉर्न की सच्चाई जानकर रह जाएंगे हैरान, जानें किसमें कितना है दम?

प्रोटीन के मामले में एयर-पॉप्ड पॉपकॉर्न मखाने से थोड़ा आगे है, जबकि ओवरऑल हेल्दी स्नैक के रूप में सादा भुना हुआ मखाना बेहतर विकल्प माना जा सकता है. आखिरकार सही चुनाव इस बात पर निर्भर करता है कि आपका लक्ष्य वजन कम करना, फाइबर बढ़ाना या प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना है. सबसे अच्छी बात यह होगी कि दोनों को संतुलित मात्रा में और बिना अतिरिक्त बटर, तेल या चीनी के अपनी डाइट का हिस्सा बनाया जाए.

शाम की हल्की भूख हो या ऑफिस के बीच में कुछ हेल्दी खाने का मन, ज्यादातर लोग मखाना और पॉपकॉर्न के बीच उलझ जाते हैं. दोनों को ही हल्का, स्वादिष्ट और फिटनेस फ्रेंडली स्नैक माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि अगर आपका लक्ष्य ज्यादा प्रोटीन लेना, वजन नियंत्रित रखना या हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना है, तो इनमें से कौन-सा विकल्प बेहतर रहेगा? सोशल मीडिया पर भी मखाने को सुपरफूड और पॉपकॉर्न को हेल्दी स्नैक बताने वाले कई दावे किए जाते हैं. ऐसे में जरूरी है कि पोषण के आंकड़ों और खाने के सही तरीके के आधार पर फैसला किया जाए. आइए जानते हैं कि प्रोटीन, फाइबर, कैलोरी और ओवरऑल हेल्थ के लिहाज से मखाना और पॉपकॉर्न में किसका पलड़ा भारी है.

मखाना और पॉपकॉर्न में किसमें होता है ज्यादा प्रोटीन?

अगर केवल 100 ग्राम के पोषण मूल्य को देखा जाए, तो एयर-पॉप्ड पॉपकॉर्न में लगभग 12 से 13 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है. वहीं मखाने में करीब 9 से 10 ग्राम प्रोटीन होता है. यानी प्रोटीन की बात करें तो पॉपकॉर्न थोड़ा आगे निकल जाता है. हालांकि केवल प्रोटीन देखकर किसी स्नैक को बेहतर नहीं कहा जा सकता. यह भी देखना जरूरी है कि उसमें कैलोरी, फाइबर, फैट और उसे बनाने का तरीका कैसा है. यही बातें तय करती हैं कि कोई चीज रोजाना खाने के लिए कितनी अच्छी है.

मखाने और पॉपकॉर्न का पोषण अंतर

प्रोटीन के साथ फाइबर भी है अहम

एयर-पॉप्ड पॉपकॉर्न में फाइबर की मात्रा मखाने की तुलना में काफी अधिक होती है. अधिक फाइबर पाचन को बेहतर बनाने, पेट को लंबे समय तक भरा रखने और बार-बार भूख लगने की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है. दूसरी ओर, मखाना भी अच्छी मात्रा में फाइबर देता है, लेकिन इसमें फैट बेहद कम होता है. यही वजह है कि इसे हल्का स्नैक माना जाता है.

100 ग्राम मखाने में लगभग 340 से 360 कैलोरी होती है, जबकि एयर-पॉप्ड पॉपकॉर्न में करीब 380 से 390 कैलोरी मिलती हैं. फैट की बात करें तो मखाने में यह बहुत कम होता है, जबकि पॉपकॉर्न में प्राकृतिक रूप से थोड़ी अधिक मात्रा मौजूद रहती है. हालांकि यह अंतर तब बदल जाता है, जब पॉपकॉर्न को मक्खन, चीज़ या कैरामेल के साथ तैयार किया जाता है।

सावन की बारिश नहीं बिगाड़ पाएगी आपकी पूजा, जानिए सामग्री बचाने के सबसे आसान उपाय

बारिश के मौसम में पूजा सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए एयरटाइट डिब्बों का इस्तेमाल करें, नमी से बचाएं, फूल और बेलपत्र सही तरीके से स्टोर करें तथा पूजा की जगह और कंटेनरों की नियमित सफाई करते रहें. इससे सामान लंबे समय तक खराब नहीं होगा.

सावन का महीना आते ही घर-घर में भगवान शिव की पूजा, रुद्राभिषेक और व्रत का सिलसिला शुरू हो जाता है. इस दौरान फूल, बेलपत्र, धूप, कपूर, रुई, अगरबत्ती, रोली, चंदन और कई दूसरी पूजा सामग्री का इस्तेमाल रोजाना होता है, लेकिन सावन के साथ आने वाली लगातार बारिश और हवा में बढ़ी नमी इन चीजों को जल्दी खराब कर देती है. कई बार फूल एक दिन में मुरझा जाते हैं, कपूर गलने लगता है, अगरबत्ती में सीलन आ जाती है और रोली या चंदन भी अपनी गुणवत्ता खो देते हैं.

ऐसे में लोग नई सामग्री बार-बार खरीदने को मजबूर हो जाते हैं, अगर कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाए तो पूजा की सामग्री कई दिनों तक सुरक्षित और अच्छी स्थिति में रखी जा सकती है. सही तरीके से स्टोर करने पर न सिर्फ सामान लंबे समय तक चलता है, बल्कि पूजा के समय भी किसी तरह की परेशानी नहीं होती. आइए जानते हैं कि बारिश के मौसम में पूजा सामग्री को सुरक्षित रखने के आसान और असरदार तरीके कौन से हैं.

बारिश का मौसम क्यों बन जाता है परेशानी की वजह?

बारिश के दिनों में हवा में नमी सामान्य दिनों की तुलना में काफी ज्यादा होती है. यही नमी पूजा सामग्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती है. फूल जल्दी सड़ने लगते हैं, सूखे नारियल में फफूंदी आ सकती है, कपूर पिघलने लगता है और धूप-अगरबत्ती भी ठीक से नहीं जलती, अगर सामग्री खुली जगह पर रखी जाए तो उसका खराब होना लगभग तय माना जाता है।

इंश्योरेंस के 44 लाख के लिए पत्नी पर चढ़ाई गाड़ी! क्या शादी के बाद फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी खतरा बन सकती है? जानें क्या है सही तरीका

44 लाख रुपये के कथित इंश्योरेंस लालच से जुड़े हमीरपुर के मामले ने शादी में पैसों और भरोसे पर नई बहस छेड़ दी है. जानिए पति पत?नी के बीच फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी की सीमा क्या होनी चाहिए और किन आसान आदतों से रिश्ता भी मजबूत रहेगा और सुरक्षा भी रहेगी.

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से सामने आए एक कथित मामले ने रिश्तों में भरोसे और पैसों को लेकर नई बहस छेड़ दी है. पुलिस के मुताबिक, 44 लाख रुपये के इंश्योरेंस क्लेम के लालच में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या की साजिश रची और घटना को सड़क हादसा दिखाने की कोशिश की. मामला अभी जांच और कानूनी प्रक्रिया में है, लेकिन इसने एक अहम सवाल जरूर खड़ा कर दिया है. क्या शादी के बाद पति-पत्नी के बीच Financial Transparency पूरी तरह होनी चाहिए या ये पार्टनर के लिए खतरा भी हो सकता है! आइए समझते हैं कि पैसों को लेकर सही संतुलन कैसे रिश्ते को मजबूत और सुरक्षित बना सकता है और किन हालात में अलर्ट हो जाना बेहतर है.

भरोसा और पारदर्शिता रिश्ते की नींव

शादी सिर्फ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों की साझेदारी भी है. ऐसे में कमाई, कर्ज, इंश्योरेंस, बड़े निवेश और आर्थिक जिम्मेदारियों जैसी बातें पूरी तरह छिपाना कई बार भविष्य में तनाव का कारण बन सकता है. वहीं, हर छोटी-छोटी व्यक्तिगत खरीदारी या निजी खर्च का हिसाब देना भी जरूरी नहीं है. इसलिए रिश्ते में संतुलन सबसे अहम है.

फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी का मतलब?

फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी का मतलब यह नहीं कि पार्टनर आपके बैंक अकाउंट का हर ट्रांजैक्शन देखे. इसका मतलब है कि दोनों को उन आर्थिक बातों की जानकारी हो जो पूरे परिवार को प्रभावित कर सकती हैं. जैसे कितने बड़े लोन हैं, कौन-कौन सी इंश्योरेंस पॉलिसी हैं, इमरजेंसी में किससे संपर्क करना है, किस बैंक में जरूरी निवेश हैं और परिवार की वित्तीय योजना क्या है.

र महीने एक बार बैठकर परिवार के खर्च, बचत और आने वाले वित्तीय लक्ष्यों पर बात करें. यदि किसी पर कर्ज है या आर्थिक परेशानी चल रही है तो उसे छिपाने के बजाय मिलकर समाधान खोजें. इंश्योरेंस, बैंक खाते, नॉमिनी, जरूरी दस्तावेज और इमरजेंसी कॉन्टैक्ट जैसी जानकारी किसी भरोसेमंद जगह सुरक्षित रखें ताकि जरूरत पड़ने पर परिवार को परेशानी न हो. साथ ही, दोनों पार्टनर अपनी आर्थिक पहचान भी बनाए रखें और एक-दूसरे के फैसलों का सम्मान करें.

हमीरपुर जैसी घटना से पार्टनर खुद को कैसे बचाए-

हमीरपुर जैसी घटनाओं से सतर्क रहकर खुद को सुरक्षित रखने के लिए हर पार्टनर को ये 5 व्यावहारिक कदम जरूर उठाने चाहिए:

1.कागजातों को समझे बिना दस्तखत न करें: अपने नाम पर ली जा रही किसी भी इंश्योरेंस पॉलिसी, लोन या प्रॉपर्टी के दस्तावेजों को बिना पढ़े और समझे कभी साइन न करें. पॉलिसी की रकम और नॉमिनी की जानकारी हमेशा रखें.

2.अचानक बनी बड़ी पॉलिसी पर सतर्क रहें: यदि पार्टनर बिना किसी ठोस वजह के आपके नाम पर अचानक भारी-भरकम लाइफ इंश्योरेंस ले रहा हो या बड़ा कर्ज छुपा रहा हो, तो इसे हल्के में न लें और सवाल पूछें.

3.वित्तीय साक्षरता और एक्सेस रखें: घर के बैंक खातों, पॉलिसी नंबरों और जरूरी लीगल डाक्यूमेंट्स की प्रतियां (Copies) अपने पास या किसी भरोसेमंद परिजन की जानकारी में सुरक्षित रखें.

'4.रेड फ्लैग्स' (Red Flags) को नजरअंदाज न करें: रिश्ते में अचानक बढ़ता तनाव, बार-बार झूठ, पैसों के लिए हिंसा, धमकी या जबरन वित्तीय नियंत्रण गंभीर खतरे के संकेत हो सकते हैं.

5.खतरा महसूस होने पर तुरंत मदद लें: अगर आपको अपनी जान या सुरक्षा पर कोई शक हो, तो बात छुपाने की बजाय तुरंत अपने मायके/परिवार, काउंसलर या पुलिस प्रशासन को सूचित करें।

मृणाल ठाकुर ने डीपफेक बनाने वालों को दी चेतावनी, कहा- पहचान के गलत इस्तेमाल पर होगी कानूनी कार्रवाई

mrunalthakur 10h
From Create Mode >

"मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है।

इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें।

अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।"

डीपफेक क्या है?

डीपफेक AI तकनीक का दुरुपयोग है, जिसमें किसी की फोटो, वीडियो या आवाज को एडिट या बदलकर गलत तरीके से पेश किया जाता है।

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया के जरिए डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए उनके वीडियो और तस्वीरों को हटाने की चेतावनी दी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी देते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाही की बात की।

अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।'

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की बात करें, तो अब उनकी झोली में कई फिल्में लगी हुई हैं। अभिनेत्री साल की शुरुआत में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म मुंबई शहर में रहने वाले दो ऐसे लोगों की है जो आत्म-संदेह, सामाजिक दबाव और असुरक्षा से जूझते हुए प्यार और अपनापन पाते हैं। फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।

इसके बाद अभिनेत्री डेविड धवन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री अदिवी शेष के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी। इस फिल्म का निर्देशन शनेल देव ने किया है।

यह फिल्म प्यार, धोखे, और बदले की एक अनोखी कहानी है। इसमें हाई-स्टेक्स चोरी और जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने 'सरस्वती' नाम का किरदार निभाया है। उनका किरदार सिर्फ एक रोमांटिक लव-इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह कहानी का मुख्य संघर्ष और ताकत का प्रतीक बनता है। आदिवी शेष मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं, जबकि फिल्म में अनुराग कश्यप ने एक खतरनाक खलनायक/पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है।

'राम कपूर ने किसी को असहज महसूस नहीं कराया,' किसिंग विवाद पर बोलीं आकांक्षा चौधरी

विश्व केसरी

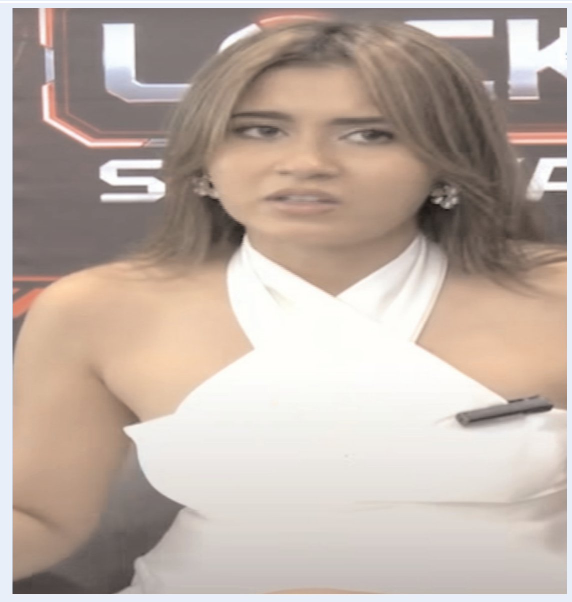

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे रिएलिटी शो 'लॉक अप 2' से निकलने के बाद भी आकांक्षा चौधरी चर्चा में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने शो में महिला कंटेस्टेंट्स के माथे और गालों पर किस करने की राम कपूर की आदत को लेकर मचे विवाद के बीच उनका समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा।

आकांक्षा ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि वह समझती हैं कि इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन राम कपूर की नीयत कभी भी गलत नहीं थी।

उन्होंने कहा, 'जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया।'

घर के अंदर हुई एक बातचीत को याद करते हुए उन्होंने बताया कि श्रेया कालरा ने एक बार शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं।

उन्होंने कहा, 'जब मैं सीक्रेट रूम में थी, तो मुझे लगता है कि श्रेया ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम सर मुझे मेरे पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। लेकिन तब शिल्पा जी ने कहा, 'नहीं, नहीं, वह ऐसा नहीं करते हैं।''

आकांक्षा ने आगे कहा कि श्रेया ने खुद साफ किया था कि उनका मतलब गलत तरीके से नहीं था। उन्होंने कहा, 'श्रेया ने कहा था, 'जाहिर है, मैं उस तरह से नहीं कह रही हूं। मेरा मतलब वैसा नहीं है। मैं बस यह कह रही हूं कि वह बार-बार ऐसा करते हैं।' तो वह इस बारे में बहुत सहज थीं।'

वहीं, राम कपूर की पत्नी गौतमी कपूर जब शो में आई थीं, तो उन्होंने सभी से राम कपूर के व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, 'अगर इनसे कोई गलती हो गई हो या इन्होंने आपको असहज किया हो तो मैं इनकी तरफ से माफी मांगती हूं।' हालांकि, गौतमी ने बचाव करते हुए यह भी कहा कि उनके पति का स्वभाव ऐसा ही है, वे 'टेडी बेयर' की तरह हैं और उनका इरादा गलत नहीं था। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि राम कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर आलोचना का शिकार हुए थे।

ध्रुव विक्रम की नई फिल्म से जुड़े संतोष नारायणन, संगीत को लेकर बढ़ी उत्सुकता

चेन्नई। तमिल सिनेमा में अपनी अलग पहचान बना चुके युवा अभिनेता ध्रुव विक्रम की आने वाली फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ता जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इससे जुड़ी जानकारियां लगातार सामने आ रही हैं। अब इस फिल्म को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आई है।

मशहूर संगीतकार संतोष नारायणन इस फिल्म से जुड़ गए हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि संतोष नारायणन फिल्म के लिए संगीत तैयार करेंगे।

निर्देशक करण अरविंद कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को फिलहाल 'डीवी 4' और 'मैत्री तमिल 04' नाम से जाना जा रहा है। इस फिल्म में ध्रुव विक्रम को एक नए अंदाज में पेश करने की तैयारी है। निर्माताओं का कहना है कि फिल्म में कहानी, कलाकारों का प्रदर्शन और संगीत तीनों का खास महत्व होगा।

फिल्म की निर्माण कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संतोष नारायणन के फिल्म से जुड़ने की जानकारी साझा की। कंपनी ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें निर्देशक करण ए कुमार और संगीतकार संतोष नारायणन साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर के जरिए मेकर्स ने यह दिखाने की कोशिश की है कि फिल्म के संगीत पर काम शुरू हो चुका है और टीम दर्शकों के लिए कुछ खास तैयार करने में जुटी है। निर्माताओं ने अपनी पोस्ट में संतोष नारायणन की तारीफ करते हुए उन्हें बेहतरीन और नए प्रयोग करने वाला संगीतकार बताया।

फैमिली वेकेशन पर मीरा राजपूत, शेयर कीं ससुरालवालों संग मस्ती भरी तस्वीरें

विश्व केसरी

मुंबई। एंटरप्रेन्योर मीरा राजपूत कपूर ने मंगलवार सुबह फैंस के साथ अपनी फैमिली वेकेशन की मजेदार झलकियां शेयर कीं। उन्होंने अपने पति शाहिद कपूर, सास सुप्रिया पाठक, ससुर पंकज कपूर, ननद सनाह कपूर और कपूर परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अपने 'कपूर ससुराल वालों' के साथ बिताए मजेदार पलों को दिखाया।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मीरा ने सुप्रिया पाठक के साथ एक खुशमिजाज तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे कैमरे के सामने मुस्कुराती हुई नजर आ रही थीं। तस्वीर के साथ कैप्शन में मीरा ने लिखा, 'हैव-टू-बी कपूर'

एक और तस्वीर में शाहिद कपूर अपने पिता और दिग्गज एक्टर पंकज कपूर के साथ पोज देते हुए दिखे। उनके बेटे जैन, जिनका चेहरा फुटबॉल इमोजी से ढका हुआ था, शाहिद को गले लगाते हुए दिखे। मीरा ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, 'कैन-ओनली-बी कपूर'

उन्होंने एक्ट्रेस और अपनी ननद सनाह कपूर की अपनी बेटी मिशा के साथ पोज देते हुए एक तस्वीर भी शेयर की और लिखा, 'ओनली-वांट-टू-बी कपूर'

जानकारी के लिए बता दें कि मीरा राजपूत ने 7 जुलाई 2015 को गुरुग्राम में एक निजी समारोह में शाहिद कपूर से शादी की थी। उनकी शादी आध्यात्मिक संस्था 'राधा स्वामी सत्संग ब्यास' के जरिए तय हुई थी क्योंकि दोनों परिवार इस समुदाय के माध्यम से एक-दूसरे को जानते थे।

लगभग 10 साल के उम्र के अंतर के बावजूद, इस कपल को बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक माना जाता है। वे बेटी मिशा (जन्म 2016) और बेटे जैन (जन्म 2018) के माता-पिता हैं।

प्रोफेशनल तौर पर, मीरा एक वेलनेस क्लिनिक और स्किन केयर ब्रांड को संभाल रही हैं। काम की बात करें तो, इस साल शाहिद कपूर की दो बड़ी फिल्में रिलीज हुईं। उन्हें आखिरी बार जून में रिलीज हुई 'कॉकटेल 2' में देखा गया था और उससे पहले वे विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी 'ओ रोमियो' में नजर आए थे।

प्रीति जिंटा ने मनाई 'हर दिल जो प्यार करेगा' की 26वीं सालगिरह, बोलीं- 'आज भी यादें ताजा हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों में काम किया, जो आज भी लोगों की पसंदीदा मूवीज लिस्ट में शामिल हैं। इन्हीं फिल्मों में से एक है साल 2000 में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म 'हर दिल जो प्यार करेगा', जिसमें प्रीति जिंटा ने जाह्नवी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। अब फिल्म के 26 साल पूरे होने के मौके पर अभिनेत्री ने अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए एक खास पोस्ट साझा किया।

प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म को खास अंदाज में याद किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म के कई यादगार सीन्स की छोटी-छोटी झलकियां दिखाई गईं। इस वीडियो में सलमान खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और शाहरुख खान नजर आए। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का टाइटल सॉन्ग 'हर दिल जो प्यार करेगा' बज रहा था। प्रीति जिंटा ने इस वीडियो के साथ एक खास कैप्शन भी लिखा। उन्होंने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को याद करते हुए लिखा, ''फिल्म को रिलीज हुए 26 साल हो गए हैं, लेकिन यह अब भी हमारी पसंदीदा पुरानी यादों में शुमार है। फिल्म की 26वीं सालगिरह पर उन सभी दिलों को सेलिब्रेट करें, जो प्यार करना जानते हैं।''

बता दें कि फिल्म 'हर दिल जो प्यार करेगा' साल 2000 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन राज कंवर ने किया था, जबकि इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला थे। यह फिल्म सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला की सफल साझेदारी की लगातार तीसरी हिट फिल्म साबित हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही।

फिल्म की कहानी राज (सलमान खान) नाम के एक युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मुंबई में गायक बनने का सपना लेकर आता है। एक दिन वह एक लड़की को ट्रेन हादसे से बचाता है। वह लड़की पूजा ओबेरॉय (रानी मुखर्जी) होती है, जो एक अमीर परिवार से ताल्लुक रखती है। हादसे के बाद पूजा अस्पताल में भर्ती हो जाती है और कोमा में चली जाती है। पूजा के परिवार को लगता है कि राज ही वही व्यक्ति है, जिससे पूजा शादी करने वाली थी।

परिवार की हालत और पूजा के पिता की तबीयत को देखते हुए राज मजबूरी में यह झूठ स्वीकार कर लेता है कि वह पूजा का पति है। इसी दौरान पूजा की सबसे अच्छी दोस्त जाह्नवी (प्रीति जिंटा) राज के करीब आने लगती है। दोनों के बीच प्यार हो जाता है। लेकिन कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब पूजा होश में आती है और उसे भी राज से प्यार हो जाता है। इसके बाद रिश्तों और भावनाओं के बीच एक लंबी उलझन शुरू होती है।

अफसाना खान का 'इंस्टाग्राम' अकाउंट हुआ हैक, फैंस को सोशल गतिविधियों से दूर रहने की दी हिदायत

विश्व केसरी

मुंबई। मनोरंजन जगत की मशहूर गायिका अफसाना खान का आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया है। इस बात की जानकारी गायिका ने खुद ही सभी को दी है। साथ ही, उन्होंने फैंस को हिदायत दी है कि जब तक वे आधिकारिक तौर पर कंफर्म न दें कि अकाउंट का एक्सेस वापस मिल गया है, तब तक उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से भेजी गई किसी भी बातचीत में शामिल न हों, किसी लिंक पर क्लिक न करें या किसी मैसेज का जवाब न दें।

गायिका की टीम ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें अफसाना इस घटना पर निराशा जताती हुई और सोशल मीडिया अकाउंट्स के गलत इस्तेमाल की कड़ी निंदा करती हुई दिखाई दे रही हैं।

जारी किए गए वीडियो में वे कहती हैं कि इंस्टाग्राम हमेशा से वह मुख्य प्लेटफॉर्म रहा है, जिसके जरिए वह अपने फैंस से जुड़ती हैं और अपने संगीत, लाइव शो और निजी उपलब्धियों के बारे में अपडेट शेयर करती हैं। उन्होंने कहा, 'जिसने भी ऐसा किया है, बहुत गलत किया है। इंस्टाग्राम ऐसी जगह है, जहां हम अपने सभी निजी और प्रोफेशनल अपडेट, शो और रोजमर्रा की गतिविधियों के बारें में शेयर करते हैं। किसी के अकाउंट का इस तरह गलत इस्तेमाल करना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।'

गायिका ने अपने फैंस को बताया कि उनके अकाउंट की रिकवरी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और संबंधित टीम को मामले की जानकारी दे दी गई है। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि अकाउंट जल्द ही वापस मिल जाएगा। गायिका ने कहा, 'हमने अकाउंट रिकवरी के लिए सबमिट कर दिया है और मुझे उम्मीद है कि जल्द ही वापस मिल जाएगा। महादेव के आशीर्वाद से सब ठीक हो जाएगा।'

गायिका ने अपने फैंस को यह भी कहा कि जब तक उनका अकाउंट आधिकारिक तौर पर वापस नहीं मिल जाता, तब तक सभी को सावधान रहने और उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल से होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज करें।

गायिका की बात करें, तो वह एक भारतीय पंजाबी पार्श्व गायिका और गीतकार हैं, जो अपनी दमदार आवाज और 'तितलियां,' 'धक्का,' तथा ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के सुपरहिट गाने 'नाल नचना' के लिए जानी जाती हैं।

भारत दौरे पर नेपाल के कोशी प्रांत से 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, स्थानीय शासन को चलाने का सीख रहे गुर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेपाल के कोशी प्रांत से 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल स्टडी टूर पर भारत आए हैं। ये सभी हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) में स्थानीय शासन को सुचारू रूप चलाने का गुर सीख रहे हैं।

एनआईआरडीपीआर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय की पहल पर कोशी प्रांत, नेपाल के मेयर, चेयरपर्सन और म्युनिसिपल प्रतिनिधियों के लिए अर्बन गवर्नेंस पर 10-दिन का इंटरनेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम (3-12 अगस्त 2026) शुरू किया है। यह प्रोग्राम अर्बन गवर्नेंस (शहरी/नगरीय शासन), वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन), इको-टूरिज्म, इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित होगा। साथ ही प्रतिनिधिमंडल को उन इलाकों का दौरा भी कराया जाएगा जहां इन तरीकों (प्रोग्राम में शामिल) को अपनाया जा रहा है, इससे वो सर्वोत्तम कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव कर पाएंगे।

इससे पहले नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करते हुए इस दौरे से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा की थी। बताया कि भारत-नेपाल के बीच स्थानीय शासन स्तर पर सहयोग को और मजबूत करने के लिए नेपाल के कोशी प्रांत के इलाम, पंचथर, ताप्लेजुंग और तेरहथुम जिलों से 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत के अध्ययन दौरे पर रवाना हुए। इस दौरे का आयोजन भारत सरकार की क्षमता-निर्माण पहल के तहत किया गया है। प्रतिनिधिमंडल में मेयर, नगरपालिका अध्यक्ष और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं। ये लोग हैदराबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज (एनआईआरडीपीआर) में कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग कोर्स (इस टीम के लिए विशेष रूप से तैयार प्रशिक्षण कोर्स) करेंगे। ट्रेनिंग का फोकस तीन बिंदुओं- कृषि और ग्रामीण आजीविका, सतत विकास मॉडल और स्थानीय शासन पर होगा।

भारत सरकार का मानना है कि यह पहल दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिसका उद्देश्य ज्ञान का आदान-प्रदान, संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना और लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करना है। हाल के समय में नेपाल से स्थानीय सरकार के प्रतिनिधियों का भारत आने वाला चौथा प्रतिनिधिमंडल है।

इससे पहले कोशी प्रांत के संखुवासभा, कर्णाली प्रांत के हुम्ला और सुदूरपश्चिम प्रांत के दादेलधुरा, बैतडी और दार्चुला जिलों के प्रतिनिधि भारत का दौरा कर चुके हैं। इससे स्थानीय स्तर पर भारत-नेपाल सहयोग की बढ़ती गति साफ दिखती है। ऐसे एक्सचेंज प्रोग्राम से नेपाल के सीमावर्ती जिलों को पंचायती राज, ग्रामीण विकास और कृषि योजनाओं के भारतीय मॉडल को समझने में मदद मिलेगी, जिसे वे अपने क्षेत्र में लागू कर सकते हैं।

ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट में एक और टैंकर पर हमला, यूकेएमटीओ ने किया दावा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट में एक और टैंकर पर हमले की जानकारी सामने आई है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि एक मालवाहक जहाज ने स्थानीय समय के हिसाब से मंगलवार देर रात वीएचएफ चैनल 16 पर डिस्ट्रेस कॉल किया और बताया कि उस पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ है।

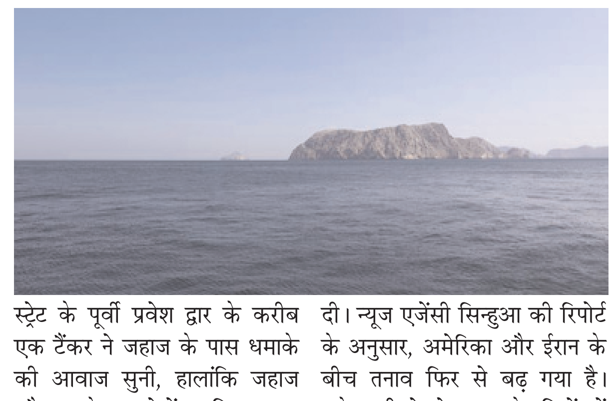

यूकेएमटीओ की रिपोर्ट में कहा गया कि बिना नाम वाले टैंकर पर ओमान के अल खसब से करीब 20 नॉटिकल मील (37 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी हिस्से में हमला हुआ। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हमला किसकी तरफ से किया गया है। हाल के दिनों में ओमान के पास जहाजों पर हमले बढ़े हैं। शुक्रवार को ओमान के लीमा से करीब 12 मील (20 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में एक अज्ञात टैंकर पर हमला हुआ था। यूकेएमटीओ ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी प्रवेश द्वार के करीब एक टैंकर ने जहाज के पास धमाके की आवाज सुनी, हालांकि जहाज और उसके क्रू दोनों सुरक्षित बताए गए हैं। रविवार को यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के अनुसार, एजेंसी को रविवार को 20:37 ग्रीनविच मीन टाइम पर जहाज के मास्टर से रिपोर्ट मिली। मास्टर ने कहा कि धमाका तब सुना गया, जब जहाज ओमान के खासाब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में था। यूकेएमटीओ ने इलाके से गुजरने वाले जहाजों को सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट एजेंसी को करने की सलाह दी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ गया है। यूकेएमटीओ ने हाल के दिनों में समुद्री सुरक्षा से जुड़ी कई घटनाओं की रिपोर्ट दी है, जिनमें से ज्यादातर ओमान के तट पर होर्मुज स्ट्रेट के पास हुई हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (अमेरिकी समय) को कहा कि ईरान के साथ बातचीत सोमवार दोपहर से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने अमेरिका से प्लान किए गए स्ट्राइक को रोकने के लिए कहा है।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान ने अफगानी मेडिकल-डेंटल डिग्री पर लगाई रोक

विश्व केसरी

काबुल। पाकिस्तान मेडिकल एंड डेंटल काउंसिल (पीएमडीसी) ने रजिस्ट्रेशन, लाइसेंसिंग या प्रोफेशनल प्रैक्टिस के लिए अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा संस्थानों से मिली मेडिकल और डेंटल डिग्री लेना बंद कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि इससे उन पाकिस्तानी स्टूडेंट्स के लिए कन्फ्यूजन पैदा हो गया है जो अभी अफगानिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। एक बयान में, पीडीएमसी ने कहा कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों ने पाकिस्तान के अप्रूव्ड एक्रेडिटेशन सिस्टम के तहत मान्यता प्राप्त दूसरे देशों के इंस्टीट्यूशन से मेडिकल या डेंटल डिग्री ली है, वे ही प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी असेसमेंट से गुजर पाएंगे। अफगानिस्तान की न्यूज एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि काउंसिल ने कहा कि अफगानिस्तान के मेडिकल और डेंटल इंस्टीट्यूशन पाकिस्तान की मान्यता प्राप्त विदेशी यूनिवर्सिटी में नामित नहीं हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पीडीएमसी के इस फैसले से उन पाकिस्तानी स्टूडेंट्स में चिंता बढ़ गई है जो अफगान यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि वहां फीस कम है और दूसरे विदेशी डेस्टिनेशन के मुकाबले एडमिशन के मौके आसान हैं। पाकिस्तान के मेडिकल रेगुलेटर का यह फैसला इस्लामाबाद और काबुल में तनाव और खराब संबंधों के बीच आया है, जहां बार-बार फायरिंग हो रही है और आम लोगों के मारे जाने की चिंता बढ़ रही है।

'सरकारों ने बांग्लादेश को 'राज्य विफलता' की ओर धकेला', आवामी लीग ने यूनुस और बीएनपी सरकार पर लगाए आरोप

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश की अवामी लीग ने मंगलवार को दावा किया कि तथाकथित जुलाई आंदोलन के दो साल बाद देश 'राज्य की विफलता' की स्थिति में पहुंच गया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सुधार, नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के वादों की जगह अब सुरक्षा में कमी, व्यवस्थित हिंसा और राजनीतिक एकाधिकार के लिए हथियार बनी राज्य संस्थाएं ले चुकी हैं। पार्टी ने कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार से लेकर सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार तक, लगातार आने वाली सरकारों ने मौजूदा अराजकता का फायदा उठाकर जनता को भयभीत और मौन रखा है। अवामी लीग ने बयान में कहा, 'अंतरिम प्रशासन के तकनीकी कुप्रबंधन से लेकर निर्वाचित क्ष्हक्क प्रशासन के शासन तक, किसी भी शासन ने देश को स्थिर नहीं किया। इसके बजाय दोनों ने असाधारण शक्तियों को सही ठहराने के लिए जनता की असुरक्षा का इस्तेमाल किया, जबकि चौकन्ने लोगों, आपराधिक गिरोहों और राजनीतिक भीड़ को समाज पर पुलिसिंग करने की छूट दी। पार्टी के अनुसार, जुलाई के बाद पैदा हुई सुरक्षा शून्यता ने बांग्लादेश के सबसे कमजोर लोगों को आसान निशाना बना दिया है। धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों को व्यवस्थित आतंक, संपत्ति की जब्ती और यौन हिंसा का सामना करना पड़ रहा है, जबकि राज्य संस्थाएं न तो सुरक्षा दे पा रही हैं और न ही न्याय।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,125 हुई, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने जारी किया अपडेट

विश्व केसरी

काराकास। वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या में अब भी बढ़ोतरी हो रही है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज की ओर से ऑफिशियल अपडेट जारी किया गया है। उनकी ओर से जारी अपडेट के अनुसार, 24 जून को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,125 हो गई है।

रोड्रिग्ज के टेलीग्राम चैनल पर सोमवार को पोस्ट की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बचाए गए लोगों की संख्या 6,462 बनी हुई है, जबकि 60,992 लोगों को अस्पताल में इलाज मिला है। जारी अपडेट में कहा गया है कि अधिकारियों ने भूकंप से प्रभावित परिवारों को 287 घर मुहैया कराए हैं और देश भर में 43,679 इमारतों का मूल्यांकन किया है।

वेनेजुएला सरकार ने भवन की रहने की क्षमता का आकलन करने के लिए ट्रैफिक-लाइट टैगिंग प्रणाली का उपयोग किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हरे टैग रहने योग्य संरचनाओं को दर्शाते हैं, पीले टैग प्रतिबंधित पहुंच को दर्शाते हैं, जबकि लाल टैग उच्च जोखिम वाली इमारतों की पहचान करते हैं, जिन्हें ध्वस्त किया जा सकता है। 24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप आए थे। जिनका केंद्र पश्चिमी राज्य याराक्यू और मध्य राज्य ला गुएरा था। रोड्रिग्ज ने पहले कहा था कि तटीय राज्य ला गुएरा में आश्रय स्थलों में 10,981 लोग हैं, जबकि कराकस में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग हैं। यहां सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। इससे पहले, वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने देश के हालिया भूकंप के पीड़ितों के समर्थन के लिए 28 देशों की ओर से दी गई मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कराकस में एक संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद यह टिप्पणी की, जहां 24 जून के भूकंप के पीड़ितों के लिए अस्थायी शिविरों में वितरण के लिए 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता वितरित की गई है।

भीषण सूखे के बीच हंगरी का परमाणु संयंत्र बंद होने की कगार पर, डेन्यूब का जलस्तर बढ़ने से टला संकट

विश्व केसरी

बुडापेस्ट। दक्षिण-पूर्वी यूरोप में भीषण गर्मी और सूखे के कारण डेन्यूब नदी का जलस्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे हंगरी का एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र पाक्स मंगलवार तड़के लगभग बंद होने की स्थिति में पहुंच गया। हालांकि, रात के दौरान नदी का जलस्तर करीब 1.5 सेंटीमीटर बढ़ने से तत्काल संकट टल गया।

हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर माज्यार ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात करीब 1:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) पाक्स परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पूरी तरह बंद करना 'महज कुछ मिलीमीटर' दूर रह गया था। उन्होंने बताया कि जलस्तर गिरना रुक गया और सुबह तक इसमें लगभग 1.5 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे संयंत्र की अंतिम टरबाइन सुरक्षित रूप से संचालित होती रही।

प्रमुख दैनिक हंगरी टाइम्स के अनुसार, डेन्यूब नदी में रिकॉर्ड गिरावट के कारण संयंत्र के रिएक्टरों की कूलिंग के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसके चलते संयंत्र फिलहाल अपनी सामान्य क्षमता के केवल लगभग 10 प्रतिशत से कुछ अधिक पर ही बिजली उत्पादन कर रहा है। हंगरी के ऊर्जा मंत्री इश्तवान कपितानी ने कहा कि सरकार द्वारा लागू ऊर्जा बचत उपायों के कारण बिजली की मांग में कमी आई है और राष्ट्रीय ग्रिड को सुरक्षित बनाए रखने में मदद मिली है।

ऊर्जा बचत के लिए कई कंपनियों ने भी अपने परिचालन में बदलाव किए हैं। सुपरमार्केट श्रृंखला लिडल ने अपनी बेकरी शिफ्ट्स का समय बदल दिया है, पेय पदार्थों के रेफ्रिजरेटर बंद कर दिए हैं और पार्किंग में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों का उपयोग शाम 5 बजे तक ही सीमित कर दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है ।

डेंगू से लड़ाई में भारत ने श्रीलंका को दिया 500 लीटर टेक्निकल मैलाथियान, 7.5 अरब डॉलर की मदद का जिक्र

विश्व केसरी

कोलंबो। डेंगू के प्रसार को नियंत्रित करने के श्रीलंका के प्रयासों में भारत ने एक बार फिर मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने मंगलवार को श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नलिंदा जयतिस्सा को 500 लीटर टेक्निकल मैलाथियान (कीटनाशक रसायन) सौंपा।

झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारत डेंगू के खिलाफ लड़ाई में श्रीलंका के साथ खड़ा है। भारत सरकार और जनता की ओर से उपहार के रूप में 500 लीटर टेक्निकल मैलाथियान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नलिंदा जयतिस्सा को सौंपकर खुशी हुई। इससे श्रीलंका में चल रहे डेंगू नियंत्रण प्रयासों को बल मिलेगा।'

भारत ने यह मदद ऐसे समय की है जब श्रीलंका भर के अस्पतालों में डेंगू वार्ड अभी भी भरे हुए हैं। हालांकि रोजाना आने वाले मामलों की संख्या में कमी आई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, श्रीलंका में डेंगू के दैनिक मामले जो कभी 1000 के आसपास पहुंच गए थे, अब घटकर लगभग 500 रह गए हैं। दैनिक 'डेली मिरर' की रिपोर्ट के अनुसार, मामलों में गिरावट के बावजूद अस्पतालों पर दबाव कम नहीं हुआ है। कई सरकारी अस्पतालों के डेंगू वार्ड क्षमता से अधिक मरीजों का इलाज कर रहे हैं। गवर्नमेंट मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन (जीएमओए) के सचिव प्रभात सुगतदासा ने कहा कि डेंगू पीक सीजन (डेंगू से लोग ज्यादा पीड़ित थे) के दौरान जो भीड़ थी उसमें थोड़ी कमी आई है, लेकिन अस्पतालों में अब भी इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

साइबर गतिविधियों पर चेतावनी को उत्तर कोरिया ने बताया 'घिसा पिटा आरोप', बोला- अमेरिका जिम्मेदार

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने उसकी साइबर गतिविधियों और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कर्मियों को लेकर दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जापान और अन्य देशों द्वारा हाल ही में जारी संयुक्त चेतावनी को खारिज कर दिया है। उसने इसे 'झूठी जानकारी पर आधारित राजनीतिक आरोप' बताया है।

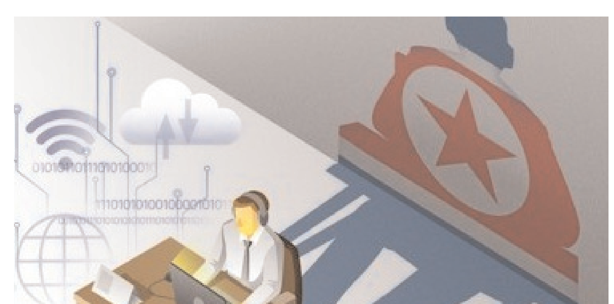

पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जापान सहित 11 देशों ने एक संयुक्त चेतावनी जारी कर आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया के आईटी कर्मचारी फर्जी पहचान और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर विदेशी कंपनियों में फ्रीलांस और रिमोट नौकरियां हासिल करते हैं। इन गतिविधियों से अर्जित विदेशी मुद्रा का उपयोग प्योंगयांग अपने वेपन प्रोग्राम के लिए करता है। इसी वजह से देशों और कंपनियों को कर्मचारियों की पहचान सत्यापन प्रक्रिया और साइबर सुरक्षा उपाय मजबूत करने की सलाह दी गई थी।

मंगलवार को उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के बयान का हवाला देते हुए योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की यह संयुक्त चेतावनी उत्तर कोरिया की छवि खराब करने के उद्देश्य से लगाया गया एक 'घिसा-पिटा राजनीतिक आरोप' है।

प्रवक्ता ने पलटवार करते हुए कहा कि साइबर क्षेत्र के सैन्यीकरण के लिए वास्तव में अमेरिका जिम्मेदार है। उनके अनुसार, वाशिंगटन लगातार अपनी साइबर युद्ध क्षमता बढ़ा रहा है और सहयोगी देशों के साथ संयुक्त साइबर अभ्यास आयोजित कर रहा है।

बयान में कहा गया कि दुनिया की सबसे बड़ी साइबर क्षमता रखने वाला अमेरिका यदि दूसरे देशों से साइबर खतरे की बात करता है, तो यह तर्कसंगत नहीं है।

दक्षिण कोरिया में बड़ा बदलाव, अभियोजकों से छीना जांच का अधिकार

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की कैबिनेट ने मंगलवार को हाल ही में पास हुए न्यायिक सुधार संबंधी कानून को मंजूरी दे दी। इससे अभियोजक के पास जांच का अधिकार नहीं होगा। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने इसे 'ज्यूडिशियल नॉर्मलाइजेशन' यानी देश की न्यायिक व्यवस्था को अधिक संतुलित और सामान्य बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम बताया।

कैबिनेट ने क्रिमिनल प्रोसीजर एक्ट में बदलाव को मंजूरी दे दी, जो पिछले हफ्ते नेशनल असेंबली से पास हुआ था, लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इसका बायकॉट किया था।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में संसद से पारित संशोधन के तहत अभियोजकों के प्रत्यक्ष आपराधिक जांच करने के अधिकार लगभग समाप्त हो जाएंगे। भविष्य में अधिकांश आपराधिक मामलों की प्रत्यक्ष जांच पुलिस करेगी, जबकि अभियोजन पक्ष मुख्य रूप से मुकदमा चलाने और कानूनी कार्रवाई तक सीमित रहेगा।

इससे पहले, कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति ली ने कहा, 'वर्षों से चली आ रही उस व्यवस्था में बदलाव का समय आ गया है, जिसमें अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) के पास जांच और अभियोजन, दोनों की व्यापक शक्तियां थीं।' उनके मुताबिक, नई व्यवस्था का उद्देश्य इन दोनों अधिकारों को अलग-अलग संस्थाओं के बीच बांटना है ताकि जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ सके। हालांकि, मुख्य विपक्षी दल ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जांच एजेंसियों की शक्तियों में बदलाव कर न्यायिक प्रणाली को कमजोर कर रही है।

उज्बेकिस्तान हमारे पड़ोस का हिस्सा है, व्यापार 1 बिलियन डॉलर से बढ़ाने पर जोर: विदेश मंत्री जयशंकर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच ने सोमवार को बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की विस्तार से समीक्षा की।

सैदोव इन दिनों भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। बैठक के दौरान डॉ. एस. जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा, 'मंत्री बख्तियार सैदोव, दोनों डेलीगेशन के सदस्यों, मैं कहना चाहता हूं कि आपका और आपके डेलीगेशन का भारत में स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। मैं आपको बता सकता हूं, एक दोस्त के तौर पर, मैं आपको देखकर सच में बहुत खुश हूं और मुझे पूरा भरोसा है कि आज की हमारी मीटिंग निश्चित रूप से हमारे संबंधों को और गहरा करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अब, हम भारत में उज्बेकिस्तान को अपने बड़े पड़ोस का हिस्सा मानते हैं और दोनों तरफ से लोगों, विचारों और चीजों का लगातार लेन-देन होता रहा है। हमारे बीच बहुत पुराना ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जुड़ाव भी है।

विदेश मंत्री ने कहा कि आजकल, राजनीतिक स्तर पर, हमारे सिस्टम के बीच संस्थागत स्तर पर लगातार बातचीत होती रही है और मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे संबंधों में लगातार तेजी आई है। हमारी लीडरशिप ने बहुत करीबी संपर्क बनाए रखा है और मेरे प्रधानमंत्री आपके राष्ट्रपति का बहुत खास सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में हमारे द्विपक्षीय संबंध बढ़े हैं और आज वे कंस्ट्रक्शन और डिजिटल से लेकर ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा तक बहुत अलग-अलग तरह के डोमेन में फैले हुए हैं, हम इसे माइनिंग में भी ले जाना चाहते हैं और आज हमारा व्यापार करीब एक बिलियन डॉलर का है, हमें पक्का लगता है कि यह नंबर बढ़ना चाहिए।

डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, 'मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि हमने भारत-उज्बेकिस्तान कॉन्टैक्ट्स के लिए एक पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया है और हमें उम्मीद है ।

वैष्णो देवी मंदिर में 550 करोड़ रुपए की हेराफेरी का मामला : सीजेएम ने मांगी विस्तृत जांच रिपोर्ट

विश्व केसरी

श्रीनगर। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में चढ़ावे की करीब 20 टन चांदी के 'नकली' होने और लगभग 550 करोड़ रुपए की हेराफेरी के आरोपों वाला मामला अब कोर्ट की निगरानी में आ गया है। जम्मू के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश करने और सभी सबूत तुरंत सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। सीजेएम मुनीष कुमार मनहास ने यह आदेश 29 जुलाई को दिया। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट में एक अर्जी दी थी। उनका आरोप है कि श्रद्धालुओं द्वारा माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई करीब 20 टन चांदी में मिलावट, अदला-बदली और गबन हुआ है। इस चांदी की अनुमानित कीमत करीब 550 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

दीपक शर्मा ने सबसे पहले 9 मई को जम्मू क्राइम ब्रांच के आईजी और एसएसपी, आर्थिक अपराध शाखा को शिकायत दी थी। कोर्ट के सामने एसएसपी क्राइम ब्रांच, ईओडब्ल्यू जम्मू की रिपोर्ट रखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच को शिकायत 11 मई को मिली थी। 20 मई को इसे आगे की कार्रवाई के लिए क्राइम हेडक्वार्टर भेजा गया।

9 जून को क्राइम हेडक्वार्टर ने इसे जोनल पुलिस हेडक्वार्टर जम्मू को भेजने की मंजूरी दी। 13 जून को यह मामला आईजी जम्मू जोन को भेजा गया। इसके बाद जांच के लिए इसे एसएसपी रियासी को सौंपा गया और आखिर में भवन, कटरा के डीएसपी को जांच का जिम्मा दिया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। मामला जांच के स्तर पर ही है। 29 जुलाई की सुनवाई के दौरान वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट से मांग की कि इस मामले से जुड़े सभी सबूतों को फौरन सुरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि बची हुई चांदी या चांदी जैसी दिखने वाली वस्तुएं, उनके सैंपल, बचे हुए टुकड़े, स्टॉक और वॉल्ट के रिकॉर्ड, वजन और भेजने के रजिस्टर, लैब और असे की रिपोर्ट, सरकारी टकसाल के कागज और चेन ऑफ कस्टडी से जुड़े सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक इन्वेंट्री डेटा, ऑफिशियल ईमेल, सर्वर लॉग, ऑडिट ट्रेल, अकाउंटिंग रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सबूतों को भी डिलीट या बदला न जाए। अर्जी में कहा गया कि अगर चांदी को अभी पिघलाया, रिफाइन किया या इधर-उधर किया गया या कंप्यूटर डेटा डिलीट हो गया तो सबूतों की पहचान, वजन और शुद्धता हमेशा के लिए खराब हो जाएगी। इन दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने डीएसपी भवन, कटरा को निर्देश दिया कि वे सबूत सुरक्षित रखने के लिए तुरंत कदम उठाएं और चल रही जांच की विस्तृत रिपोर्ट अगली तारीख पर पेश करें।

यूपी विधानसभा में 59019 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश, ऊर्जा-उद्योग और स्वास्थ्य पर बड़ा दांव

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन 59,019.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत करते हुए ऊर्जा, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, कृषि और समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधानों की घोषणा की।

बजट पेश होने के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया, जबकि सत्ता पक्ष ने भी नारेबाजी का जवाब नारेबाजी से दिया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किए गए 59,019.54 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट में ऊर्जा क्षेत्र के लिए 4,722 करोड़ रुपये तथा समाज कल्याण विभाग के लिए 1,655 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान किए गए हैं। सरकार का कहना है कि यह बजट राज्य में आधारभूत ढांचे के विस्तार, औद्योगिक निवेश, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और कृषि क्षेत्र को मजबूती देने पर केंद्रित है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में कृषि विभाग को राजस्व मद में 132.38 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत मद में 159 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के लिए 244.80 करोड़ रुपये से अधिक, पशुपालन विभाग के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये तथा दुग्ध विकास, मत्स्य और भूमि विकास एवं जल संसाधन विभागों के लिए भी अतिरिक्त बजटीय व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एलोपैथी चिकित्सा को सबसे अधिक प्राथमिकता मिली है। इस मद में 1,100 करोड़ रुपये राजस्व तथा 96 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। परिवार कल्याण के लिए 704.25 करोड़ रुपये, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 60.65 करोड़ रुपये तथा आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

संक्षिप्त खबर

इंस्टाग्राम पर क्लीनिंग सर्विस का विज्ञापन देकर चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिटी पुलिस ने दो ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर इंस्टाग्राम पर होम क्लीनिंग सर्विस का विज्ञापन देने और सफाई का काम करते समय ग्राहकों के घरों से गहने चुराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सफाई सेवा देने के बहाने ग्राहकों के घरों में जाने से पहले सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके एक क्लीनिंग कंपनी का प्रचार करते थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि वे इन दौरों के दौरान कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस की एक टीम ने खास खुफिया जानकारी के आधार पर गश्त के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया। यह ऑपरेशन अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर और सेक्टर-1, जोन-1 और बी-डिविजन के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाया गया। पुलिस सब-इंस्पेक्टर एचवी गोहिल और उनकी टीम ने संदिग्धों को पकड़ा और उन पर बीएनएस की धारा के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अर्जुन देवाजी किर (23) और नानू शंकर किर (22) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया, 'दोनों मूल रूप से राजस्थान के सलूंबर जिले की किर बस्ती के रहने वाले हैं और सफाई का काम करते थे।' पुलिस ने चोरी के सोने के गहने बरामद किए, जिनकी कीमत लगभग 18.90 लाख रुपए है।

नौकरी चाहने वालों के साथ धोखाधड़ी करने वाले एक फर्जी प्लेसमेंट रैकेट का भंडाफोड़

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन ने नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स के नाम से चल रहे एक फर्जी प्लेसमेंट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है। इन लोगों पर आरोप है कि वे नौकरी चाहने वाले बेरोजगारों से रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग फीस के बदले नौकरी दिलाने का वादा करके धोखाधड़ी करते थे। पुलिस ने बताया कि प्लेसमेंट एजेंसी बिना किसी रजिस्ट्रेशन के चल रही थी और नौकरी दिलाने के बहाने पैसे लेकर कई नौकरी चाहने वालों को ठग चुकी थी। जांच के दौरान, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज पांच शिकायतें आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों और बैंक खातों से जुड़ी पाई गईं। धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन, रजिस्ट्रेशन फॉर्म, पेमेंट रिकॉर्ड और बैंक खातों की जानकारी जब्त कर ली गई है। और पीड़ितों की पहचान करने और घोटाले के पूरे दायरे का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली के करोलबाग इलाके के बापा नगर के एक निवासी ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 24 जुलाई को उन्हें एक व्यक्ति का व्हाट्सएप मैसेज मिला, जिसने खुद को एक जॉब पोर्टल का एचआर प्रतिनिधि बताया।

युवाओं के गुस्से और विरोध के कारण उपचुनावों में भाजपा को मिली हार : प्रियंका चतुर्वेदी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने उपचुनाव सहित भिन्न मुद्दों पर टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया युवाओं के गुस्से और विरोध के कारण भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

बांकीपुर और दतिया उपचुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'छात्रों के पूरे विरोध-प्रदर्शन ने युवाओं में गुस्से का माहौल बना दिया। इसी वजह से जिस सीट पर भाजपा की जीत पक्की मानी जा रही थी, वहां वे हार गए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट बांकीपुर के हर बूथ से हारना यह दिखाता है कि भाजपा ने युवाओं के प्रदर्शन को गंभीरता से नहीं लिया। भाजपा को आत्ममंथन करना पड़ेगा कि उनकी पार्टी के अंदर कौन विभीषण है, जिसकी वजह से हार का सामना करना पड़ा।'

केंद्र की ई-20 फ्यूल पॉलिसी के खिलाफ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के प्रधानमंत्री आवास तक प्रस्तावित विरोध मार्च पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'लोग लंबे समय से ई-20 की वजह से परेशान हैं और इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। सरकार ने फिर से इस मुद्दे को नजरअंदाज किया है। हमने पहले भी जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन देखे हैं। आज अरविंद केजरीवाल इसकी अगुवाई कर रहे हैं।'

कर्नाटक कैबिनेट में एक भी महिला के शामिल न किए जाने पर चतुर्वेदी ने कहा, 'यह कांग्रेस को देखने वाली बात है। एक तरफ हम आधी आबादी, आधे अधिकार या पूरे अधिकारों की बात करते हैं। जब कैबिनेट का विस्तार हुआ, तो मैंने देखा, वहां सिर्फ पुरुष खड़े थे। जब हम 33 फीसदी महिला आरक्षण, महिलाओं की भागीदारी, महिला नेतृत्व और महिलाओं की हिस्सेदारी की बात करते हैं, तो यह मंत्रियों के पदों में क्यों नहीं दिखता?' तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन के बयान पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'मैंने उनकी टिप्पणी नहीं सुनी है, लेकिन अगर उन्होंने महिलाओं या किसी के निजी रिश्तों को लेकर कोई विवाद खड़ा किया है तो यह बहुत आपत्तिजनक है। स्टालिन को तुरंत ही माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले सोमवार को बृजभूषण शरण सिंह के कोर्ट से बरी होने पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा था, 'मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं लग रही है। जिस तरह से लोगों और महिला प्रदर्शनकारियों ने इतने दिनों तक विरोध किया, फिर भी उन्हें न्याय नहीं मिला और उन्हें सांसद बने रहने दिया गया। जब उन्हें सांसद का टिकट नहीं मिला, तो उनके बेटे को टिकट दे दिया गया। इसलिए, यह हैरानी की बात नहीं है कि जांच में भी कमियां रही होंगी, जिसकी वजह से आज उन्हें बरी किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल : 2022 में कांग्रेस पार्षद तपन कांडू की हत्या के आरोपी की अस्पताल में मौत

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की झालदा नगरपालिका के कांग्रेस पार्षद तपन कांडू की 2022 में हुई हत्या के आरोपी कॉन्ट्रैक्ट किलर की पुरुलिया सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी साझा की। आरोपी कालेबर सिंह (58) अप्रैल 2022 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से ही न्यायिक हिरासत में था। मंगलवार सुबह मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में जांच रिपोर्ट तैयार की गई। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा और इसके बाद परिवार को सौंप दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार, कालेबर सिंह अप्रैल 2022 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से पुरुलिया जिला सुधार गृह में बंद था। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहा था। उसे पिछले लगभग चार महीनों से पुरुलिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था।

कालेबर की पत्नी प्रतिमा देवी ने कहा, 'मेरे पति लंबे समय से बीमार थे। उन्हें इलाज के लिए कई अस्पतालों में ले जाया गया। हमने अदालत में जमानत के लिए अर्जी दी थी, लेकिन वह मंजूर नहीं हुई। मुझे नहीं पता कि मेरे पति ने हत्या की थी या नहीं, लेकिन मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है।' 13 मार्च 2022 को तपन कांडू की हत्या ने पश्चिम बंगाल में बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। यह हत्या झालदा नगरपालिका चुनावों में त्रिशंकु जनादेश के ठीक बाद हुई थी, जहां 12 सदस्यीय निकाय में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने पांच-पांच सीटें जीती थी। स्थिति तब राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गई जब एक निर्दलीय पार्षद ने कांग्रेस को समर्थन दिया, जिससे पार्टी के लिए नगरपालिका बोर्ड बनाने की संभावना बन गई।

कर्नाटक से छोड़े गए पानी से कावेरी उफान पर, पानी की कमी झेल रहे तमिलनाडु के किसानों को राहत मिलने की उम्मीद

विश्व केसरी

कोयंबटूर। कर्नाटक के जलाशयों से अधिक पानी छोड़े जाने और जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण तमिलनाडु में कावेरी नदी के प्रवेश बिंदु बिलिगुंडलू पर जलप्रवाह मंगलवार सुबह बढ़कर 18,000 क्यूसेक पहुंच गया। पानी के बहाव में अचानक हुई बढ़ोतरी से मेट्टूर बांध में पानी बढ़ने की उम्मीद है। इससे कावेरी डेल्टा के किसानों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी, क्योंकि वे पानी की कमी एक बड़ी चिंता रही है।

अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक के काबिनी और कृष्ण राज सागर जलाशयों से छोड़े गए पानी का बहाव मंगलवार तड़के बिलिगुंडलू पहुंचना शुरू हो गया। सोमवार शाम को पानी का बहाव सिर्फ 500 क्यूसेक था, जो मंगलवार तड़के बढ़कर लगभग 1,000 क्यूसेक हो गया। इसके बाद सुबह 7 बजे तक यह तेजी से बढ़कर 8,000 क्यूसेक हो गया और सुबह 10 बजे तक दोगुने से भी ज्यादा होकर 18,000 क्यूसेक तक पहुंच गया। कावेरी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद कर्नाटक काबिनी और केआरएस जलाशयों से 27,000 क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ रहा है, इसलिए बहाव के और बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक से छोड़ा गया पानी कावेरी नदी के जरिए मेट्टूर जलाशय में पहुंचने से पहले बिलिगुंडलू पहुंचता है। यह जलाशय तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में सिंचाई का एक अहम स्रोत है। अधिकारियों को उम्मीद है कि बिलिगुंडलू में दर्ज पानी का नया बहाव मंगलवार शाम या रात तक मेट्टूर बांध तक पहुंच जाएगा, जिससे जलाशय में पानी के बहाव में काफी सुधार होगा। फिलहाल, मेट्टूर में स्थिति कमजोर बनी हुई है। जलाशय का जलस्तर 73.18 फीट है, जबकि इसकी पूरी क्षमता 120 फीट है। बांध में पानी का बहाव सिर्फ 68 क्यूसेक था, जबकि निचले इलाकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 1,500 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था।

स्पैम कॉल और मैसेज पर सरकार का बड़ा एक्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अनचाहे व्यावसायिक कॉल और संदेशों (यूसीसी) पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सख्त कार्रवाई की है। संचार मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 1.83 लाख टेलीकॉम संसाधनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले 263 प्रेषकों को ब्लैकलिस्ट किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कई स्तरों पर कार्रवाई की गई। इसमें आउटगोइंग सेवाओं पर रोक लगाना, लंबे समय के लिए कनेक्शन बंद करना, सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के स्तर पर प्रेषकों को ब्लैकलिस्ट करना तथा एसएमएस हेडर ब्लॉक करना शामिल है। इसका उद्देश्य स्पैम कॉल और प्रमोशनल संदेशों को नियंत्रित करना है। सरकार ने बताया कि पहली तिमाही के दौरान देश के टेलीकॉम नेटवर्क से कुल 730.82 अरब कॉल की गईं। इसके मुकाबले यूसीसी से जुड़ी 10.85 लाख शिकायतें दर्ज हुईं। यानी औसतन हर 10 लाख कॉल पर करीब 1.5 शिकायतें प्राप्त हुईं।

स्पैम कॉल और संदेशों की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी उपयोग किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, एआई-आधारित सिस्टम ने 24.43 अरब संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस की पहचान की। इससे उपभोक्ताओं को यह निर्णय लेने में मदद मिली कि वे ऐसे कॉल या संदेशों को नजरअंदाज करें या सावधानी के साथ स्वीकार करें। सरकार ने यह भी बताया कि संदिग्ध प्रेषकों को नियमों के पालन के लिए बड़े पैमाने पर चेतावनी नोटिस भेजे गए। चेतावनी प्रणाली शुरू होने के मात्र एक सप्ताह के भीतर 2.43 लाख से अधिक चेतावनी संदेश जारी किए गए। मंत्रालय के मुताबिक, ट्राई डीएनडी ऐप स्पैम शिकायत दर्ज कराने का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरा है। कुल शिकायतों में से लगभग 89 प्रतिशत शिकायतें इसी ऐप के जरिए दर्ज की गईं। उपभोक्ता इस ऐप के अलावा अपने टेलीकॉम सेवा प्रदाता की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या फिर 1909 पर कॉल अथवा एसएमएस करके अपनी डू नॉट डिस्टर्ब (डीएनडी) प्राथमिकताएं दर्ज और संशोधित कर सकते हैं। सरकार ने बताया कि देश में 112 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं ने अभी तक डीएनडी प्राथमिकताएं दर्ज नहीं कराई हैं। ऐसे उपभोक्ताओं तक पंजीकृत टेलीमार्केटर और कंपनियां व्यावसायिक संदेश और कॉल भेज सकती हैं।

आंध्र प्रदेश : नल्लामल्ला जंगल में बाघ की मौत के मामले में दो संदिग्ध गिरफ्तार

विश्व केसरी

अमरावती। नल्लामल्ला जंगल में संदिग्ध हालात में हुई बाघ की मौत के मामले में आंध्र प्रदेश वन विभाग ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि गुंटूर जिले के मेडिकुंडुर से अंजी और विरंजनेयुलु को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए मार्कापुरम जिले के गिद्दलूर ले जाया गया।

उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के आदेश के बाद वन विभाग ने इस मामले की जांच तेज कर दी है। मार्कापुरम जिले के नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व (एनएसटीआर) के राचेरला वन क्षेत्र की गुंडलाकम्मा रेंज में टेद्दु मदुगु के पास 31 जुलाई को एक वयस्क बाघ का शव मिला था। वन अधिकारी इस बात की जांच कर रहे थे कि क्या बाघ का शिकार किया गया था, दूषित चारा खाने से उसकी मौत हुई या किसी अन्य कारण से। जांचकर्ताओं को शक है कि शव मिलने से 35 से 40 दिन पहले ही बाघ की मौत हो गई होगी। बाघ के पंजे और पैर गायब थे, जिससे शक पैदा हुआ कि अवैध व्यापार के लिए उसके पंजे निकाल लिए गए थे। बाघ के अवशेषों को फोरेंसिक और पोस्टमार्टम जांच के लिए हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) और बरेली स्थित इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) भेजा गया है। जांचकर्ता मौत का कारण पता लगाने के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री और पर्यावरण एवं वन मंत्री पवन कल्याण ने 1 अगस्त को नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व में बाघ की मौत की जांच के आदेश दिए थे।

सारनाथ का विश्व धरोहर बनना वाराणसी और देश के लिए गर्व का पल : गजेंद्र सिंह शेखावत

विश्व केसरी

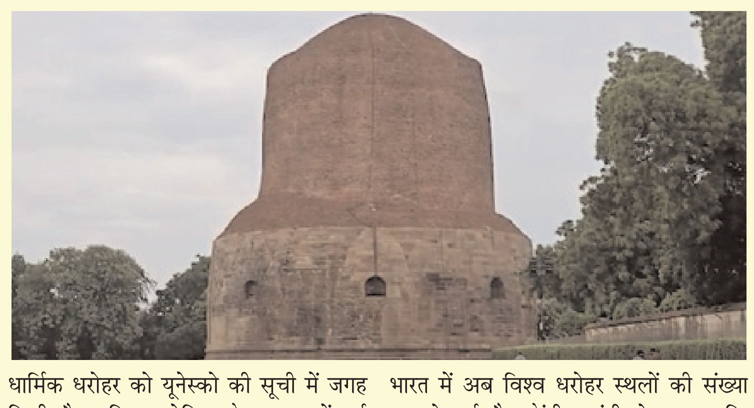

वाराणसी। बौद्ध धर्म की पवित्र नगरी सारनाथ को अब दुनियाभर में नई पहचान मिल गई है। यूनेस्को (यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन) ने 25 जुलाई को सारनाथ को भारत की 45वीं विश्व धरोहर स्थल घोषित कर दिया। इसे लेकर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रतिक्रिया दी है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को कहा कि यह पल हम सबके लिए, देश के लिए, खासकर वाराणसी वासियों के लिए बहुत गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सारनाथ की इस पुरातात्विक और धार्मिक धरोहर को यूनेस्को की सूची में जगह मिली है। दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई यूनेस्को विश्व धरोहर समिति की 48वीं बैठक में सारनाथ को यह दर्जा मिला। इसी के साथ भारत में अब विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 45 हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सारनाथ को 1998 में ही यूनेस्को की संभावित सूची यानी टेंटेटिव लिस्ट में रखा गया था। अब जाकर इसे अंतिम मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर का दर्जा मिलने के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी होगी। इससे न सिर्फ वाराणसी की अर्थव्यवस्था को फायदा होगा, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान भी और मजबूत होगी। सारनाथ वह पवित्र जगह है जहां गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपना पहला उपदेश दिया था। इसे 'धर्मचक्र प्रवर्तन' भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म की शुरुआत यहीं से मानी जाती है। इस धरोहर स्थल में चौखंडी स्तूप (यहीं बुद्ध अपने पहले शिष्यों से मिले थे।), और सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष, जिनमें प्रसिद्ध धमेख स्तूप, धर्माराजिका स्तूप, मूलगंधकुटी विहार और ऐतिहासिक अशोक स्तंभ शामिल हैं।

गट माइक्रोबायोम में बदलाव से कीमोथेरेपी हो सकती है ज्यादा असरदार, नई स्टडी में खुलासा

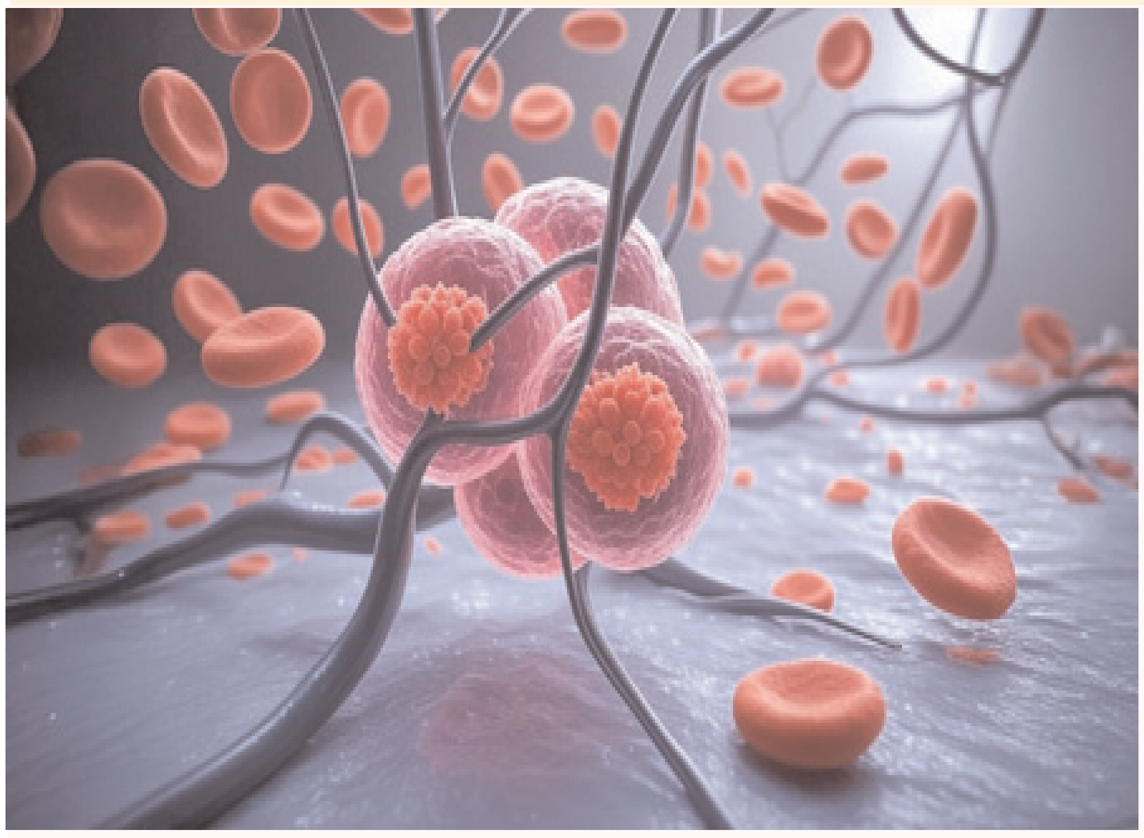

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी को और ज्यादा असरदार बनाने की दिशा में वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी तकनीक खोजी है, जिससे शरीर में मौजूद आंतों के बैक्टीरिया यानी गट माइक्रोबायोम में बदलाव कर कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक अधिक मात्रा में पहुंचाया जा सकता है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मैटेरियल्स में प्रकाशित हुआ है।

दरअसल, आजकल कई तरह के कैंसर के इलाज में नैनोपार्टिकल-आधारित कीमोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें दवा को बेहद छोटे कणों में पैक करके शरीर में भेजा जाता है, ताकि वह सीधे ट्यूमर तक पहुंच सके। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि दवा का बड़ा हिस्सा ट्यूमर तक पहुंचने से पहले ही लिवर साफ कर देता है। लिवर में मौजूद खास प्रतिरक्षा कोशिकाएं, जिन्हें कुप्फर सेल्स कहा जाता है, इन दवा कणों को खून से तेजी से हटाने लगती हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मरीज को दी गई दवा का पूरा फायदा नहीं मिल पाता।शोधकर्ताओं ने पाया कि इस पूरी प्रक्रिया में हमारी आंतों के बैक्टीरिया की भी बड़ी भूमिका होती है। ये बैक्टीरिया बाइल एसिड नामक रसायन बनाते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं को संकेत भेजते हैं कि वे दवा को कितनी तेजी से साफ करें।

रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने मेट्रोनिडाजोल नाम की एक सामान्य एंटीबायोटिक का सीमित समय के लिए इस्तेमाल किया। इससे कुछ खास तरह के बैक्टीरिया कम हो गए और बाइल एसिड का स्तर भी घट गया। इसके बाद लिवर की कुप्फर कोशिकाएं कम सक्रिय हो गईं और उन्होंने दवा को पहले की तुलना में बहुत कम मात्रा में हटाया।

इसका फायदा यह हुआ कि कीमोथेरेपी की दवा शरीर में लगभग दोगुने समय तक बनी रही। इससे दवा ज्यादा मात्रा में ट्यूमर तक पहुंची, ट्यूमर की वृद्धि धीमी हुई और कई प्रकार के कैंसर के प्रीक्लिनिकल मॉडल में मरीजों के जीवित रहने की अवधि भी बढ़ी। यह असर कोलन, ब्रेस्ट, मेलानोमा और पैंक्रियाटिक कैंसर जैसे कई कैंसर मॉडलों में देखा गया।

वैज्ञानिकों ने यह भी जांचा कि यह असर एंटीबायोटिक की वजह से हुआ या वास्तव में गट माइक्रोबायोम की वजह से। इसके लिए उन्होंने फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (एफएमटी) का प्रयोग किया। इसमें एंटीबायोटिक दिए गए मॉडल के आंतों के बैक्टीरिया दूसरे मॉडल में स्थानांतरित किए गए। खास बात यह रही कि दूसरे मॉडल में भी बिना एंटीबायोटिक दिए वही सकारात्मक परिणाम मिले। इससे साबित हुआ कि असली बदलाव माइक्रोबायोम की वजह से हुआ, न कि दवा के सीधे प्रभाव से।

एफएसएसएआई ने डाबर के भ्रामक दावे वाले कई उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई, शेयर करीब 3 प्रतिशत फिसला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने डाबर इंडिया लिमिटेड के खिलाफ कथित तौर पर '100 प्रतिशत शुद्ध' जैसे भ्रामक दावे करने वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री को लेकर रोक का आदेश जारी किया है।

खाद्य नियामक ने एफएमसीजी कंपनी के उन उत्पादों की बिक्री को रोकने का निर्देश दिया हैं, जिन पर '100 प्रतिशत नेचुरल ', '100 प्रतिशत प्योर ', '100 प्रतिशत प्यूरिटी गारंटीड' और '100 प्रतिशत टेंडर कोकोनट वाटर' जैसे दावे किए गए थे।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की उस टिप्पणी के बाद की गई है, जिसमें कहा गया था कि ये दावे अस्पष्ट, अप्रमाणित और उपभोक्ताओं को गुमराह करने की संभावना रखते हैं।

नियामक के अनुसार, ऐसे दावों का उपयोग खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन एवं दावे) विनियम, 2018 का उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि डाबर हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर और डाबर ऑर्गेनिक हनी पर एफएसएसएआई की वैध ऑर्गेनिक मंजूरी के बिना 'जैविक भारत' लोगो दिखाया गया था, जो कथित तौर पर 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (ऑर्गेनिक फ़ूड्स) रेगुलेशंस, 2017' का उल्लंघन है।

इसके अलावा, रेगुलेटर ने कहा कि डाबर होममेड कोकोनट मिल्क को '100 प्रतिशत शुद्धता' के दावे के साथ बेचा गया, जिसकी इजाजत कंपाउंड फूड प्रोडक्ट्स के लिए नहीं है।

रेगुलेटर ने यह भी कहा कि कंपनी को गुमराह करने वाले '100 प्रतिशत' दावों को बंद करने का निर्देश देने वाला नोटिस पहले भी दिया गया था, लेकिन कोई संतोषजनक सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

एफएसएसएआई ने कंपनी को निर्देश दिया है कि वह पहचाने गए प्रोडक्ट्स की बिक्री तुरंत बंद करे और 15 दिनों के भीतर 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) जमा करे। स डेवलपमेंट के बाद डाबर इंडिया के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। सुबह 11:30 बजे यह 2.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 413.65 रुपए पर कारोबार कर रहा था। बीते एक महीने में शेयर 8 प्रतिशत और बीते छह महीने में 17 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क चुका है।

रोज करें गरुड़ासन, मजबूत होंगे हाथ-पैर और दूर होगी शरीर की जकड़न

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वस्थ शरीर के लिए रोजाना योगासन और संतुलित आहार जरूरी है। योग में गरुड़ासन एक ऐसा आसन है जो शरीर को लचीलापन और मजबूती देता है। खासकर बच्चों के शारीरिक विकास और सेहत के लिए योग एक आसान और बहुत लाभकारी तरीका माना जाता है।

गरुड़ासन का नाम 'गरुड़' शब्द पर रखा गया है। 'गरुड़' का मतलब होता है 'चील'। इस आसन में आप चील की मुद्रा में होते हैं, इसलिए इसका नाम 'गरुड़ासन' दिया गया है। अंग्रेजी में इसे ईगल पोज कहा जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार गरुड़ासन संतुलन, एकाग्रता और शारीरिक मजबूती को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है, जो हाथ-पैर की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इसके साथ ही, यह टखनों, पिंडलियों, जांघों और कंधों की मांसपेशियों को मजबूत

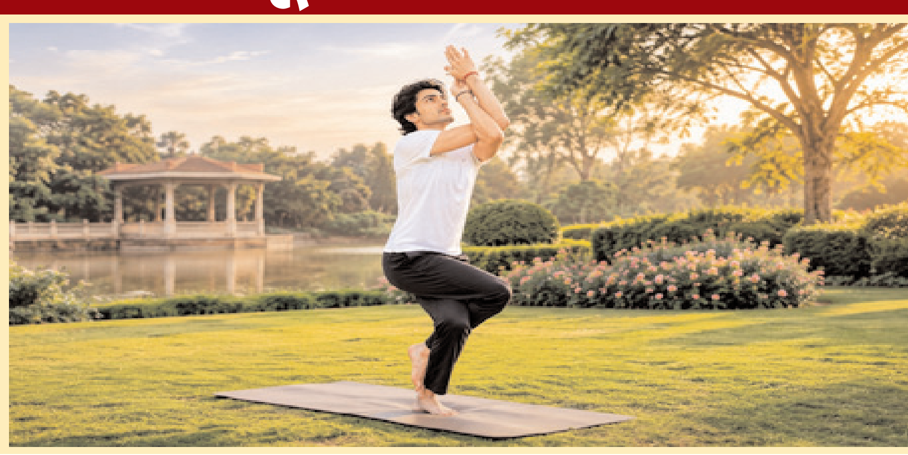

बनाता है। पैरों और कूल्हों में जकड़न दूर करता है। संतुलन और एकाग्रता में सुधार लाता है। कंधों और ऊपरी पीठ की अकड़न को भी दूर करता है। नसों को सक्रिय कर नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाता है।

गरुड़ासन को करने के लिए पहले आप ताड़ासन मुद्रा में आराम से खड़े हो जाएं। इस दौरान आप सामान्य रूप से सांस लेते रहें। अब अपने घुटनों को थोड़ा मोड़ें और दोनों हाथों को सामने की ओर लाएं। अब पूरे शरीर का संतुलन दाएं पैर पर लें और बाएं पैर को ऊपर की ओर उठाएं। इसके बाद बाएं पैर को दाईं टांग के आगे से घूमाते हुए पीछे की ओर ले जाएं। इस स्थिति में बाईं जांघ दाईं जांघ के ऊपर रहेगी। इसके बाद आपको दोनों बाजुओं को कोहनी से मोड़ते हुए क्रॉस करना है। इस दौरान बाईं बाजू को दाईं बाजू के ऊपर रखना है। फिर आपको दोनों हथेलियों को नमस्कार मुद्रा में लाने की कोशिश करनी है। जब तक संभव हो इस मुद्रा में रहें और धीरे-धीरे अपनी प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। इस तरह गरुड़ासन के तीन से पांच चक्र किए जा सकते हैं।

यह आसन शुरुआती अभ्यासकर्ताओं के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है लेकिन इसके नियमित अभ्यास से कई तरह के लाभ मिलते हैं। घुटने, टखने या कंधे में हाल ही में कोई चोट लगी हो तो यह आसन न करें।

हजारों यूजर्स का व्हाट्सएप अचानक हुआ बंद, मेटा बोला-रिव्यू में है अकाउंट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मेटा-बैक्ड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने कई अकाउंट्स के खिलाफ एक्शन लिया है, जिनमें यूजर्स ने बताया है कि उनके अकाउंट्स 24 घंटे तक रिव्यू में रहते हैं और वे एप्लिकेशन के खास फीचर्स को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर दिखाए गए नोटिफिकेशन में लिखा है, 'अकाउंट रिव्यू में है। अपील की तारीख: 3 अगस्त 2026। आपके अकाउंट की एक्टिविटी और डिवाइस की जानकारी चेक की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह हमारी टर्म्स ऑफ सर्विस को फॉलो करता है। हम आपको रिजल्ट के बारे में बताएंगे, आमतौर पर 24 घंटे के अंदर।'

नोटिफिकेशन में 'अकाउंट की दिक्कतों के बारे में जानें' का विकल्प भी है, जो व्हाट्सएप के जिम्मेदार इस्तेमाल के बारे में गाइडेंस देता है, साथ ही चोरी हुए फोन और कॉम्प्रोमाइज्ड अकाउंट के बारे में जानकारी भी देता है।

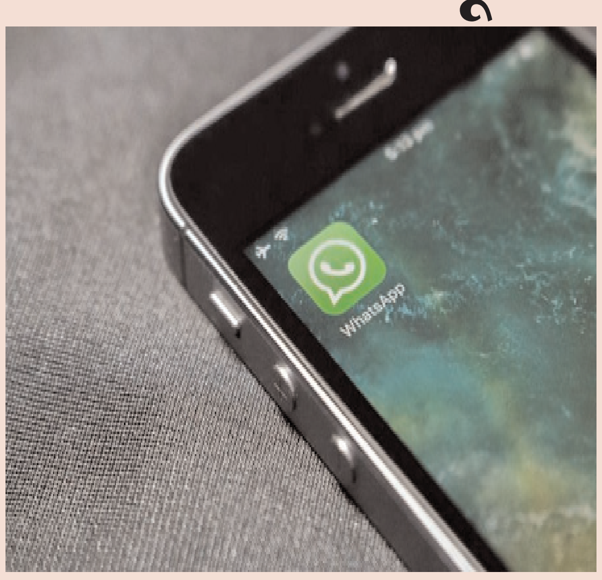

यूजर्स ने सोमवार शाम को इस दिक्कत की रिपोर्ट की, जिसमें कई लोगों ने दावा किया कि वे कंपनी से पहले से कोई सूचना मिले बिना व्हाट्सएप इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने इस दिक्कत की रिपोर्ट की।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मेरा व्हाट्सएप अकाउंट बिना किसी वजह के बंद कर दिया गया है।

मैंने पहले ही अपील कर दी है, लेकिन रिव्यू पेज पर सिर्फ एक आम मैसेज दिख रहा है जिसमें लिखा है कि इसे आम तौर पर 24 घंटे के अंदर रिव्यू किया जाएगा। मेरी तुरंत मदद करें।'

एक और यूजर, सलोनी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मेरा व्हाट्सएप अकाउंट बिना किसी वॉर्निंग के अचानक बंद कर दिया गया। मैं सिर्फ आधिकारिक ऐप इस्तेमाल करती हूं और मेरा काम व्हाट्सएप पर निर्भर करता है। प्लीज मदद करें। यह बिल्कुल जरूरी नहीं था।'

इससे पहले जुलाई में रिपोर्टों ने सुझाव दिया था कि सरकार व्हाट्सएप के प्रस्तावित उपयोगकर्ता नाम फीचर के विवाद के बाद भारत में संचालित मैसेजिंग प्लेटफार्मों के लिए समान मानक पेश करने पर विचार कर रही थी।

रिपोर्टों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक सामान्य नियामक ढांचे की खोज कर रहा है जो प्लेटफॉर्म-विशिष्ट उपायों को अपनाने के बजाय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लागू होगा।

यह चर्चा व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर के सरकार के विरोध के बाद हुई है, जिससे यूजर्स अपने फोन नंबर साझा किए बिना बातचीत कर सकेंगे।

किडनी को उम्रभर स्वस्थ रखना है तो अपनाएं ये 5 आदतें, छोटी लापरवाही बन सकती है बड़ी बीमारी की वजह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शरीर को स्वस्थ रखने की बात आती है तो ज्यादातर लोग दिल, फेफड़ों और वजन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन किडनी की सेहत अक्सर नजरअंदाज हो जाती है, जबकि किडनी शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है, जो बिना रुके हर दिन अपना काम करती रहती है। यह खून को साफ करने, शरीर में मौजूद बेकार पदार्थों को बाहर निकालने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। किडनी में परेशानी धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती दौर में कई बार इसके लक्षण साफ नजर नहीं आते, लेकिन कुछ सामान्य आदतों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाकर किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

किडनी की सेहत के लिए सबसे जरूरी आदतों में से एक है शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखना। पानी की कमी होने पर किडनी को खून से अपशिष्ट पदार्थों को निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। पर्याप्त पानी पीने से पेशाब के जरिए शरीर से अनावश्यक तत्व निकलते रहते हैं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता। हालांकि हर व्यक्ति की पानी की जरूरत अलग हो सकती है, क्योंकि यह उम्र, मौसम, काम की प्रकृति और शरीर की स्थिति पर निर्भर करती है। गर्मी में ज्यादा पसीना निकलने वाले लोगों को ज्यादा पानी की जरूरत हो सकती है, जबकि कुछ बीमारियों में डॉक्टर पानी की मात्रा सीमित करने की सलाह भी देते हैं। किडनी को सुरक्षित रखने के लिए ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना भी बेहद जरूरी है। लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर किडनी की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे उनकी काम करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी की बीमारी का संबंध दोनों तरफ से होता है। खराब किडनी भी ब्लड प्रेशर बढ़ा सकती है और बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है।

केंद्र सरकार ने टू-व्हीलर रोड एंबुलेंस के लिए पेश किया प्रस्ताव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को 'टू-व्हीलर रोड एंबुलेंस' के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव का मुख्य मकसद आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है, ताकि दुर्गम इलाकों में भी लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

इस अधिसूचना में मांग की गई है कि ऐसे दो पहिया वाहन को औपचारिक रूप से मान्यता और नियमन का अधिकार प्रदान किया जाए। इससे ग्रामीण, सुदूर और पहाड़ी इलाकों में लोगों को त्वरित गति से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान हो सकेंगी, क्योंकि ऐसी जगहों पर विशेष रूप से पारंपरिक एंबुलेंस को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

प्रस्तावित नियमों का उद्देश्य ऐसे वाहनों के लिए एक समर्पित नियामक संरचना के अभाव को दूर करना है, जिन्हें दुर्गम भूभाग, संकरी सड़कों और पारंपरिक एम्बुलेंस के लिए सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए एक प्रभावी समाधान के रूप में तेजी से देखा जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, टू-व्हीलर रोड एंबुलेंस आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में काफी सुधार कर सकती है और स्वास्थ्य सेवा तक अंतिम मील की पहुंच को सुगम बना सकती है, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में।

वर्तमान में, इन वाहनों को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के तहत एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप इनके डिजाइन, सुरक्षा सुविधाओं, पंजीकरण, प्रकार अनुमोदन और फिटनेस निरीक्षण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मानकों का अभाव है।

इस अंतर को पाटने के लिए मंत्रालय ने एआईएस-209 (भाग 1):2026 को अपनाने का प्रस्ताव दिया है।

एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा बढ़ावाः 6.7 लाख से ज्यादा उद्यमों को जेडईडी सर्टिफिकेशन, महिला उद्यमियों को 100 प्रतिशत सब्सिडी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) की सस्टेनेबल जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेडईडी) सर्टिफिकेशन योजना के तहत अब तक करीब 9.49 लाख एमएसएमई पंजीकृत हो चुके हैं। केंद्र सरकार महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई को जेडईडी सर्टिफिकेशन पर 100 प्रतिशत सब्सिडी भी दे रही है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि

इस योजना के तहत उद्यमों को गुणवत्ता-आधारित और पर्यावरण-अनुकूल विनिर्माण प्रक्रियाएं अपनाने में मदद देने के लिए अब तक 913 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है।

एमएसएमई मंत्रालय का कहना है कि जेडईडी योजना का उद्देश्य छोटे और मध्यम उद्योगों को बेहतर उत्पादन प्रक्रियाएं अपनाने, गुणवत्ता मानकों में सुधार करने और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे भारतीय एमएसएमई घरेलू और वैश्विक बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत कर सकते हैं। जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेडईडी) पहल के तहत उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने के साथ-साथ पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम रखने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके जरिए उद्यमों को तकनीक, सिस्टम और उत्पादन प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने में मदद मिलती है। योजना के तहत पंजीकृत उद्यमों में से 6.67 लाख एमएसएमई को ब्रॉन्ज, 6,700 को सिल्वर और 4,800 को गोल्ड सर्टिफिकेशन दिया जा चुका है।

नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद 21 अगस्त को फिर से एक्शन में दिखेंगे

एजेंसी ■

नई दिल्ली। ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जैवलिन में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा जल्द ही एक बार फिर एक्शन में दिखाई देंगे। नीरज 21 अगस्त को लॉजेन डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे।

21 अगस्त को होने वाले लॉजेन डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा के अलावा दुनिया के दिग्गज जैवलिन थ्रोअर हिस्सा लेंगे। इस एथलीटों में ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले एथलीट शामिल हैं।

लॉजेन डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा के अलावा, मौजूदा ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, हाल ही में कॉमनवेल्थ में गोल्ड जीतने वाले श्रीलंका के पथिराज, त्रिनिदाद और टोबैगो के वॉलकॉट और ग्रेनाडा के पीटर्स शामिल होंगे।

लॉजेन में दर्शकों को थ्रो करने के अलग-अलग तरीके और अलग-अलग अंदाज देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता काफी मुश्किल और रोमांचक है। दिग्गज जैवलिन थ्रोअरों के बीच ग्रेनाडा के पीटर्स का 90.61 मीटर का मीटिंग रिकॉर्ड खतरे में पड़ सकता है।

स्विट्जरलैंड के साइमन वीलैंड, जो लगातार शानदार प्रोग्रेस कर रहे हैं, के साथ-साथ पिछले दो यूरोपियन चैंपियन - टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चेकिया के जैकब वाडलेच और जर्मनी के जूलियन वेबर - के भी शामिल होने की पुष्टि हो गई है। दुनिया के नंबर दो अमेरिकी खिलाड़ी कर्टिस थॉम्पसन भी जीत के दावेदार होंगे।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जैवलिन के परिणाम पर गौर करें, तो श्रीलंका के रुमेश पथिराज ने तेज हवाओं जैसी मुश्किल परिस्थितियों में 89.75 मीटर के जबरदस्त थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरज चोपड़ा 85.83 मीटर थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यशवीर ने 85.41 मीटर का अब तक का अपना सबसे बेहतरीन थ्रो करके तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता। ओलंपिक 2024 और बर्मिंघम में गोल्ड जीतने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वह 77.41 मीटर के थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे। पीटर्स 83.88 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

डायमंड लीग स्टैंडिंग में, 2022 के चैंपियन नीरज अभी पांच अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं, जबकि पथिराज और पीटर्स 23-23 अंकों के साथ पहले ही फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

डॉ. मनसुख मांडविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। खेलों की दुनिया में भारत वैश्विक स्तर पर लगातार अपना दबदबा बना रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स में हमने भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन देखा ही है। इसके साथ ही निशानेबाजी, स्क्वैश और जूनियर खेलों में भी भारतीय एथलीटों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया में देश का नाम रौशन किया है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को दिल्ली में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

डॉ. मनसुख मांडविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह और कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष जूनियर टीम (आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह) को सम्मानित किया।

18 साल की अनाहत पिछले सप्ताह कनाडा में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इस प्रतियोगिता में यह उनकी पांचवीं भागीदारी थी और वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक। उन्होंने पिछले साल काहिरा में कांस्य पदक जीता था।

डॉ. मांडविया ने युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनकी हालिया सफलता को एक बहुत लंबी यात्रा की शुरुआत मानने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि आगे एशियाई खेल 2026 और ओलंपिक खेल 2028 जैसे बड़े पड़ाव आने वाले हैं।

अनाहत को उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि उनकी ऐतिहासिक जीत लाखों युवा भारतीयों को स्क्वैश खेलने के लिए प्रेरित करने वाली है। अनाहत ने खेल मंत्री को अपने ऑटोग्राफ वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भी भेंट किया।

खिलाड़ियों ने खेल मंत्री के साथ सेल्फी ली और अनौपचारिक बातचीत की। खिलाड़ियों को सम्मानित करने वाला यह कार्यक्रम के उनको प्रोत्साहित करने वाला और दिल को छू लेने वाला रहा।

केंद्रीय खेल मंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटी से वीडियो साझा की है। इसमें स्क्वैश में पदक जीतने वाले खिलाड़ी उनके साथ सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल ने शुरू किया कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्व केसरी ■

कोलकाता । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) कोचों के प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसका लक्ष्य कोचिंग के क्षेत्र में करियर बनाने वाले व्यक्तियों के सपने को पूरा करना है। इस कार्यक्रम में कैब भारी निवेश कर रहा है।

कैब का मानना है कि क्रिकेट का मजबूत इकोसिस्टम काफी हद तक ग्रासरूट कोच की क्वालिटी पर निर्भर करता है। इसी उद्देश्य से कैब कोचों के प्रशिक्षण के लिए 'ओ लेवल' कार्यक्रम की शुरुआत कर रहा है। सेमिनार कमेटी की सीधी देखरेख में चलाए जा रहे इस गहन और कई महीनों तक चलने वाले प्रोग्राम के जरिए, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल न सिर्फ इच्छुक कोचों के व्यक्तिगत सपनों को पूरा कर रहा है।

'ओ लेवल' कार्यक्रम के माध्यम से 240 से ज्यादा उम्मीदवारों को बीसीसीआई-समर्थित तरीकों और विश्व-स्तरीय जानकारी से लैस करके, कैब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को मान्यता प्राप्त, बेहद कुशल और क्रिकेट के प्रति गहरे जुनून वाले कोचों का मार्गदर्शन मिल सके। एक उत्साही व्यक्ति से मान्यता प्राप्त कोच बनने का सफर यहीं से शुरू होता है।

कैब ओ लेवल कोच कोर्स की शुरुआत से पहले, भारत के पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की सीनियर टीम के मौजूदा हेड कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला, एपेक्स काउंसिल के सदस्य सुरजीत लाहिड़ी और सेमिनार कमेटी के चेयरमैन सौगत चटर्जी मौजूद थे।

भारत में क्रिकेट हमेशा से एक लोकप्रिय खेल रहा है। मौजूदा समय में आईपीएल, राज्य-आधारित टी20 लीगों और बड़े पैमाने पर खुल रहे क्रिकेट अकादमियों की वजह से कोचों की मांग बढ़ी है।

बतौर कोच करियर के विकल्प पहले से बहुत ज्यादा बढ़े हैं और आर्थिक रूप से भी संतुष्टिजनक हैं। ऐसे में कैब द्वारा चलाया जा रहा कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को कोचिंग के क्षेत्र में करियर बनाने में मददगार साबित हो सकता है।

महिला टी20: पाकिस्तान ने 4 विकेट से जीता तीसरा मैच, श्रीलंका ने 2-1 से सीरीज जीती

विश्व केसरी ■

दांबुला । श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ मंगलवार को खेले गए तीसरे टी20 मैच में पाकिस्तान ने 4 विकेट से जीत हासिल की है। शुरुआती 2 मैच गंवाकर सीरीज पहले ही हार चुकी पाकिस्तान के लिए तीसरा मैच में जीत उसके आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाएगी।

रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका की टीम 6 विकेट पर 113 रन बना सकी। श्रीलंका की तरफ से कप्तान चमारी अथापथु ने सबसे ज्यादा 34 रन की पारी खेली। 33 गेंदों की पारी में उन्होंने 5 चौके लगाए। इसके अलावा, संजाना काविंदी ने 20 और ईमेशा दुलानी ने 17 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए मोमिमा रियासत ने 2, जबकि उमे हानी, नशरा संधू, तुबा हसन, और आएशा जफर ने 1-1 विकेट लिए।

114 रन का लक्ष्य पाकिस्तान की टीम ने 18.2 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान की तरफ से चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आईं आएशा जफर ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। 31 गेंदों पर खेली गई अपनी पारी में जफर ने 6 चौके लगाए। इसके अलावा, कप्तान और पारी की शुरुआत करने उतरीं मुनीबा अली ने 19 और शावल जुल्फिकार ने 21 रन की पारी खेली। सायरा जबीन ने नाबाद 12 रन बनाए।

श्रीलंका की तरफ से गेंदबाजी में भी कप्तान चमारी अथापथु ने शानदार प्रदर्शन किया और 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, कविशा दिल्हाड़ी ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए। निमाशा मीपागे को 1 विकेट मिला।

पाकिस्तान के लिए मैच विजयी 39 रन की पारी खेलने और 1 विकेट लेने वाली आएशा जफर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, सीरीज में 123 रन बनाने वाली श्रीलंका की इमेशा दुलानी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

श्रीलंका ने पहला और दूसरा मैच 6-6 विकेट से जीतकर टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

जर्मनी में भारतीय टेनिस का जलवा, पुनीत मनोहर बने अंडर-14 सुपर कैटेगरी डबल्स चैंपियन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । पुनीत मनोहर ने जर्मनी के ड्यूरेन में आयोजित 49वें 'इंटरनेशनल डॉयचे टेनिसमीस्टरशाफ्टन अंडर-14' में डबल्स का खिताब जीता। इस इवेंट की जूनियर सर्किट में बहुत बड़ी प्रतिष्ठा है, जिसे 'टेनिस यूरोप सुपर कैटेगरी' के पांच बहुप्रतिष्ठित सुपर कैटेगरी इवेंट्स में से एक माना जाता है।

साउथ कोरिया के मिंजियोन चोई के साथ जोड़ी बनाकर, पुनीत ने इस बड़े टूर्नामेंट में शानदार कौशल और तालमेल दिखाया। वर्ल्ड टेनिस/एटीएफ जीएसपीडीपी (ग्रैंड स्लैम प्लेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम) टूरिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, इस भारत-कोरियाई जोड़ी ने कड़े मुकाबले वाले ड्रॉ में शानदार खेल दिखाया।

'राउंड ऑफ 32' से आगे बढ़ने के बाद, इस जोड़ी ने 'राउंड ऑफ 16' में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड के पुन्नापत निमनुआंकुल और कोरिया के हिम वोंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से मात दी।

टूर्नामेंट के अगले दौर में भी अपनी लय बनाए रखते हुए, पुनीत और मिंजियोन ने जबरदस्त हिम्मत और कोर्ट पर बेहतरीन मूवमेंट दिखाई। क्वार्टर फाइनल में, उन्होंने कोलंबिया के मैथियास लानोस अस्टुडिलो और अर्जेंटीना के मैनुअल पैनियागुआ एलेक्सेनिसेर की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 6-4, 6-2 से जीत हासिल की।

कैनेडियन ओपन: गेल मॉनफिल्स ने कामिल माजच्रजाक को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

मॉन्ट्रियल । गेल मोनफिल्स ने पोलैंड के कामिल माजच्रजाक को 6-4, 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनाई और एक टेनिस प्रो के तौर पर मॉन्ट्रियल में अपने आखिरी दौरे को आगे बढ़ाया। यह अप्रैल में मोंटे-कार्लो के बाद उनकी पहली टूर-लेवल जीत थी।

कैनेडियन एटीपी मास्टर्स 1000 में अपना 15वां और आखिरी मैच खेलते हुए, मोनफिल्स इस इवेंट में मैच जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। 1 सितंबर को वह 40 साल के हो जाएंगे। इस फ्रांसीसी खिलाड़ी से ज्यादा बार इस इवेंट में सिर्फ जॉन मैकनरो और मिखाइल यूजनी (दोनों 16 बार) ने हिस्सा लिया है।

ओपन एरा में इस इवेंट में 25 जीत (25-13) दर्ज करने वाले सिर्फ नौवें खिलाड़ी बने मॉनफिल्स ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर कुल 146 जीत दर्ज की हैं—जो बिना मास्टर्स 1000 टाइटल जीते किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। मॉन्ट्रियल में वाइल्ड कार्ड एंट्री पाने वाले इस खिलाड़ी ने पूरे मैच के दौरान दर्शकों का मनोरंजन किया। मोनफिल्स ने अपनी दूसरी कोशिश में मैच जीता और दोनों सेट में अपनी मजबूत सर्विस का फायदा उठाया। एटीपी आंकड़ों के मुताबिक, पहली सर्विस पर उनकी जीत का प्रतिशत 84 (26/31) रहा। जीत के बाद मॉनफिल्स ने कहा, 'इस माहौल के लिए शुक्रिया, यहां आने के लिए शुक्रिया, दिल से शुक्रिया, आप लोग कमाल के हैं। दूसरे राउंड में उनका सामना टूर्नामेंट के नंबर 12 सीड, अमेरिकी लर्नर टिएन से होगा।

वहीं, मारियानो नवोन ने माटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 6-3, 6-7(5), 6-3 से जीत हासिल करके अपना पर्सनल रिकॉर्ड बनाया। 2026 में अपनी 19वीं जीत के साथ, नवोन ने एक सीजन में सबसे ज्यादा जीत का अपना पर्सनल-बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पिछले दो सालों में उन्होंने हर साल 18 जीत हासिल की थीं।

एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने बेरेटिनी के खिलाफ 12 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए और अब वे पिछले पांच एटीपी मास्टर्स 100 टूर्नामेंट में से चार में दूसरे दौर में पहुंच गए हैं।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान, टायला व्लामिन्क और डार्सी ब्राउन की वापसी

विश्व केसरी ■

मेलबर्न । भारत दौरे के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम में डार्सी ब्राउन और टायला व्लामिन्क की काफी लंबे वक्त के बाद वापसी हुई है।

27 वर्षीय टायला व्लामिन्क टी20 वर्ल्ड कप के दौरान कंधे में चोट की वजह से टीम से बाहर चल रही थीं। अब वे पूरी तरह से फिट हो गई हैं। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे और टी20 में व्लामिन्क शानदार प्रदर्शन करने को बेताब है। वहीं, 23 वर्षीय डार्सी ब्राउन टी20 वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना पाई थीं। लेकिन भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए में उनको जगह मिली है। उनके अनुभव का युवा खिलाड़ियों को फायदा मिलेगा।

बता दें कि तीन हफ्तों के इस टूर में न्यू चंडीगढ़ में तीन टी20, मोहाली में तीन एकदिवसीय मुकाबले और धर्मशाला में चार दिन का मैच शामिल है। वनडे मैचों की कप्तानी ताहलिया विल्सन के कंधों पर रहेगी। टी20 मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी निकोल फाल्टम संभालेंगी, जबकि चार दिवसीय मुकाबले में रेचल ट्रेनमैन कप्तानी करेंगी।

नेशनल सिलेक्टर शॉन फ्लेगलर ने कहा, 'दोनों ही ग्रुप में इंटरनेशनल खिलाड़ियों के चयन से हमारे कुछ युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का अच्छा मौका मिलेगा। फ्लेगलर ने आगे कहा, 'खिलाड़ियों के पास सबकॉन्टिनेंटल कंडीशंस में अनुभव लेने और विपक्षी टीम के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौका है। किसी खिलाड़ी के करियर की शुरुआत के लिए भारतीय कंडीशन में खेलना काफी अच्छा होता है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम: डार्सी ब्राउन, मैटलन ब्राउन, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, सियाना जिंजर, चार्ली नॉट, अनिका लियरॉयड, केटी मैक, लिली मिल्स, फ्रेंकी निकलिन, हेली सिल्वर-होम्स, रेचल ट्रेनमैन, कोर्टनी वेब, ताहलिया विल्सन, और टायला व्लामिन्क।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415